नई दिल्ली

रविवार, 23 नवंबर, 2025

मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष, तृतीया वर्ष : 29, अंक : 220

पृष्ठ 12 मूल्य 2 .00

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 25

न्यून. 12

बिल्कुल अलग होगा अगले सीजेआई का शपथग्रहण

कल भारत के 53वें चीफ जस्टिस बनेंगे जस्टिस सूर्यकांत, 6 देशों के चीफ जस्टिस, जज आएंगे

फाइल फोटो

नई दिल्ली। सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत भारत के नए और 53वें चीफ जस्टिस (सीजेआई) के तौर पर शपथ लेने वाले हैं। रविवार को मौजूदा सीजेआई बीआर गवई का कार्यकाल खत्म होने वाला है। लेकिन, पहली बार ऐसा हो रहा कि राष्ट्रपति भवन में नए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के शपथग्रहण के दौरान 6 देशों के चीफ ▸▸ शेष पेज 5 पर

जोहान्सबर्ग में शनिवार को जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले सत्र को संबोधित करते हुए बोले पीएम मोदी

आतंकवाद को उखाड़ने के लिए रोकनी पड़ेगी फेंटेनिल की तस्करीः प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

वैश्विक विकास और कल्याण के लिए समूह देशों के समक्ष रखे चार महत्वपूर्ण प्रस्ताव

विदेश मंत्रालय ने एक बयान के जरिए साझा किया पीएम का संबोधन, प्रोटोकॉल के चलते नहीं हुआ भाषण का लाइव टेलीकास्ट

अमेरिकी टैरिफ की वजह से दुनिया में मची हुई आर्थिक अस्थिरता और जटिल संघर्षों के दौर में शनिवार को दक्षिण-अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भारत की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें शिरकत की और पहले उद्घाटन सत्र में ही नई दिल्ली के 'वसुधैव कुटुंबकम और एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के व्यापक दृष्टिकोण के तहत चार महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखें। आतंकवाद का मुद्दा भी इसमें शामिल है। जिसे लेकर प्रधानमंत्री ने खासतौर पर फेंटेनिल मादक पदार्थ का उल्लेख करते हुए इसकी तस्करी पर समूह देशों से तत्काल प्रभाव से रोक लगानी चाहिए। साथ की इस संबंध में समस्या के निदान स्वरूप मादक पदार्थों से जुड़े आतंकवाद के गठजोड़ के संबंध में जी-20 के मुकाबले का प्रस्ताव भी पीएम ने रखा है।

यहां बता दें कि फेंटेनिल वही ड्रग है, जिसे लेकर बीते वक्त में अमेरिका ने कुछ भारतीय कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाया था। सम्मेलन में जो तीन अन्य प्रस्ताव प्रधानमंत्री ने रखे। उनमें भारत का वैश्विक परंपरागत ज्ञान कोष, अफ्रीका में कौशल को बढ़ावा देने के लिए गुणक कदम, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम का गठन किया जाना मुख्य हैं।

आतंकवाद को फाइनेंस करने का माध्यम फेंटेनिल

प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद और उसे बढ़ावा देने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी दुनिया के सामने खड़ा एक और बड़ा मुद्दा है। जिसमें फेंटेनिल जैसे अति घातक ड्रग्स बड़ी तेजी से फैल रहे हैं। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। फेंटेनिल वर्तमान में आतंकवाद को वित्तीय मदद प्रदान करने यानी फाइनेंस करने का भी एक बड़ा माध्यम है। भारत ने इस वैश्विक खतरे का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए प्रस्ताव रखा है। जिसके तहत हम आतंकवाद का वित्तपोषण, प्रशासन और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न माध्यमों को एक साथ ला सकते हैं। मेरा मानना है कि तभी मादक पदार्थ-आतंकी अर्थव्यवस्था को कमजोर किया जा सकता है।

अफ्रीका के विकास पर केंद्रित करें ध्यान

उन्होंने कहा कि बीते कई दशकों में समूह ने वैश्विक वित्त और आर्थिक विकास को दिशा प्रदान की है। लेकिन विकास के जिन मानकों पर अभी तक काम हुआ है। उनकी वजह से दुनिया की बड़ी आबादी संसाधनों से वंचित रह गई है। प्रकृति के अत्यधिक दोहन को भी बढ़ावा मिला है। अफ्रीका भी इसका एक बहुत बड़ा भुक्तभोगी है। ऐसे वक्त में जब पहली बार अफ्रीका जी-20 सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। तो हमें यहां विकास के मानकों पर पुनर्विचार करना चाहिए। भारत के सभ्यतागत मूल्यों में इसका एक रास्ता मौजूद है। जिसका संबंध एकीकृत मानवता का है। मानव, समाज और प्रकृति को एक एकीकृत रूप में देखना होगा। क्योंकि उसके बाद ही प्रगति और प्रकृति के बीच सामंजस्य संभव होगा।

संस्थापक के बहिष्कार से कोई घबराहट नहीं

इस साल जी-20 के संस्थापक सदस्य और अगले अध्यक्ष अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में हुए इस सम्मेलन का बहिष्कार किया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इसमें शामिल नहीं हुए। ट्रंप ने राष्ट्रपति रामफोसा को आयोजन के अंत में संयुक्त घोषणापत्र की बजाय एक बयान जारी करने के लिए कहा है। जिसे दक्षिण-अफ्रीका के राष्ट्रपति ने मानने से इंकार कर दिया है। साथ ही वह अमेरिका को ये भी साफ कर चुके हैं कि उनका देश किसी से डरने वाले या दबाव में आने वाले नहीं है। सम्मेलन के अंत में अमेरिका के सरकारी प्रतिनिधियों को जी-20 की बैटन या अन्य दस्तावेज सौंपने के लिए भी दक्षिण-अफ्रीका तैयार नहीं है। वहीं, 22 नवंबर को आयोजन स्थल पर दक्षिण-अफ्रीका के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी का जोरदार अंदाज में स्वागत किया। दोनों नेता कुछ देर तक एक दूसरे से हाथ मिलाते हुए मुस्कुराते हुए नजर आए। प्रधानमंत्री ने इस शानदार आयोजन और समूह की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति रामफोसा को बधाई दी। एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में स्किल्ड माइग्रेशन, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा, एआई, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार व महिला जागरूकता जैसे विषयों पर सराहनीय काम हुआ है। नई दिल्ली में जी-20 सम्मेलन में जो ऐतिहासिक लिए गए थे। उन्हें यहां आगे बढ़ाया गया है।

भारत के परंपरागत ज्ञान कोष का लाभ

पीएम ने कहा कि दुनिया में कई ऐसे समुदाय हैं। जिन्होंने अपने परंपरागत और संतुलित जीवनशैली को संभाल कर रखा है। ये परंपराएं सतत विकास को प्रदर्शित करती हैं। इनमें सांस्कृतिक ज्ञान, सामाजिक एकता और प्रकृति को लेकर गहरे सम्मान के भी दर्शन होते हैं। भारत ने प्रस्ताव दिया है कि जी-20 के तहत एक वैश्विक परंपरागत ज्ञान कोष बनाया जाए। हमारे ज्ञान तंत्र से जुड़ा कदम इसकी ▸▸ शेष पेज 5 पर

बुलंद की जाए ग्लोबल साउथ की आवाज

भारत और अफ्रीकी सद्भाव हमेशा से मजबूत रहा है। नई दिल्ली में हमारी मेजबानी में 2023 में शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी यूनियन समूह का एक स्थायी सदस्य बना था। जो एक बहुत बड़ा कदम था। इसलिए अब यह आवश्यक है कि इस भावना का विस्तार जी-20 से भी आगे होना चाहिए। दुनिया की तमाम अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में ग्लोबल साउथ की आवाज और बुलंद की जाए। इसके लिए हमें मिलकर प्रयास करना चाहिए।

आपदाओं से निपटना सामूहिक दायित्व

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी आपातकालीन परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं के संकट से मुकाबला करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जिसे लेकर भारत ने जी-20 ग्लोबल हेल्थकेयर रिस्पांस टीम के गठन का प्रस्ताव रखा है। टीम में समूह के 20 देशों के प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञ हों। जो किसी भी वैश्विक स्वास्थ्य संकट या प्राकृतिक आपदा के दौरान तेजी से तैनाती के लिए तैयार रहेंगे।

यूं होगा अफ्रीकी युवाओं का विकास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक, अफ्रीका के विकास और युवा प्रतिभा को सक्षम बनाना पूरी दुनिया के लिए लाभप्रद है। जिसे मद्देनजर रखते हुए हमने जी-20 अफ्रीका स्किल मल्टीप्लायर इनीशिएटिव का प्रस्ताव रखा है। विभिन्न क्षेत्रों के लिए ट्रेन द ट्रेनर्स मॉडल के जरिए ये आगे बढ़ सकता है। समूह के सभी सहयोगी देश से वित्तीय सहायता और सहयोग प्रदान कर सकते हैं। जी-20 का सामूहिक लक्ष्य है कि आगामी दस वर्षों में अफ्रीका में एक मिलियन सर्टिफाइड ट्रेनर तैयार हो जाएं। जो आगे चलकर करोड़ों कौशलयुक्त युवा तैयार करेंगे। पहल का बहुआयामी प्रभाव होगा। जिससे स्थानीय क्षमता का निर्माण होगा और अफ्रीका के दीर्घकालिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की वर्षगांठ पर मुर्शिदाबाद में प्रस्तावित नई मस्जिद की नींव रखने का मामला

पश्चिम बंगाल में मस्जिद की नींव रखने के ऐलान पर गरमाई राजनीति

टीएमसी विधायक की घोषणा को भाजपा ने बताया तुष्टिकरण की राजनीति

शहजाद पूनावाला

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में आगामी छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की वर्षगांठ पर मुर्शिदाबाद में प्रस्तावित नई मस्जिद की नींव रखने के तृणमूल कांग्रेस के विधायक की घोषणा के बाद भाजपा ने तुष्टिकरण की राजनीति करार दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कि यह टीएमसी की तुष्टिकरण की राजनीति है।

टीएमसी का मतलब अब 'तुष्टि कारण मुझे चाहिए' है। उन्होंने कहा कि यह विवादास्पद टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर, ▸▸ शेष पेज 5 पर

पश्चिम बंगाल टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर

सिद्दीकी ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

कबीर ने कहा कि 6 दिसंबर को, जैसा कि पहले घोषित किया गया था, मैं बेलडांगा में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करूँगा। मैंने सिद्दीकी को इस समारोह में आमंत्रित किया है क्योंकि वे भी धार्मिक हैं। हम इस कार्यक्रम में विधायक के रूप में नहीं, बल्कि एक धर्मनिष्ठ मुसलमान के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि चूँकि यह कार्यक्रम बहुत पहले से तय था, इसलिए मेरे लिए कोलकाता में टीएमसी द्वारा आयोजित बाबरी मस्जिद एकजुटता रैली में शामिल होना संभव नहीं है। मैंने पहले ही मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ अपने कार्यक्रम में शामिल होने का वादा किया है। हालाँकि सिद्दीकी ने अभी तक कबीर के निमंत्रण पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन राजनीतिक हलकों में उत्सुकता है कि क्या विधानसभा चुनावों से पहले सत्तारूढ़ और विपक्षी विधायकों को एक ही धार्मिक आयोजन में एक मंच पर देखा जाएगा।

नींव रखने आईएसएफ विधायक सिद्दीकी को आमंत्रित किया

पश्चिम बंगाल के टीएमसी विधायक हुमायूँ कबीर ने 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की वर्षगांठ पर मुर्शिदाबाद में प्रस्तावित नई मस्जिद की नींव रखने का ऐलान किया है, जिसके लिए उन्होंने आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी को आमंत्रित किया है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के भरतपुर से विवादास्पद तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूँ कबीर, जिन्होंने 22 दिसंबर को अल्पसंख्यकों के लिए एक नया संगठन बनाने की धमकी दी है, ने अपनी पार्टी को फिर से हैरान कर दिया है। इस बार उन्होंने 6 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित मूल बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ पर जिले में अपनी प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के लिए एक युवा विपक्षी विधायक नौशाद सिद्दीकी को आमंत्रित किया है। सिद्दीकी 2021 के विधानसभा चुनाव में दक्षिण 24 परगना के भांगड़ से पहली बार इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के टिकट पर विधायक चुने गए थे। इस संगठन की स्थापना उनके भाई और मुस्लिम धर्मगुरु अब्बास सिद्दीकी ने की थी। वे राज्य में विपक्ष के एकमात्र मुस्लिम विधायक भी हैं।

ड्रोन के जरिये पाकिस्तान से की जाती थी हथियारों की सप्लाई

कुख्यात गैंगस्टरों को हथियार सप्लाई करने वाले इंटरनेशनल रैकेट का खुलासा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित एक अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी उत्तर भारत में संगठित अपराध गिरोहों को उच्च गुणवत्ता वाले विदेशी हथियारों की आपूर्ति करने में शामिल था। पुलिस जांच में पता चला कि ड्रोन के जरिये पाकिस्तान से हथियारों की बॉर्डर पार सप्लाई की जाती थी। बरामद हथियारों में में तुर्की और चीन के हथियार शामिल है।

पुलिस के अनुसार यह नेटवर्क विदेशी हथियार पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से तस्करी के जरिये हासिल करता था और उनकी आपूर्ति दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब में गैंगस्टरों को करता था। जांच में पता चला कि हथियारों की तस्करी पाकिस्तान से विशेष ड्रोन के माध्यम से की जा रही थी, जो राडार से बचने के लिए कम ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम थे। सीमा के उस पार स्थित तस्कर हथियारों की खेप कथित रूप से रात के समय पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के संवेदनशील हिस्सों में पूर्व-निर्धारित जीपीएस स्थानों पर गिराते थे। पुलिस के अनुसार स्थानीय प्राप्तकर्ता उस खेप को उठाते थे और उन्हें सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाते थे। फिर उसकी आपूर्ति पूरे देश के अपराध नेटवर्क को करते थे। पुलिस के अनुसार यह मॉड्यूल 'एनक्रिप्टेड' संचार साधनों का उपयोग करता था और निगरानी से बचने के लिए हथियार गिराने का स्थान बार-बार बदलता रहता था। तस्कर निगरानी से बचने के लिए हथियारों को कार्बन लेपित सामग्री में लपेटते थे और भुगतान हवाला एवं प्रॉक्सी खातों के माध्यम से करते थे। पुलिस ने बताया कि इस अभियान में 10 अत्याधुनिक पिस्तौल के साथ 92 कारतूस जब्त किए गए। हथियारों में तुर्किये निर्मित पीएक्स-5.7 मॉडल शामिल हैं जो केवल विशेष बलों द्वारा उपयोग किए जाते हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मंदीप सिंह (38) और दलविंदर कुमार (34), दोनों पंजाब निवासी तथा रोहन तोमर (30) और अजय उर्फ मोनू (37) उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी के रूप में हुई है।

नेटवर्क में शामिल चार पकड़े

पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर को सूचना मिली थी कि पंजाब मूल के गैंगस्टर सोनू खत्री उर्फ राजेश कुमार से जुड़ी आईएसआई समर्थित हथियार आपूर्ति श्रृंखला की गतिविधियां जारी हैं। सोनू खत्री वर्तमान में अमेरिका में रह रहा है और उस पर 45 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। सूचना पर पुलिस ने रोहिणी के बवाना रोड पर खाटू श्याम मंदिर के पास जाल बिछाया गया जहां एक सफेद रंग की कार पहुंची। पुलिस ने कार को रोका और दो संदिग्धों को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार कार के स्पीकर बॉक्स में छिपाए गए डफल बैग से विदेश निर्मित आठ पिस्तौल और 84 कारतूस बरामद हुए। मौके पर मंदीप और दलविंदर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पुलिस को उनके दो और साथियों रोहन तोमर और अजय उर्फ मोनू के बारे में जानकारी मिली। उनके पास से दो अतिरिक्त पिस्तौल और आठ कारतूस जब्त किए गए। मंदीप और दलविंदर बचपन के दोस्त हैं और गैंगस्टर सोनू खत्री के करीबी सहयोगी जसप्रीत उर्फ जस के माध्यम से हथियार सिंडिकेट में शामिल हुए थे। जस भी वर्तमान में विदेश में है और माना जाता है कि वह आईएसआई संबंधित आपूर्तिकर्ताओं से जुड़ा है, जो ड्रोन के माध्यम से हथियार आपूर्ति की व्यवस्था करते हैं। रोहन और अजय लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर के गिरोहों जैसे गोगी गैंग, भाऊ गैंग और कपिल संगवान उर्फ नंदू गैंग से जुड़े है तथा सुपारी हत्यारों और फिरौती मॉड्यूल को उन्नत हथियार आपूर्ति करने में शामिल थे। कुल मिलाकर 10 पिस्तौल, 92 कारतूस और एक सफेद कार जब्त की गई हैं। जब्त पिस्तौल में तुर्की निर्मित 3 पीएक्स-5.7 पिस्तौल और चीन निर्मित 5 पीएक्स-3 पिस्तौल शामिल हैं। तुर्की निर्मित पीएक्स-5.7 पिस्तौल की बरामदगी इस नेटवर्क की उच्चस्तरीय और संगठित अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को दर्शाती है, जो केवल विशेष बलों द्वारा उपयोग की जाती हैं।

साइबर अपराध से जुड़े 42 सलाखों के पीछे धकेले

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ एक विशेष अभियान के तहत दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में 42 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर धोखाधड़ी से जुड़े कई अंतर-राज्यीय मॉड्यूल में शामिल होकर लोगों से 254 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप है। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन साइहॉक' के तहत छापेमारी के दौरान की गई हैं। पुलिस के अनुसार 23 प्राथमिकी दर्ज की गई। आरोपियों से जुड़ी 377 एनसीआरपी शिकायतें पाई गई। छापेमारी के दौरान कुल तीन लैपटॉप, दो कंप्यूटर सिस्टम, 43 मोबाइल फोन, 17 पासबुक, दो चेक बुक, 14 डेबिट कार्ड और 1.6 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा चिह्नित 'म्यूल अकाउंट' के तकनीकी विश्लेषण से किशनगढ़ में चार निजी बैंक खातों में संदिग्ध गतिविधि का पता चला था। 'म्यूल अकाउंट' का अर्थ है पैसे की हेराफेरी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला बैंक खाता। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान असगर अली (23) और अंकित सिंह (26) को गिरफ्तार किया गया। उनसे पूछताछ के बाद पुलिस कथित मास्टरमाइंड रवि कुमार सिंह (31) तक पहुंची, जिसे नोएडा, दिल्ली और गाजियाबाद में सात दिनों तक पीछा करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि रवि नोएडा और कोटला मुबारकपुर में कथित तौर पर फर्जी कॉल सेंटर चलाता था और निजी एयरलाइन में नौकरी के फर्जी विज्ञापनों के जरिए पीड़ितों को फंसाता था। वह एक अन्य आरोपी रवि मिश्रा की मदद से 'म्यूल अकाउंट' के जरिए भी ठगी की रकम इधर उधर करता था। तीन अतिरिक्त संदिग्धों राजन सिंह नेगी (32), कमलेश पाल (35) और 24 वर्षीय एक महिला को कोटला मुबारकपुर स्थित एक सक्रिय कॉल सेंटर से गिरफ्तार किया गया। एक अलग मामले में यह पाया गया कि राजेश कुमार के नाम पर बैंक खातों का इस्तेमाल कम से कम छह एनसीआरपी शिकायतों में धोखाधड़ी की रकम निकालने के लिए किया गया था, जिसके बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मंडावली और नजफगढ़ में छापेमारी कर राजेश (31) और उसके तीन साथियों साजन कुमार (27), आकाश कुमार (25) और गोपाल यादव (25) को गिरफ्तार किया गया। इनसे 17 पासबुक, आठ डेबिट कार्ड, तीन मोबाइल फोन और 1.6 लाख रुपये नकद बरामद हुये। एक अन्य मामले में, 'डायनेमिक ड्रीम्स' के नाम से खोले गए एक चालू खाते से लगभग 186 करोड़ रुपये के नुकसान की 244 साइबर अपराध शिकायतें जुड़ी पाई गई। मामला दर्ज कर निलोठी में छापेमारी के बाद खाताधारकों में से एक रंजीत सिंह (41) को गिरफ्तार कर लिया गया। एक अन्य मामले में गायत्री कुमारी (23) के नाम से पांच बैंक खातों का पता चला, जिनमें 23 साइबर अपराध की शिकायतें थी। गायत्री को डाबडी एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया और उससे पूछताछ के बाद अमन भारद्वाज (32) को भी पकड़ा। अमन के बारे में पुलिस का कहना है कि उसने ठगी गई रकम को 'यूएसडीटी क्रिप्टोकरेंसी' में बदलने में मदद की है।

रेल पहिया कारखाना/बेला
(जिला - सारण), बिहार - 841221

ई–निविदा संख्याः **SCP-25RRT** दिनांकः **19.11.2025** उप–मुख्य यांत्रिक अभियंता/मेंटेनेंस, रेल पहिया कारखाना, बेला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु भारतीय रेलवे की विशेष निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से एकल पैकेट प्रणाली पर आधारित ऑनलाइन खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः– **1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधिः कार्य का नामः** आरडब्ल्यूपी/बेला में मोल्ड रूम में संपूर्ण रेत प्रणाली के रेत कोटिंग संयंत्र का पुनरुद्धार और उन्नयन। **स्थानः** रेल व्हील प्लांट, बेला। **समापन की अवधिः** 08 महीने। **2. अनुमानित लागतः** ₹ 22901537.35 **3. ब्याना (बिड सिक्यूरिटी) की राशिः** ₹ 264600.00 **4. निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः** 12.12.2025 को 15:00 बजे। **5. वेबसाईट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा की पूर्ण विवरण देखी जा सकती हैः** पूर्ण विवरण और टेंडर/बोली प्रस्तुत करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे के विशेष निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in पर जाएं। निविदादाता/बोलीदाता(ओं) को उपरोक्त निविदा के संबंध में परिशिष्ट/शुद्धिपत्र/ रद्दीकरण सहित अद्यतन के लिए IREPS पोर्टल www.ireps.gov.in से जुड़े रहने के लिए निर्देश दिया जाता है।

उप–मुख्य यांत्रिक अभियंता/मेंटेनेंस/रेपका/बेला
आरडब्ल्यूपी/सीपीआरओ/ए डी भी टी/2025–26/80

15 वर्षीय किशोर की चाकू घोंपकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

■ दो संदिग्धों में एक नाबालिग शामिल

उत्तर-पूर्व दिल्ली के ज्योति नगर में शनिवार तड़के कहासुनी होने के बाद एक नाबालिग सहित दो युवकों ने 15 वर्षीय एक किशोर की कथित रूप से चाकू घोंपकर हत्या कर दी। कर्दमपुरी इलाके में यह वारदात सामने आई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसे पता चला कि स्थानीय लोग घायल किशोर को गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल ले गए थे ,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कर्दमपुरी के रहने वाले 15 वर्षीय लड़के का दो व्यक्तियों से झगड़ा हुआ था जिसमें एक नाबालिग भी शामिल था। उन्होंने बताया कि झगड़े के बाद उनमें से एक ने उसे कथित तौर पर चाकू मार दिया। पुलिस ने दावा किया है कि उन्हें अपराध में दोनों संदिग्धों की संलिप्तता दर्शाने वाले महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। अधिकारी ने कहा कि एक फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने इकट्ठा किए हैं और हमले की वजह बनने वाली घटना के क्रम का पता लगाने के लिए मामले में जांच जारी है।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर 25 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

■ यह अवकाश दिल्ली सरकार की गुरु साहिब के बलिदान के प्रति है विनम्र श्रद्धांजलि : रेखा

दिल्ली सरकार ने गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस के पावन अवसर पर 25 नवंबर 2025 (मंगलवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है। इस बात की जानकारी शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवकाश गुरु साहिब के अद्वितीय बलिदान, उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शन और मानवता की रक्षा के प्रति उनके सर्वोच्च समर्पण को नमन करने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह सार्वजनिक अवकाश केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि दिल्ली सरकार की ओर से गुरु साहिब के बलिदान के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस दिवस को श्रद्धा, एकता और सेवा-भाव की भावना के साथ मनाएं तथा गुरु साहिब के संदेशों को अपने जीवन में धारण करें। मुख्यमंत्री ने कहा है कि गुरु तेग बहादुर का जीवन अत्याचार, धार्मिक असहिष्णुता और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की पूर्ण और जीवंत मिसाल है। वे न केवल सिख धर्म के महान गुरु थे, बल्कि संपूर्ण मानवता के संरक्षक भी थे। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा की और यह संदेश दिया कि सत्य और धर्म की रक्षा किसी भी मूल्य पर की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का बलिदान इतिहास की उस अमर घटना का प्रतीक है, जिसने हमें यह सिखाया कि दूसरों की स्वतंत्रता और सम्मान की खातिर त्याग देना ही सच्ची मानवता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब का संदेश साहस, करुणा, सहिष्णुता, भाईचारा और सभी धर्मों के प्रति सम्मान आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना तीन सदियों पहले था। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का जीवन हमें हमेशा एक अधिक न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और समानता-आधारित समाज बनाने की प्रेरणा देता रहेगा।

लाल किले पर आयोजित 350 साल शहीदी दिवस कार्यक्रम में लाइट एंड साउंड शो ने किया भावुक

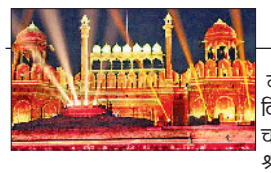

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

गुरु तेग बहादुर साहिब के 350 साल शहीदी दिवस के मौके पर शनिवार को लाल किले पर चल रहे कार्यक्रम में लाइट एंड साउंड शो को श्रद्धालुओं ने खुब पसंद किया और देखकर भावुक हो गए। इस लाइट एंड साउंड शो में गुरु साहिब के जीवनकाल से लेकर उनकी शहादत तक की घटनाओं को दर्शाया गया है। इस बारे में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि नौवें पातशाह गुरु तेग बहादुर साहिब और उनके सेवकों में भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दियाला के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित लाइट एंड साउंड शो ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया। यह शो बीते दिन शुरू हुआ था, जिसे देखने के लिए रोजाना हजारों की संख्या में संगत पहुँच रही है। इस लाइट एंड साउंड शो में गुरु साहिब के जीवनकाल से लेकर उनकी शहादत तक की घटनाओं को दर्शाया गया है। इस शो को देखकर बच्चे, जवान और बुजुर्ग—हर वर्ग के श्रद्धालु भावुक होते दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि जहाँ लाइट एंड साउंड शो में रोज हजारों श्रद्धालु पहुँच रहे हैं, वहीं यहाँ गतका प्रतियोगिताएँ भी हो रही हैं और मुख्य समागम के लिए शनिवार को गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों के 350 बच्चों द्वारा सामूहिक कीर्तन का अभ्यास किया गया। लाल किले पर लगी प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। तस्वीरों के माध्यम से गुरु तेग बहादुर साहिब की बेमिसाल शहादत और सिख धर्म के अन्य महत्वपूर्ण पलों को चित्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि 23 नवंबर से मुख्य कार्यक्रम शुरू हो रहे हैं, जो 23, 24 और 25 नवंबर तक चलेंगे। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर 50 हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है, जबकि लंगर स्थल पर एक ही समय में 20 हजार से अधिक लोग लंगर ग्रहण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा, दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के सहयोग से आयोजित इन कार्यक्रमों में देश-विदेश से बड़ी संख्या में सिख संगत नतमस्तक होने के लिए पहुँच रही हैं। इस दौरान आज आगरा के गुरुद्वारा 'के ताल' से प्रारंभ हुआ नगर कीर्तन दिल्ली में गुरुद्वारा सीस गंज साहिब पहुँचकर संपन्न हुआ।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना (दो पैकेट प्रणाली)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है:–

क्रम सं.-01, ई-निविदा संख्या:-NER-LJN-2025-182 (Two Packet System), कार्य का नाम:-पूउरे–लजं मंडल–वमंइं/मुख्यालय/लजं के परिक्षेत्र में स्वीकृत कार्यो **(1)** Barhni-Balrampur (SL)-TBR-67.000 Tkm (Km 113/0-180/0) and **(2)** Barhni-Gonda (SL)-TBR-41.000 Tkm (Km 180/0221/0) के विरूद्ध ट्रैक बैलास्ट का टी.बी.आर./डीप स्क्रीनिंग कार्य। अनुमानित लागत (रू०): ₹ 17,87,99,901.04, अग्रिम धन (रू०): ₹ 10,44,000/-, समापन अवधि: 18 माह।

(1) उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2025-182 (Two Packet System) के लिये ई-निविदा दिनांक 05-12-2025 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। **(2)** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट ***www.ireps.gov.in*** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग,
मुजाधि/डब्लू-343 **लखनऊ**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

सुविधाओं के मामले में बुराड़ी विधानसभा की हालत दिल्ली में सबसे दयनीय: कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

सुविधाओ के मामले में विगत 12 वर्षो में जो बुरा हाल बुराड़ी विधान सभा का हुआ है वह पूरी दिल्ली में और कहीं देखने को नहीं मिलेगा यह कहना है करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज का। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव जहां सरकार की नाकामियों के खिलाफ लगातार मुखरता से बोलते रहे हैं वहीं जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज भी प्रदूषण, टूटी सड़को, बिजली, पानी और जलजमाव से लेकर शिक्षा, चिकित्सा जैसे गम्भीर मुद्दों पर लगातार मुख्यमंत्री व उपराज्यपाल सहित अन्य संबंधित विभागों से पत्राचार करते रहे हैं। आदेश भारद्वाज का कहना है कि जिस विधान सभा के निवासियों ने चौथी बार विधायक और तीसरी बार सांसद को जिताकर भेजा हो उस विधानसभा की हालत आज ये है कि मेन 100 फूटा रोड बहुत ही जर्जर हालत में है, जिस कारण यह पता नहीं चलता कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क है। नतीजा रोज दुपहिया, तिपहिया और बैट्री रिक्शा पलट रहे हैं एवं लोग चोटिल हो रहे हैं। इसके अलावा गड्ढों के कारण ट्रेफिक स्लो चलता है, जिस कारण भयंकर जाम लगा रहता है। जाम की विकटता इतनी है कि आपात स्थिति में किसी मरीज को लेकर जाना तो मरीज की जान से खिलवाड़ करना है जाम में फंसे वाहनों का उत्सर्जन बढ़ते प्रदूषण के कारणों में से एक है। क्षेत्र की सड़के या गलियां ही नही छोटी नालियों से लेकर पीडब्ल्यूडी के नालों फ्लड के नाले ढंग से और समय से सफाई और रख रखाव ना होने से उनमें हर समय कीचड़ भरी रहती है। जिससे गलियों की नालियों की निकासी ना होने से गंदा व बदबूदार कीचड़ युक्त पानी सड़को पर फैला रहना आम बात है। और अगर आधा घंटा बारिश हो जाए तो फिर घुटनो घुटनो पानी और बाढ़ जैसे हालात और ईश्वर मालिक। आदेश भारद्वाज ने आगे कहा कि अगर मैं पीने के पानी की बात करूं तो अव्वल में तो पानी आता नही और अगर आता है तो एकदम गंदा, कीचड़युक्त और बदबूदार। जिससे पेट और त्वचा के संक्रमण और अन्य गंभीर बीमारियां का अंदेशा बना रहता है। पहले आप सरकार और अब भाजपा सरकार, अगर हर सरकार क्षेत्र की समस्याओं को लेकर ऐसा ही रुख बनाए रखेगी तो जनता इस सबका हिसाब अपने तरीके से देना जानती है।

भारतीयों को विदेश भेज साइबर धोखाधड़ी कराने के दो आरोपी किए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली। स्पेशल सेल की आईएफएसओ टीम ने भारतीय युवाओं को विदेश भेजने और म्यांमा में साइबर ठगी करवाये जाने का खुलासा किया है। इस संबंध में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके नाम बवाना निवासी दानिश राजा (24) और फरीदाबाद निवासी हर्ष (30) है। पुलिस के अनुसार यह मामला उस वक्त सामने आया जब म्यांमा के सैन्य अधिकारियों ने 22 अक्टूबर को म्यावाड्डी में धोखाधड़ी में इस्तेमाल किये जाने वाले एक परिसर पर छापा मारा और कई भारतीयों को वहां से मुक्त कराया। इन लोगों को साइबर धोखाधड़ी किए जाने वाले परिसर में बंधक बना कर रखा गया था। उस समय से विभिन्न राज्यों के लगभग 300 भारतीयों को वापस लाया जा चुका है। ये लोग कथित तौर पर दबाव में काम कर रहे थे और म्यांमा के कई धोखाधड़ी केंद्रों से अमेरिकी नागरिकों से ठगी कर रहे थे। साइबर गुलामी से तात्पर्य मानव तस्करी से है, जिसमें व्यक्तियों के साथ फर्जी नौकरी का प्रस्ताव देकर उनसे ठगी कराई जाती थी और फिर उन्हें संगठित साइबर-धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल करने के लिए शारीरिक या मानसिक रूप से मजबूर किया जाता है।

सीएम श्री स्कूलों पर दोबारा डॉ. अंबेडकर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का बोर्ड लगाएगी 'आप' : कुलदीप

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को ऐलान किया है कि वह 26 नवंबर को संविधान दिवस पर सभी सीएम श्री स्कूलों पर दोबारा डॉ. बाबा साहब अंबेडकर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का बोर्ड लगाकर भाजपा सरकार को करारा जवाब देगी। कोंडली से आप विधायक कुलदीप कुमार ने शनिवार को प्रैसवार्ता में कहा कि वह देश भर के दलित समाज और बाबा साहब के अनुयायियों से अपील की कि इस मुद्दे पर आवाज उठाएं और बाबा साहब का अपमान करने वाली भाजपा सरकार की निंदा करें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने डॉ. अंबेडकर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का नाम सीएम श्री करके दलित समाज का अपमान किया है। जबकि केजरीवाल सरकार ने इनको डॉ. अंबेडकर नाम देकर उनकी विद्वता को सम्मान दिया था। सीएम रेखा गुप्ता खुद को बाबा साहब से बड़ी मान रही हैं, लेकिन दिल्लीवाले बाबा साहब का यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। कुलदीप ने रोहिणी के एक स्कूल की तस्वीर दिखाते हुए कहा कि बाबा साहब का नाम हटाकर सीएम श्री का बोर्ड लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद इस सरकार ने सरकारी कार्यालयों से बाबा साहब की तस्वीरें हटवाईं और अब स्कूलों से उनका नाम मिटा रही है। दस दिन पहले खिचड़ीपुर के स्कूल में आम आदमी पार्टी ने बाबा साहब का नाम पुनः स्थापित किया था। अब जहां-जहां नाम बदले गए हैं, वहां फिर से बाबा साहब का नाम लगाया जाएगा। उन्होंने भाजपा सरकार को चेताया कि दलित समाज और बाबा साहब अंबेडकर का अपमान बंद करें।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **यासीन पुत्र लियाकत निवासी आवारा गर्द कोड़िया पुल फुटपाथ दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 279/23 भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **यासीन** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **यासीन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 279/23 भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **यासीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **22.01.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री मानसी मलिक
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी–02, कमरा नं.296ए
DP/15623/RLY/2025 **दूसरी मंजिल, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली**

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82Cr.P.C.** देखिए

सुमन देवी

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **सुमन देवी, पत्नीः** जय प्रकाश, **पताः** मकान न.–एम–103, शास्त्री नगर, दिल्ली, ने **FIR No. 934/2015, दिनांकः 10.07.2015, U/s, 447/420/468/471/34 IPC, थानाः** विजय विहार, **दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **सुमन देवी,** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **सुमन देवी,** फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 934/2015, दिनांकः 10.07.2015,U/s, 447/420/468/471/34 IPC, थानाः विजय विहार, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **सुमन देवी,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शगुन, एलडी.
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी
DP/14112/RD/2025 **जिला उत्तर–पश्चिम, कमरा न.109, प्रथम तल**
(Court Matter) **तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली**

150 यूनिटी मार्च के दूसरे चरण के अंतर्गत गंगा प्रवाह यात्रा का विदाई समारोह

कांग्रेस को 44 साल लगे कि सरदार वल्लभ भाई पटेल थे भारत रत्न: नड्डा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

कांग्रेस को यह स्वीकार करने में 44 साल लगे कि सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत रत्न थे और वो भी तब स्वीकारा जब 1991 में प्रधानमंत्री का पद नेहरू गांधी परिवार से बाहर चला गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को सरदार 150 यूनिटी मार्च के दूसरे चरण के अंतर्गत गंगा प्रवाह यात्रा के विदाई समारोह में हरी झंड़ी दिखाने के दौरान यह संबोधन दिया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते ह् ए कहा कि नेहरू गांधी परिवार का अधिपत्य होने के कारण कांग्रेस ने हमेशा सरदार वल्लभ भाई पटेल की अवेहलना की और उनको भारत रत्न का सम्मान देने में अत्याधिक समय लगाया। प्रकाश नड्डा ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के कारण ही भारत एक राष्ट्र के रूप में उभरा और यदि पं. नेहरू ने उनकी चलने दी होती तो आज जम्मू-कश्मीर की समस्या भी नहीं होती। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा है कि भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जिस सम्मान के अधिकारी थे वो उन्हें पहली बार तब मिला जब जनसंघ समर्थित जनता पार्टी सरकार ने 1978 में अहमदाबाद में उनका स्मारक बनवाया और उन्हें पूर्ण सम्मान भाजपा की नरेन्द्र मोदी सरकार ने दिया है, चाहे वह केवड़िया, गुजरात में सरदार पटेल की विशालकाय मूर्ति लगा कर हो या इस वर्ष से उनका जन्मदिवस राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का निर्णय लेकर हो।

पहला चरण पूर्ण होने पर शनिवार को हुई समीक्षा

भाजपा द्वारा भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्मृति में चलाए जा रहे सरदार 150 यूनिटी मार्च का पहला चरण पूर्ण होने पर शनिवार को एक समीक्षा हुई और दूसरे चरण के अंतर्गत गंगा प्रवाह यात्रा का विदाई समारोह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हरी झंड़ी दिखा कर सम्पन्न हुआ। सरदार 150 यूनिटी मार्च के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, सरदार 150 केन्द्रीय टोली सदस्य एवं विधायक सतीश उपाध्याय, राष्ट्रीय मीडिया सहप्रमुख संजय मयूख, दिल्ली भाजपा के सरदार 150 के संयोजक सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, सह संयोजक सांसद बांसुरी स्वराज एवं सागर त्यागी और प्रवक्ता यासीर जिलानी आदि सम्मलित हुए।

खबर संक्षेप

सभी को राहुल का साथ देना चाहिए : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को चांदनी चौक में एक चुनावी कार्यक्रम में बोलते हुए लोगों से आह्वान किया है कि यह समय फिरकापरस्त ताकतों के खिलाफ आवाज उठाने का सही समय है। उन्होंने आह्वान किया कि वर्तमान में पूरे देश को मिलकर लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी का साथ देना चाहिए। यादव चांदनी चौक के चांदनी महल वार्ड से कांग्रेसी निगम उम्मीदवार शहजाद के कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर यादव के अलावा दिल्ली इंजार्च काजी निजामुद्दीन, पूर्व मंत्री हारुन युसूफ, डा0 नरेन्द्र नाथ, डा0 योगानन्द शास्त्री, मीडिया और कम्युनिकेशन के चेयरमैन अनिल भारद्वाज सहित अन्य मौजूद थे।

मनोनीत पार्षद जैन ने महापौर और आयुक्त को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली में दिल्ली नगर निगम की पार्किंग से अवैध तरीके से पार्किंग शुल्क वसूलने की शिकायतें मिलने पर निगम के मनोनीत पार्षद मनोज जैन ने दिल्ली के महापौर और निगम आयुक्त को पत्र लिखा है। पत्र को मीडिया से साझा करते हुए बताया कि हाल में मुझे और अनेक नागरिकों को दिल्ली के विभिन्न पार्किंग क्षेत्रों में एक गंभीर समस्या का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ है अप्राधिकृत एवं गैर-परिचालित व्यक्तियों द्वारा मोबाइल क्यू आर कोड के माध्यम से बिना किसी अधिकारिक अनुमति के पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। इस प्रकार के गैरकानूनी वसूली के कई वीडियो और प्रमाण नागरिकों द्वारा रिकॉर्ड किए गए हैं।

सरकार की इस पहल से प्रदूषण होगा कम : रेखा गुप्ता

दिल्ली सरकार ने रात में ड्यूटी देने वाले सुरक्षा गार्डों को हीटर देना किया शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने प्रदूषण को रोकने के लिए अपने प्रयासों को तेज करते हुए सर्दियों में रात को ड्यूटी देने वाले सुरक्षा गार्डों को हीटर देना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में दिल्ली हाट, पीतमपुरा में आरडब्ल्यूए को इलेक्ट्रिक हीटर वितरित किए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से रात में ड्यूटी देने वाले सुरक्षा गार्डों को ठंड से राहत मिलेगी और खुले में लकड़ी और कोयले जैसे पारंपरिक ईंधन के उपयोग को कम करके वायु प्रदूषण में कमी लाने में भी सहायक होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के प्रदूषण को नियंत्रण में लाने के लिए बहुआयामी रणनीति पर काम कर रही है। पूरी सरकार व सरकारी मशीनरी प्रदूषण को नियंत्रण में लाने के लिए प्रभावी व कड़े कदम उठा रही है। इस कार्यक्रम में सांसद प्रवीण खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक तिलक राम गुप्ता, राजकुमार भाटिया तथा विभिन्न आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में प्रदूषण का एक अहम कारण खुले में लकड़ी, कूड़ा और कोयला जलाना है। इस समस्या को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने आज से यह योजना शुरू की है, जिसके तहत 10 हजार से अधिक इलेक्ट्रिक हीटर सीएसआर फंडिंग के माध्यम से विभिन्न आरडब्ल्यूए को उपलब्ध कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मानवीय कदम जन-सहभागिता का नया मॉडल है। सरकार की ओर से प्रेस करने वाले श्रमिकों को कोयला आधारित प्रेस की बजाय गैस या इलेक्ट्रिक प्रेस अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

इसके साथ ही झुग्गी बस्तियों के परिवारों को उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदूषण के खिलाफ यह लड़ाई तभी जीती जा सकती है जब नागरिक, संस्थान और आरडब्ल्यूए समान रूप से योगदान दें।

उन्होंने कहा कि यह कदम दिल्ली को अधिक स्वच्छ और स्वास्थ्यकर बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्लीसरकार वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार प्रभावी व कड़े कदम उठा रही है।

- सरकार आरडब्ल्यूए को देगी 10 हजार हीटर, अब कॉलोनियों में नहीं जलेगी अंगीठी और अलाव

बायोमास बर्निंग रोकने की दिशा में हीटर वितरण की पहल बड़ा कदम : सिरसा

इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि बायोमास बर्निंग रोकने के लिए हीटर वितरण पहल इसी सोच का हिस्सा है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली की परिस्थितियां पूरे देश से अलग हैं। कई बार हमारा प्रदूषण हमारे पड़ोसी राज्यों से भी प्रभावित होता है। इसके बावजूद हमारी सरकार ने दिल्ली के भीतर प्रदूषण नियंत्रण में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। कंस्ट्रक्शन साइट्स की सख्त मॉनिटरिंग, हाई-राइज इमारतों पर एंटी-स्मॉग गन्स को अनिवार्य करना, 8 हजार इंडस्ट्री यूनिट्स को पॉल्यूशन मानकों के दायरे में लाना, नॉन रेगुलराइज इंडस्ट्री एरियाज को रेगुलराइज करना जैसे कार्य दिखाते हैं कि प्रदूषण कम करना हमारे लिए एक घोषणा नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है जिसे हमने जमीन पर लागू करके दिखाया है।

कुतुबगढ़ के 160 बुजुर्गों को 13 लाख के सहायक उपकरण किए वितरित : इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- हमारी सरकार ने बुजुर्गों को 8 महीने में पिछली सरकार के 5 वर्षों से अधिक सहायक उपकरण प्रदान किए

वीरांगना झलकारी बाई कोली की जयंती पर बवाना के कुतुबगढ़ के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में शनिवार को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत करीब 160 वरिष्ठ नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाले करीब 13 लाख रुपए के उपकरण प्रदान किए।

इस अवसर पर मंत्री इंद्राज ने वीरांगना झलकारी बाई कोली को नमन करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार समाज की महान विभूतियों, वीरांगनाओं और शहीदों को उचित सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पहली बार दिल्ली सरकार की सम्मान सूची में ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों के नाम दर्ज किए जा रहे हैं, जिन्हें पिछली किसी भी सरकार ने स्थान नहीं दिया था। मंत्री इंद्राज ने इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से अपील की कि किसी भी वरिष्ठ नागरिक को घर में या पड़ोस में उम्र या शारीरिक परिस्थितियों के कारण सहायक उपकरण की आवश्यकता है तो हमें सूचित करें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश हैं कि वरिष्ठ नागरिकों को दिल्ली सरकार की सभी संबंधित योजनाओं का लाभ मिले। मंत्री इंद्राज ने कहा कि सरकार वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए समर्पित है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लिए गए 'स्वदेशी' और 'नशा मुक्त भारत' के दो संकल्प

नई दिल्ली। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को दिल्ली में देश की एकता और अखंडता के संदेश को समर्पित एक यूनिटी मार्च निकाला गया। इस यूनिटी मार्च में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भागीदारी की और सरदार पटेल के राष्ट्रनिर्माण के दूरदर्शी संदेश को नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नागरिकों ने दो महत्वपूर्ण संकल्प लिए। पीतमपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित यह भव्य मार्च अत्यंत उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल और विधायक तिलक राम गुप्ता सहित कई अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे। सभी ने मिलकर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम की शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह से हुई, जिसमें मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों और नागरिकों ने दो महत्वपूर्ण संकल्प लिए। पहला, 'स्वदेशी के लिए शपथ', जिसके तहत देश में निर्मित उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया और दूसरा, 'नशा मुक्त भारत' के लिए सामूहिक शपथ, जिसका उद्देश्य एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करना है। समारोह में बच्चों द्वारा संगीत और नृत्य की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। उन्होंने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के विषयों को खूबसूरती से उजागर किया।

प्रदूषण से निपटने को बदले गए ग्रेप के स्टेज, सीक्यूएम ने कहा, सख्ती से किया जाए लागू

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में लगातार वायु प्रदूषण से बन रहे गंभीर हालत को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) की पाबंदियों को और सख्त कर दिया गया है। सख्ती बरतते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) ने 21 नवंबर को ग्रेप के नियमों में बदलाव किए थे, जबकि फैसला 20 नवंबर को संबंधित विभागों के साथ बैठक के बाद ही ले लिया गया था और कहा था यह तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है। नए नियम हर हाल में सख्ती से लागू करना है। जिससे की दिल्ली एनसीआर में हवा की गुणवत्ता और खराब होने से पहले ही सख्त कदम उठाए जा सकें। जबकि विभिन्न संबंधित निकायों ने आयोग के दिशा निर्देशों का पालन शुरू करने की बात कही है। जानकारी अनुसार ग्रेप - 2 में लागू होने वाले सभी उपाय पहले की तुलना में अब स्टेज-1 से ही शुरू होंगे यानी लागू करने पड़ेगें। इससे प्रदूषण को जल्दी काबू करने में अधिक मदद मिलेगी। नए आदेश के मुताबिक कड़े नियम अब पहले ही चरण में लागू हो जाएंगे। यानी जो प्रतिबंध पहले स्टेज चार में तब लगते थे, जब एक्यूआई 450 से ऊपर जाता था, वे अब स्टेज तीन में ही लागू हो जाएंगे। इसी तरह से स्टेज तीन के नियम स्टेज दो व स्टेज दो के निर्देश स्टेज एक पर ही लागू किए जाएंगे।

एमसीडी उपचुनाव की होम वोटिंग की शुरुआत, पहले मतदाता ने घर पर डाला वोट

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 2025 उपचुनाव के लिए अशोक विहार के वार्ड-65 में शनिवार को होम वोटिंग प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत हुई। राज्य निर्वाचन आयोग ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के तहत वार्ड के पहले पात्र मतदाता ने अपने घर पर ही मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाया है। राज्य निर्वाचन आयोग की विशेष पहल के तहत बुजुर्ग, दिव्यांग एवं चलने-फिरने में असमर्थ मतदाताओं के लिए 'होम वोटिंग' की व्यवस्था की गई है, ताकि कोई भी मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस 'होम वोटिंग' की व्यवस्था के तहत निर्वाचन अधिकारियों की टीम सुरक्षा व पारदर्शिता के साथ मतदाताओं के घर पहुंचकर मतदान करवाती है। अशोक विहार वार्ड-65 में पहले वोट के साथ होम वोटिंग की शुरुआत को आयोग ने लोकतंत्र में समान भागीदारी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। बताया गया कि आने वाले दिनों में वार्ड के सभी पात्र मतदाताओं के घर जाकर मतदान प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

प्राइवेट ऑफिसों को अपने 50 फीसदी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम कराने की सलाह

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) के निर्देशों के तहत राजधानी के प्राइवेट ऑफिसों के लिए शनिवार को नई एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत अब प्राइवेट ऑफिसेज 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ ऑन-साइट काम करेंगे और बाकी कर्मचारी वर्क-फ्रॉम-होम कर सकेंगे। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने जानकारी देते हुए कहा कि ग्रैप-तीन के दौरान दिल्ली सरकार हर जरूरी कदम तेजी से उठा रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, दिल्ली सरकार पहले ही एमसीडी और जीएनसीटीडी के सभी दफ्तरों के लिए अलग-अलग टाइमिंग लागू कर चुकी है, जो फरवरी 2025 तक जारी रहेंगी। एमसीडी दफ्तर सुबह 8 बजकर 30 मिनट से शाम 5 बजे तक चलेंगे, जबकि दिल्ली सरकार के दफ्तर 10 बजे से शाम 6 बजकर 30 मिनट तक काम करेंगे।

हरियाणा सरकार

हर किसान की जिम्मेदारी
पराली को खेत में
आग न लगायें इस बारे में
दूसरे किसानों को भी जागरूक करें

प्रदूषण हटाओ
जीवन बचाओ

आप क्या चाहेंगे?
अच्छा स्वास्थ्य या रोगी जीवन?
निर्णय आपका!

आओ! हम एक संकल्प लें
अपना फर्ज निभायें
पर्यावरण बचायें
खुद को और
नई पीढ़ी को
सुरक्षित व
स्वस्थ बनायें

वायु प्रदूषण से सांस, फेफड़ों से सम्बंधित बीमारियां
तो होती ही हैं, सामान्य स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है
जीवन प्रत्याशा में कमी व असमय मृत्यु भी हो सकती है

खेतों में आग लगाने से हवा में प्रदूषण के छोटे-छोटे कणों से पी.एम. 2.5 का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है।
इससे सिरदर्द एवं सांस लेने में तकलीफ होती है।
अस्थमा और कैंसर जैसी बीमारियां भी हो रही हैं।

प्रभाव
- पराली को जलाने से वायु प्रदूषण होता है
- मिट्टी की जैविक गुणवत्ता प्रभावित होती है
- मिट्टी में मौजूद कई उपयोगी बैक्टीरिया व कीट नष्ट हो जाते हैं

उपाय
- राष्ट्रीय कृषि नीति का पालन करें
- पराली को जलाने के बजाए इससे जैविक खाद बनायें
- इसका उपयोग बायोमास एनर्जी, छप्पर बनाने तथा मशरूम की खेती आदि करने में करें
- बेल्स बनाकर उद्योगों और पैलेट / ब्रिकेट्स बनाने वाली कंपनियों को बेचें

सावधान! यदि कोई भी किसान / व्यक्ति खेतों में पराली जलाता है तो आई.पी.सी. की धारा 188 के तहत उसे 6 महीने की जेल व 30,000 रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं।

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,
सी-11, सैक्टर-6, पंचकूला,
हरियाणा 134109

खबर संक्षेप

नाबालिग के साथ गलत काम, आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। नाबालिग को बहला-फुसला कर ले जाने व गलत काम करने के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को पुणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसकी नाबालिक लड़की 11 मार्च को घर से चली गई है। जिस शिकायत पर थाना सेक्टर-31 में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

ठगी के मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर थाना सैंट्रल में सेक्टर-86 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया की 28 अप्रैल को उसके पास मुंबई क्राइम ब्रांच से 5000 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में गिरफ्तारी से संबंधित कॉल आया।

टास्क के नाम पर सात लाख की ठगी

फरीदाबाद। थाना एनआईटी की टीम ने टेलिग्राम टास्क के नाम पर धोखाधड़ी के एक मामले में खाताधारक सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि साइबर थाना एनआईटी में सेक्टर-21 फरीदाबाद निवासी एक महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पास 29 अप्रैल को व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया था। टास्क के लिए कुल 7,39,140 रुपए ठगों के पास भेज दिये और फिर उससे 10 लाख रुपए का टास्क और करने को कहा जिसके लिए उसने मना कर दिया।

यूनिवर्सिटी छात्रों के करियर को नई दिशा देगी

यूनिवर्सिटी फेयर में एक हजार से ज्यादा छात्रों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭गुरुग्राम

सेक्टर 5 स्थित ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को यूनिवर्सिटी फेयर का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली एनसीआर सहित देशभर की 16 प्रमुख यूनिवर्सिटी के काउंसलर और प्रतिनिधि यहां पहुंचे और छात्र-छात्राओं के करियर से संबंधित सवालों के जवाब दिए। फेयर में शहर के कई स्कूलों के लगभग 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान 9वीं से लेकर 12वीं कक्षा तक के छात्रों को एक ही छत के नीचे बेहतर करियर काउंसलिंग और मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला।

फेयर की शुरुआत करते हुए ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर सुनील गुप्ता ने छात्रों को बताया कि इस तरह के यूनिवर्सिटी फेयर किस प्रकार युवाओं के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि आज अधिकांश छात्र यह समझ ही नहीं पाते कि उन्हें अपने रुचि और क्षमता के अनुसार कौन-सा विषय या कोर्स चुनना चाहिए। ऐसे में इस फेयर के माध्यम से वे जान सकेंगे कि 11वीं में कौन-सी स्ट्रीम लेनी चाहिए और 12वीं के बाद कौन-सा कोर्स व यूनिवर्सिटी उनके करियर को नई दिशा दे सकती है।

खास बातें

- देशभर की 16 प्रमुख यूनिवर्सिटी के काउंसलर और प्रतिनिधि यहां पहुंचे
- फेयर में कई स्कूलों के एक हजार से अधिक छात्रों ने भाग लिया
- 9वीं से 12 तक के स्टूडेंट उपस्थित रहे

ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित यूनिवर्सिटी फेयर में शामिल छात्र-छात्राएं।

छात्रों ने कहा यहां आकर कई जानकारियां मिली

फेयर में हैदराबाद की यूनिवर्सिटी समेत नोएडा, फरीदाबाद, दिल्ली की यूनिवर्सिटियों सहित कई संस्थानों ने हिस्सा लिया। इसमें एसजीटी यूनिवर्सिटी, डीपीजी यूनिवर्सिटी, बेनेट यूनिवर्सिटी, नॉर्थ कैंप यूनिवर्सिटी, आईआईएलएम यूनिवर्सिटी, मानव रचना यूनिवर्सिटी, सुशांत यूनिवर्सिटी, ग्लोबल यूनिवर्सिटी व अन्य के प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रतिनिधियों ने छात्रों को विभिन्न कोर्स, एडमिशन प्रक्रिया, करियर ग्रोथ और भविष्य की मांगों के अनुसार विषय चुनने की सलाह दी। छात्रों ने इस फेयर को बेहद उपयोगी बताते हुए कहा कि उन्हें यहां आकर कई नई जानकारी मिली, जो आगे उनके करियर चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रदूषण विभाग के नियमों की अनदेखी की जा रही है

मुख्यमंत्री उड़न दस्ता ने प्रदूषण फैलाने वाली कंपनी पर की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने प्रदूषण फैलाने वाली कंपनी व उत्तर प्रदेश सीमा पर बने शराब के ठेके पर जांच की। इस प्रदूषण फैलाने वाली कंपनी पर कार्रवाई की तथा शराब के ठेके पर सैम्पल लिए और आगे की कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को कहा। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि प्लॉट नः 26, सैक्टर-4 फरीदाबाद में चलाई जा रही कंपनी में प्रदूषण विभाग के नियमो की अनदेखी की जा रही है। जिससे प्रदूषण को बढ़ावा मिल रहा है।

इस सूचना के संबंध में मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद द्वारा उज्जवल एईई प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड फरीदाबाद के साथ प्लाट नंबर 26 सैक्टर-4 फरीदाबाद का औचक निरीक्षण किया गया। इस मौके पर कंपनी में मनोज कुमार कंपनी मालिक हाजिर मिला। निरीक्षण के दौरान कंपनी में बिजली उपकरण बनाने का कार्य किया जा रहा था। जिसमें बीओपीपी फिल्म से मेटलाइज्ड करके कैपिस्टर बनाए जा रहे थे। चलाई जा रही कंपनी के संबंध में उज्ज्वल एईई द्वारा वैध दस्तावेज सीटीई/सीटीओ पेश करते बार कहा लेकिन मौके पर मनोज उपरोक्त एनओसी सम्बंधित कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। कंपनी मालिक द्वारा प्रदुषण विभाग से एनओसी ली नही ली हुई थी। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमिताओ के संबंध में उज्जवल द्वारा रिपोर्ट तैयार की गई व नियमानुसार कार्यवाही करते हुए क्लोजर कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री उड़न दस्ते ने शराब ठेके पर की छापेमारी

इसके अलावा मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद की टीम ने ग्रेटर फरीदाबाद के गांव किडावली का शराब ठेका यमुना नदी के पार उत्तरप्रदेश राज्य की सीमा के नजदीक खोला हुआ है। जहां पर 24 घंटे शराब ठेका खोला जाता है और बिना हॉलमार्क की शराब बेची जाती है। इस सूचना के संबंध में मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद द्वारा सोमदत व कृष्ण कुमार आबकारी निरीक्षक, आबकारी विभाग फरीदाबाद की टीम के साथ गांव किडावली की राजस्व संपदा में बने शराब ठेके का औचक निरीक्षण किया गया। यह शराब ठेका यमुना पार नोयडा यूपी में बने ग्रीन ब्यूटी फार्म हाउस के नजदीक चलाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान रात्री 10.30 बजे शराब ठेका खुला हुआ था और बिक्री की जा रही थी।

महापौर सुनीता दयाल के आदेश पर बड़ी कार्रवाई

ननि ने माफियाओं के कब्जा मुक्त कराया लाइवलीहुड सेंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭गाजियाबाद

एक रोज पहले महापौर सुनीता दयाल से गीता नामक शिकायतकर्ता मिली जिसमें उन्होंने बताया कि सूडा विभाग (उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम) द्वारा अर्थला (न्यू हिण्डन विहार) में लाइवलीहुड सेंटर (सामुदायिक भवन/ कम्युनिटी सेंटर) वर्ष 2008 में लगभग 3000 वर्गमीटर भूमि पर सामुदायिक भवन का निर्माण शुरू हुआ और लगभग 2012-13 में पूर्ण हुआ जिसको द्वितीय तल का बनाया गया और हमे उसको चलाने के लिए दिया गया और लंबे समय से कुछ दबंग लोगों का उस पर कब्जा है। महापौर के आदेश के बाद सेंटर को माफियाओं के कब्जे से मुक्त करा लिया गया।

बैठक में उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने की विकास कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭गुरुग्राम

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने मानेसर नगर निगम कार्यालय में निगम अधिकारियों के साथ विभिन्न गांवों में निगम की ओर से करवाए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली।

उन्होंने निगम अधिकारियों से कहा कि सफाई, जलापूर्ति, सामुदायिक सुविधाएं और पर्यावरण से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की कोताही न बरतें। निगम क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि निगम की ओर से करवाए जा रहे कार्यों की निगरानी रखे और सुझाव भी दें। आयुक्त आयुष सिन्हा ने उद्योग मंत्री को निगम की ओर से करवाए जा रहे कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि निगम क्षेत्र में अगले महीने से घरों से कूड़ा उठाने का काम शुरू करवा दिया जाएगा। निगम के विभिन्न गांवों के विकास के लिए 70 करोड़ रुपए की राशि के कामों की सूची तैयार कर ली गई है। इसके अलावा गांव नखड़ौला में ऑडिटोरियम, गांवों में बच्चों के पढ़ने के लिए लाइब्रेरी आदि बनाने के कामों की अनुमति लेने के लिए भी मुख्यालय को भेजी जा चुकी है। एचएसआईआईडीसी की ओर से नगर निगम का कार्यालय बनाने के लिए 3 एकड़ भूमि दी गई है। कार्यालय निर्माण पर होने वाले खर्च की अनुमति शहरी स्थानीय निकाय मुख्यालय से ली जाएगी। इसके अलावा सीवर के पानी को ट्रीट करने के लिए जीएमडीए की ओर से गांव नाहरपुर में 25 एमएलडी का एसटीपी बना दिया गया है। इस एसटीपी में पानी छोडने के बाद निगम के दो बड़े गांवों मानेसर और नाहरपुर में होने वाले जलभराव से मुक्ति मिली है।

आयुक्त ने बताया कि गांव बांस कुसला, हरिया, नाहरपुर कासन और ढाणा गांवों के लिए नहरी पानी सप्लाई के लिए जीएमडीए के साथ मिलकर संयुक्त प्रयास किए जा रहे है। इसके अलावा गांव बामड़ौली में जीएमडीए ने नहरी पानी की सप्लाई शुरू कर दी गई है। इससे पहले उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने सेक्टर-8 स्थित नगर निगम कार्यालय में सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीन यादव और डिप्टी मेयर रीमा चौहान के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया।

मानेसर नगर निगम में आयोजित बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा करते हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह।

धौलाना के पूर्व विधायक का कार्य चर्चा का विषय बना

पूर्व विधायक ने 10 कन्याओं का विवाह कराकर दिया समाज सेवा का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭गाजियाबाद

धौलाना के पूर्व विधायक व समाजवादी पार्टी के नेता असलम चौधरी ने जाति धर्म से ऊपर उठकर समाज सेवा की एक नई मिसाल पेश की है। असलम चौधरी ने कल 10 ऐसी कन्याओं का निकाह या विवाह कराया जिनके परिजन आर्थिक रूप से कमजोर हैं। इसमें खास बात है कि जिन कन्याओं का निकाह या विवाह कराया गया है उनमें दो कन्याएं दूसरे समाज की हैं।

पूर्व विधायक का यह कार्य धौलाना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है राजनीतिक दलों के नेताओं को इस तरह के आयोजन जरूर करने चाहिए ताकि समाज में एक अच्छा संदेश जाए।

एनसीआरटीसी ने शुरू की नई पहल

ख़ुशियों के पलों को नमो भारत ट्रेन में सेलिब्रेट कर सकेंगे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭गाजियाबाद

एनसीआरटीसी ने एक अनोखी पहल की शुरुआत की है जहाँ लोग अपने जीवन के विशेष और महत्वपूर्ण अवसरों का उत्सव नमो भारत ट्रेन में मना सकेंगे। चाहे जन्मदिन हो या प्री-वेडिंग या ख़ुशी का कोई और ख़ास पल, एनसीआरटीसी मौका दे रहा है। इन्हें देश की प्रथम सेमी हाई स्पीड ट्रेन, नमो भारत में सेलिब्रेट करने का यानी अब किफ़ायती खर्च में नमो भारत के साथ लोग बना सकेंगे जिंदगी के पलों को और भी यादगार। नमो भारत कोच, इस तरह के विशेष आयोजनों के लिए एक ख़ास एवं अलग सा स्थान प्रदान करते हैं। एनसीआरटीसी की इस पॉलिसी के अंतर्गत अब कोई भी व्यक्ति, इवेंट या वेडिंग ऑर्गनाइज़र, और फोटोग्राफी या मीडिया कंपनियाँ ऐसे आयोजनों के लिए किसी स्टेशन पर खड़ी हुई या ट्रैक पर परिचालित नमो भारत कोच की एडवांस बुकिंग कर सकते हैं। कोच बुकिंग के ये विकल्प लोगों को एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं जहाँ वह भारत की प्रथम रीजनल रेल के अंदर, इसके आकर्षक इंटीरियर डिज़ाइन और 160 किमी प्रति घंटे की गति के साथ अपने समारोह को ऐसे अनुभव में बदल दें जो जिंदगी भर के लिए यादगार बन जाएँ। नमो भारत देश की सबसे तेज़ गति की रीजनल रेल है, नवीनतम तकनीकों से लैस ट्रेन का अत्याधुनिक डिज़ाइन इसे शहरी परिवहन के एक उज्जवल भविष्य के रूप में स्थापित करता है। आनंद विहार, ग़ाज़ियाबाद और मेरठ साउथ जैसे एनसीआर के मुख्य स्थानों पर निर्मित इसके स्टेशन लोगों को मौका देते हैं कि वे इस पहल द्वारा बच्चों के लिए यादगार जन्मदिन सेलिब्रेशन से लेकर एक अनोखे प्री-वेडिंग शूट तक, एक अनोखे अंदाज़ में इन पलों का उत्सव मना सकें।

के एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि इसके लिए फोटोग्राफी टीम, इवेंट ऑर्गनाइज़र या व्यक्तिगत रूप से एक आसान आवेदन प्रकिया द्वारा ट्रेन का कोच आरक्षित किया जा सकता है। साथ ही, दुहाई डिपो में स्थित एक मॉक-अप कोच भी शूट के लिए उपलब्ध है।

फेयर में एक हजार से ज्यादा छात्र हुए शामिल

छात्रों को एक ही छत के नीचे बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭गुरुग्राम

सेक्टर 5 स्थित ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को यूनिवर्सिटी फेयर का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली एनसीआर सहित देशभर की 16 प्रमुख यूनिवर्सिटी के काउंसलर और प्रतिनिधि यहां पहुंचे और छात्र-छात्राओं के करियर से संबंधित सवालों के जवाब दिए।

फेयर में शहर के कई स्कूलों के लगभग 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान 9वीं से लेकर 12वीं कक्षा तक के छात्रों को एक ही छत के नीचे बेहतर करियर काउंसलिंग और मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला। फेयर की शुरुआत करते हुए ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर सुनील गुप्ता ने छात्रों को बताया कि इस तरह के यूनिवर्सिटी फेयर किस प्रकार युवाओं के लिए फायदेमंद साबित होते हैं।

आज अधिकांश छात्र यह समझ ही नहीं पाते कि उन्हें अपने रुचि और क्षमता के अनुसार कौन-सा विषय या कोर्स चुनना चाहिए। ऐसे में इस फेयर के माध्यम से वे जान सकेंगे कि 11वीं में कौन-सी स्ट्रीम लेनी चाहिए और 12वीं के बाद कौन-सा कोर्स व यूनिवर्सिटी उनके करियर को नई दिशा दे सकती है। फेयर में हैदराबाद की यूनिवर्सिटी समेत नोएडा, फरीदाबाद, दिल्ली की यूनिवर्सिटी सहित कई संस्थानों ने हिस्सा लिया।

निगम ने ठंड से बचाव के लिए गोवंशों को पहनाई झूल

ठंड में निराश्रित गोवंशों एवं पशुओं का रखा जाए विशेष ध्यानः मलिक

हरिभूमि न्यूज ⏭गाजियाबाद

नगर निगम ने बढ़ती ठंड को देखते हुए नंदी पार्क गौशाला में तिरपाल की व्यवस्था कराई है। ठंड से गोवंश को परेशानी ना हो ठंडी हवाएं गोवंश को बीमार ना कर दे। सुबह और शाम की ठंड बहुत ही ज्यादा हो रही है जिसके लिए आवश्यकता को देखते हुए गौशाला में अलाव की व्यवस्था भी की गई है, गोवंशों को खाने के लिए गुड़ की मात्रा बढ़ा दी गई है जिससे ठंड प्रभावित न हो ध्यान रखा जा रहा है ।

उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉक्टर अनुज ने बताया कि ठंड की शुरुआत में ही गौशाला में तिरपाल लगाने का कार्य करा दिया गया है छोटे गाय के बछड़े तथा बछिया को भी झूल पहनाने का कार्य कराया जा रहा है । ठंड में छोटे गोवंशों का विशेष ध्यान टीम के द्वारा रखा जा रहा है। इसके अलावा गोवंशों का ध्यान रखने वाली टीम को भी कंबल वितरित किए गए हैं तथा हीटर भी लगाए गए हैं। निराश्रित गोवंश को भी गौशाला में आश्रय देने के लिए अभियान को तेज करने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा टीम को दिए गए हैं, निराश्रित अन्य पशुओं का भी ठंड से बचाव करने के लिए कार्य करने हेतु अधिकारियों तथा टीम को मोटिवेट भी किया गया है।

मैनिकिन मशीन लोहा, स्टील, तेल, गैस, पेट्रोलियम, रेलवे, केमिकल्स इत्यादि उद्योगों के लिए भी जरुरी

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने निट्रा में मिल्कवीड की फ़सल का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭गाजियाबाद

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को निट्रा में मिल्कवीड (आक) की फ़सल का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने देश का पहले मैनिकिन ज्वाला समाविष्ट परीक्षण उपकरण का देश और उद्योग जगत को समर्पित किया। इस अवसर पर गिरिराज ने कहा कि निट्रा ने आक पर शोध करके वस्त्र जगत में एक क्रांति लाने का कार्य किया है। इसकी तकनीकी को भी निट्रा ने कई नामचीन कंपनियों को दी है और कई उद्योग तकनीकी प्राप्त करने के बातचीत कर रहे हैं। ऑक की खेती का भी वस्त्र मंत्री ने निरीक्षण किया। इस ऑक के फाइबर की विशेषताओं की स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सराहना कर चुके हैं। मंत्री ने कहा कि ये रेशा अपने स्पेशल गुणों जैसे ताप रोधी, हल्का और महीन होना इत्यादि के चलते देश के लिए कितना फायदेमंद साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि मैनिकिन मशीन ना केवल वस्त्र उद्योग के लिए ही उपयोगी है अपितु लोहा, स्टील, तेल, गैस, पेट्रोलियम, रेलवे, केमिकल्स इत्यादि उद्योगों के लिए भी जरुरी है।

किसान आत्मनिर्भर बन सकें

इसी सन्दर्भ को देखते हुए और विकसित भारत की परिकल्पना को सकार करने के लिए इस खेती को निट्रा के फ़ील्ड्स में जांचा परखा जा रहा है। इस अवसर पर डॉ एमएस परमार ने बताया कि ऑक के पौधे को बहुत कम पानी की जरुरत पड़ती है और इसे कहीं पर भी उगाया जा सकता है। किसी तरह के खाद और कीटनाशक की जरुरत नहीं होती और एक बार बौने के बाद तक़रीबन 10 साल तक इससे फाइबर प्राप्त कर सकते हैं। इसका उद्देश्य भविष्य में हमारे देश के किसान इस खेती को कर सकें और अच्छा पैसा कमा सकें, आत्मनिर्भर बन सकें।

शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया

पीएम स्वनिधि योजनाः रेहड़ी पटरी संचालकों को पार्षद जसवंत पंवार सैनी ने ऋण दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

बल्लभगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग चावला कालोनी स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) बैंक परिसर में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी वालों को लोन वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद जसवंत पंवार सैनी उपस्थित रहे। पार्षद पंवार का भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मुख्य बैंक प्रबंधक सौरभ शर्मा व राम कुमार कौशिक ने बुक्के देकर व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। पार्षद पंवार ने लगभग एक दर्जन लाभार्थियों को ऋण के प्रमाण पत्र वितरित किए। पार्षद जसवंत पंवार सैनी ने उपस्थित लाभार्थियों व अन्य लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना शहरी रेहड़ी-पटरी वालों को वित्तीय सहायता देने के लिए एक माइक्रो-क्रेडिट योजना है, जिसे 1 जून 2020 को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था। इस योजना के तहत रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी के 10000 तक का कार्यशील पूंजी ऋण मिलता है।

निविदा संदर्भ सं. : एचआईएल/यूडीएल/आरईएल/1/2025-26, दि. 18.11.2025

एचआईएल (इण्डिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
स्कोप कॉम्पलैक्स, कोर-6, द्वितीय तल, 7 लोधी रोड
नई दिल्ली-110003, वेबसाइट : www.hil.gov.in

ऑनलाइन निविदा वेबसाइट
https://hil.abcprocure.com/EPROC & CPP
पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं।

वर्णन	ईएमडी रु.
''रसायनी यूनिट को उद्योगमण्डल यूनिट से पैंडीमेथालिन, ग्लाइफॉसेट, मैंकोजेब, और एचआईएलगोल्ड के विखण्डन, पैकेजिंग, परिवहन करने और पुनर्स्थापना'' हेतु निविदा, ईवेंट आईडी नं. 58428, सहित निविदा की निर्धारित तिथि 02.12.2025 को 14:00 बजे तक है।	रु. 5,00,000/-

इच्छुक बोलीदाता हमारी वेबसाइट www.hil.gov.in से विवरण डाउनलोड कर सकते हैं। निविदा का आगे शुद्धिपत्र, यदि कोई होगा, उपरोक्त वेबसाइट्स में डाला जाएगा।
सीबीसी 02111/11/0004/2526

खबर संक्षेप

अगले साल नेताजी स्मारक का करेंगे उद्घाटन

लखनऊ। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर उन

विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और 'इंडिया' गठबंधन जीते थे। सपा मुख्यालय में पिता दिवंगत मुलायम सिंह यादव की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा 22 नवंबर 2026 को हम लोग नेताजी स्मारक का उद्घाटन करेंगे।

डंपर के नीचे दब गया ई-रिक्शा, 3 की मौत

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला में एक भीषण हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत

हो गई। राजनगर थाना क्षेत्र में लौह अयस्क से लदा डंपर अचानक अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा पर पलट गया। हादसे में संजय राम टीयू और उनकी मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से जख्मी संजय राज की पत्नी नंदी तियु और ई-रिक्शा चालक जसमीत सुरनि समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

साइबर गिरोह से छुड़ाया गया बागपत का युवक

बागपत। जिले के विकास राणा को कंबोडिया में सक्रिय एक अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी

गिरोह के चंगुल से मुक्त कराकर सुरक्षित भारत वापस लाया गया है। बागपत पुलिस ने शनिवार को आधिकारिक बयान जारी कर इस रेस्क्यू ऑपरेशन की पुष्टि की। यह मामला मानव-तस्करी और साइबर दासता से जुड़ा होने के कारण पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है।

अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वजारोहण के बाद पर्यटन में भारी उछाल के संकेत

पर्यटन से राजस्व के 4 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान

अयोध्या में ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद पर्यटन में भारी उछाल की संभावना है, जिससे राजस्व 4 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। श्रीराम मंदिर की ध्वजा पर सूर्यदेव विराजमान हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करेगी। जनवरी-जून 2025 में 23 करोड़ पर्यटक आए, और दिसंबर तक 50 करोड़ पहुंचने की उम्मीद है। अयोध्या का पर्यटन यूपी की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

अयोध्या में ध्वजारोहण कार्यक्रम से रामनगरी का गौरव विश्व में अपने व्यापक स्वरूप में आलोकित होने लगेगा। श्रीराम मंदिर की ध्वजा पर भगवान सूर्यदेव विराजमान हैं। सूर्यवंशी प्रभु श्रीराम की नगरी में ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद पर्यटन में तेजी के संकेत मिल रहे हैं। आध्यात्मिकता, प्राचीनता और दैवीय गुणों को समेटे हुए ध्वज की छटा देखने के लिए विश्व से बड़ी संख्या में पर्यटक अयोध्या पहुंचेंगे। इससे अयोध्या के पर्यटन में पहले से ज्यादा उछाल आने वाला है।

पर्यटकों की संख्या बढ़ने से अयोध्या की हिस्सेदारी और बढ़ जाएगी

अयोध्या में जनवरी-जून 2025 के बीच करीब 23 करोड़ पर्यटक आए थे। दिसंबर 2025 तक करीब 50 करोड़ पर्यटकों के शहर पहुंचने की उम्मीद है। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि से आने वाले कुछ वर्षों में अयोध्या का पर्यटन 4 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2029 तक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने को लेकर एक व्यापक कार्ययोजना पर काम कर रहे हैं। अयोध्या का पर्यटन सीएम योगी के इस मिशन को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। अयोध्या उत्तर प्रदेश के जीएसडीपी में अभी 1.5% योगदान कर रहा है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से अयोध्या की हिस्सेदारी और बढ़ जाएगी।

आध्यात्म से आर्थिक विकास की यात्रा

अयोध्या केवल धार्मिक केंद्र न रहकर आर्थिक क्रियाकलापों का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। रामनगरी की पर्यटन वृद्धि केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के एक बहुआयामी आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की कहानी है। इससे अयोध्या विकास के नए मापदंड स्थापित कर रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के पहले से ही सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में हो रहे दीपोत्सव ने साल दर साल नया कीर्तिमान स्थापित किया और देश-विदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या की तरफ आकर्षित किया। अब अयोध्या में होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद जताई जा रही है। इससे न केवल स्थानीय व्यापारियों के रोजगार में और वृद्धि होगी, बल्कि लघु उद्यमियों और हस्तशिल्पियों के व्यापार को भी गति मिलेगी।

बिहार में 'योगी राज' की आहट!

सम्राट चौधरी के गृहमंत्री बनते ही पुलिस ने किया 'एनकाउंटर', 3 काबू

एजेंसी ▶▶| बेगूसराय

बिहार पुलिस भी उत्तर प्रदेश की तरह एक्शन मोड में नजर आई। भाजपा के सम्राट चौधरी के गृहमंत्री बनते ही यह बेगूसराय पुलिस ने एनकाउंटर में एक बदमाश को घायल कर दिया। शुक्रवार रात को बेगूसराय पुलिस और एसटीएफ ने संयुक्त रूप से एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया, जिसमें साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के दियारा इलाके में संचालित मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि दियारा क्षेत्र में बड़े स्तर पर अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री हो रही है। एसटीएफ की विशेष टीम को यह भी जानकारी मिली थी कि कई कुख्यात अपराधी इसी इलाके से हथियारों की सप्लाई कर रहे हैं।

पुलिस टीम पर कर रहे थे फायरिंग

पुलिस ने इलाके को चारों तरफ से घेरा, अपराधियों की ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। ताबड़तोड़ फायरिंग कर अपराधी भागने की कोशिश कर रहे थे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने मोर्चा संभाला और फायरिंग की। मुठभेड़ में कुख्यात शिवदत्त राय गोली लगने से घायल हो गया। घायल अपराधी शिवदत्त राय को कब्जे में लेकर आनन-फानन में बेगूसराय सदर अस्पताल भेजा।

मिनी गन फैक्ट्री चला रहे थे बदमाश–मौके से दो अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मिनी गन फैक्ट्री से एक देसी कार्बाइन, दो मैगजीन, पांच खोखा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

सीएम योगी का निर्देश- सख्त कार्रवाई करें

उत्तर प्रदेश में अवैध घुसपैठियों के लिए बनेंगे अस्थाई डिटेंशन सेंटर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अवैध घुसपैठ को लेकर अफसरों को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के लिए अस्थायी डिटेंशन सेंटर का निर्माण किया जाए।

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को अवैध घुसपैठ पर त्वरित और सख्त कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला प्रशासन अपने क्षेत्र में रहने वाले अवैध घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करे और नियमानुसार कार्रवाई शुरू करे। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि घुसपैठियों को रखने के लिए प्रत्येक जनपद में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाए जाएं।

- विदेशी नागरिकता के अवैध व्यक्तियों को रखा जाएगा

इन केंद्रों में विदेशी नागरिकता के अवैध व्यक्तियों को रखा जाएगा और आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिटेंशन सेंटर में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संगम पर की पूजा, माघ मेले की तैयारियों का लिया जायजा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को संगम नगरी प्रयागराज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संगम पर गंगा पूजन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की और आगामी माघ मेले की तैयारियों का गहनता से जायजा लिया। मुख्यमंत्री का आगमन पूर्वाह्न 10.30 बजे हुआ, जिसके बाद सीएम योगी विधायक हर्षवर्धन वाजपेई के आवास पर पहुंचे। यहां पवनसुत हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में भी भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

संगम पर गंगा पूजन और मेले की समीक्षा

सीएम योगी आदित्यनाथ के गंगा पूजन कार्यक्रम के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। संगम के बीच एक छोटी फ्लोटिंग जेटी (तैरता हुआ घाट) का निर्माण किया गया, जिससे गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और वे सामान्य दिनों की भांति स्नान कर सकें। मुख्यमंत्री ने माघ मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक भी की। उन्होंने मेले के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

महिला सशक्तीकरण के लिए बनाएं एक करोड़ लखपति दीदी, डिप्टी सीएम के निर्देश

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने नए स्वयं सहायता समूह बनाने व निष्क्रिय समूहों को सक्रिय करने का निर्देश दिया है। वहीं, ग्राम्य विकास विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को और अधिक सक्रिय बनाने के निर्देश दिए

लखनऊ ▶▶| एजेंसी

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि महिला सशक्तीकरण के लिए प्रदेश में एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित करें। इसके लिए प्रभावी रणनीति बनाएं। जो स्वयं सहायता समूह खाद्य प्रसंस्कृत सामग्री बना रहे हैं, उन्हें खाद्य प्रसंस्करण विभाग से जोड़कर सब्सिडी दिलाई जाए। नये समूहों के गठन का कार्य युद्धस्तर पर कराया जाए।

निष्क्रिय समूहों को सक्रिय किया जाए। जिन समूहों को रिवाल्विंग फंड नहीं दिया गया है, उन्हें 31 दिसंबर तक तत्काल दिलाएं। डिप्टी सीएम ने

शनिवार को ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा में कहा कि ग्राम्य विकास विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को और अधिक सक्रिय किया जाए। इस दौरान बताया गया कि मानव दिवस सृजन, मनरेगा मजदूरों के समय पर भुगतान व अमृत सरोवरों के निर्माण आदि में प्रदेश देश में सबसे आगे है। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि विकास खंडों के आवासीय व अनावासीय भवनों के प्रस्ताव भेजे जाएं। ग्राम चौपालें ग्रामीणों की समस्याओं के निदान के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध हो रही हैं, इनका आयोजन व्यवस्थित तरीके से किया जाए। जहां वह खुद ग्राम चौपाल करेंगे, उसे सभी ग्राम चौपाल से लिंक करते हुए लाइव प्रसारण की भी व्यवस्था की जाए।

बैठक में महानिदेशक राज्य ग्राम्य विकास संस्थान एल. वेंकटेश्वर लू, प्रमुख सचिव सौरभ बाबू, आयुक्त ग्राम्य विकास जीएस प्रियदर्शी, विशेष सचिव जयनाथ यादव, निदेशक ग्रामीण अभियंत्रण विभाग इशम सिंह, अपर आयुक्त मनरेगा अमनदीप डुली, संयुक्त मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जन्मेजय शुक्ला, उपायुक्त मनरेगा चंद्रशेखर, सहायक आयुक्त विनायक सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नीतीश की सरकार को सशर्त समर्थन देने के लिए तैयार औवैसी

एजेंसी ▶▶| पटना

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने की बात कही है। हालांकि, इसके लिए उन्हें एक शर्त भी रख दी। ओवैसी ने कहा कि विकास केवल राजधानी पटना और पर्यटन स्थल राजगीर तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम नीतीश कुमार की सरकार को समर्थन देने के लिए तैयार हैं, लेकिन सीमांचल क्षेत्र को न्याय मिलना चाहिए। कब तक सब कुछ पटना और राजगीर के इर्द-गिर्द ही केंद्रित रहेगा? सीमांचल नदी कटाव, बड़े पैमाने पर पलायन और भयंकर भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। सरकार को इन मुद्दों का समाधान करना होगा।'

बिहार के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित सीमांचल क्षेत्र में मुस्लिम आबादी का बड़ा हिस्सा है। यह राज्य के सबसे पिछड़े इलाकों में से एक है। हर साल कोसी नदी के उफान से यहां बाढ़ आती है। सीमांचल की लगभग 80% आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है। सीमांचल क्षेत्र की 24 विधानसभा सीटों में से ज्यादातर एनडीए के खाते में गईं, जहां गठबंधन ने 14 सीटें जीतीं।

विधायकों पर रखी जाएगी कड़ी नजर

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वे अपनी पार्टी के विधायकों पर कड़ी नजर रखेंगे और जवाबदेही वाला प्लान लागू करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमारे पांचों विधायक हफ्ते में दो दिन अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के कार्यालय में बैठेंगे। मुझे अपनी लाइव व्हाट्सएप लोकेशन के साथ फोटो भेजेंगे।

यूपी सरकार का बड़ा फैसला

नोएडा, मेरठ समेत 8 जिलों में ऑटो रिक्शा पर लगेगी पाबंदी

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

प्रदेश में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। एनसीआर क्षेत्र में आने वाले नोएडा, गाजियाबाद समेत प्रदेश के आठ जिलों में ऑटो रिक्शा पर पाबंदी लगेगी। इसको लेकर जिला प्रशासन और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने पूरा प्लान भी तैयार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद जिलों में डीजल ऑटो रिक्शा का संचालन पूरी तरह बंद किया जाएगा। इसके अलावा बागपत में डीजल ऑटो रिक्शा का संचालन 31 दिसंबर 2025 तक पूर्णतः बंद करने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख सचिव को बनाया गया नोडल अधिकारी

सरकारी बयान के अनुसार, इस विस्तृत अभियान के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख सचिव को मुख्य नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसमें कहा गया कि राज्य स्तर पर एक परियोजना निगरानी इकाई (पीएमयू) भी गठित की गई है, जिसकी अध्यक्षता इसी विभाग के सचिव करेंगे। इसमें शहरी विकास, लोक निर्माण, आवास एवं शहरी नियोजन तथा औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास विभाग के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं, ताकि योजना का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। बयान में कहा गया कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सड़क की धूल कम करने के लिए 'एंटी-स्मॉग गन', 'स्प्रिंकलर' और यांत्रिक सफाई जैसे उपाय अपना रहे हैं।

जूनियर एडेड हाईस्कूल में शिक्षक भर्ती के ऑनलाइन आवेदन 24 से

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) जूनियर हाईस्कूल स्कूलों में प्रधानाध्यापकों व सहायक अध्यापकों के खाली पदों पर चयन के लिए ऑनलाइन आवेदन 24 नवंबर से शुरू होगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से एनआईसी के सहयोग से इसके लिए वेबसाइट सक्रिय कर दी गई है। साथ ही इसकी विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

एडेड जूनियर हाईस्कूल स्कूलों में 253 प्रधानाध्यापक और 1262 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया के लिए परीक्षा 2021 में हुई थी। इसका संशोधित परिणाम छह सितंबर 2022 को जारी किया गया था। इसमें उत्तीण अभ्यर्थियों के लिए भर्ती प्रक्रिया अब शुरू की जा रही है।

देश का पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश

यूपी में लगातार छठवें साल नहीं बढ़ेंगी बिजली दरें

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

राज्य विद्युत नियामक आयोग ने लंबी जद्दोजहद के बाद शनिवार को बिजली दरें घोषित कर दी है। इस वर्ष भी उपभोक्ताओं की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां लगातार छठे वर्ष बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है लेकिन अब बिजली चोरी पर पूरी तरह से सख्ती होगी क्योंकि आयोग ने वितरण हानियां 2024-25 के 13.78 फीसदी से घटाकर वर्ष 2029-30 में 10.74 फीसदी करने का निर्देश दिया है।

ऐसे में ग्रामीण इलाके में जहां अभी तक बिना मीटर के और कुछ स्थानों पर बिना कनेक्शन बिजली प्रयोग हो रहा है। वहां पाबंदी लगनी तय है क्योंकि अब किसी तरह की ढिलाई होने पर संबंधित निगम घाटे का रोना नहीं रो पाएंगे।

उपभोक्ताओं की हुई जीत, पॉवर कॉर्पोरेशन की हार

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के

अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने बिजली दरों में बढ़ोत्तरी नहीं करने के फैसले पर नियामक आयोग का आभार व्यक्त किया है। वर्मा ने आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर कहा कि उपभोक्ताओं के हित में यह अत्यंत न्यायपूर्ण फैसला है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी बधाई देते हुए कहा कि सीएम ने देश में इतिहास रच दिया है। उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है। पॉवर कॉर्पोरेशन ने इस वर्ष 45 फीसदी बिजली दरों में बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव दिया था।

उपभोक्ता परिषद ने आयोग के सामने तर्क रखा कि प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर पहले से ही 33122 करोड़ रुपये का सरप्लस चला आ रहा था।

इस वर्ष भी प्रदेश के उपभोक्ताओं का लगभग 18592 करोड़ रुपये का अतिरिक्त सरप्लस सामने आया है। अब कुल सरप्लस बढ़कर 51000 करोड़ रुपये से ऊपर जा चुका है। इसलिए बिजली दरें बढ़ाने के बजाय कम की जाएं।

नोएडा पावर कंपनी (एनपीसीएल) के मामले में भी उपभोक्ता परिषद की जीत हुई है। उपभोक्ता परिषद द्वारा प्रस्तुत पक्ष को स्वीकार करते हुए आयोग ने नोएडा पावर कंपनी की बिजली दरें भी यथावत रखने का निर्णय दिया है। साथ ही उपभोक्ताओं को दी जा रही 10 फीसदी छूट आगे भी जारी रहेगी।

पेज एक का शेष

कल भारत के ...

जस्टिस, जज और उनके परिजन उपस्थित रहेंगे। जस्टिस सूर्यकांत को नए सीजेआई के तौर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाएंगी।

ये जज व परिजन आएंगे: 6 देशों के जजों, चीफ जस्टिस और उनके परिजनों की लिस्ट में नेपाल से जस्टिस प्रकाश मान सिंह राउत, चीफ जस्टिस, नेपाल, जस्टिस सपना प्रधान मल्ला, जज, नेपाल सुप्रीम कोर्ट, अशोक बहादुर मल्ला, जस्टिस सपना के पति, जस्टिस अनिल कुमार सिन्हा, नेपाल सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज और मौजूदा मंत्री, उर्सिला सिन्हा, अनिल कुमार सिन्हा की पत्नी। भूटान से जस्टिस ल्योन्पो नोरबू शेरिंग, भूटान के चीफ जस्टिस ल्हादेन लोटे,जस्टिस शेरिंग की पत्नी। केन्या से जस्टिस मार्था कूमे, चीफ जस्टिस और केन्या सुप्रीम कोर्ट की प्रेसिडेंट, जस्टिस सुसान न्जोकी न्दुंगु, जज, सुप्रीम कोर्ट, केन्या, मलेशिया से जस्टिस तन श्री दातुक नलिनी पथ्मनाथन, जज, फेडरल कोर्ट मलेशिया, पशुपति शिवप्रगासम, जस्टिस नलिनी के पति। मॉरिशस से जस्टिस बीबी रेहाना मुंगली गुलबुल,मॉरिशस की चीफ जस्टिस, रेबेका हन्ना बीबी गुलबुल, मॉरिशस की चीफ जस्टिस की बेटी। श्रीलंका से जस्टिस पी पद्मन सुरसेना, श्रीलंका के चीफ जस्टिस, सेपालिका सुरसेना, श्रीलंका के चीफ जस्टिस की पत्नी, जस्टिस एस थुरैराजा, जज, सुप्रीम कोर्ट, श्रीलंका, शशिकला थुरैराजा, जस्टिस थुरैराजा की पत्नी, जस्टिस अहमद नवाज, जज, सुप्रीम कोर्ट, श्रीलंका, रिजान धलिप नवाज, जस्टिस नवाज की पत्नी।

जस्टिस सूर्यकांत को जानें: 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के हिसार जिले में एक मध्यवर्गीय परिवार में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत को 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया था। इससे पहले वे हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस थे। जस्टिस सूर्यकांत 1981 में हिसार के गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज से ग्रेजुएट हुए। 1984 में उन्होंने रोहतक के महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री ली। इसके तुरंत बाद ही उन्होंने हिसार जिला अदालत से ही लॉ की प्रैक्टिस शुरू कर दी।

भारत के परंपरागत ....

आधारशिला बन सकता है। यह प्लेटफार्म मानवता के सामूहिक ज्ञान को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने में मददगार साबित होगा।

पश्चिम बंगाल में...

जो कहता है कि वह हिंदुओं को काटकर भागीरथ में फेंक देगा, अब एक और विवादास्पद बयान दे रहा है क्योंकि उनका दर्शन है, 'हिंदुओं को गाली दो और वोट बैंक की ताली लो।' ये वही लोग हैं जो 'जय श्री राम', राम मंदिर का विरोध करते हैं, जिन्होंने 'माँ सीता', 'माँ दुर्गा', 'माँ काली' का अपमान किया है और कहते हैं कि सनातन को खत्म कर देना चाहिए। ये वही लोग हैं जो वोट बैंक की राजनीति के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, चाहे वह वक्फ, सीएए, एसआईआर पर भड़काना हो या इस तरह की चीजें करना हो।

बदल रहा मौसम का मिजाज
बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

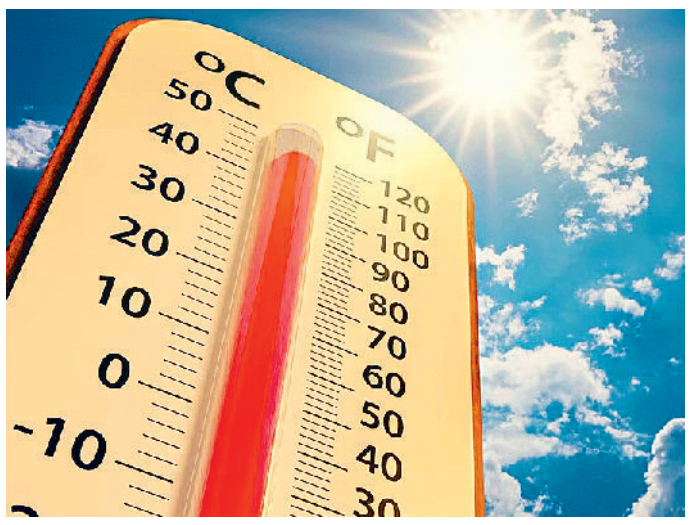

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और

औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट
स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

स्टडीज में हुआ खुलासा: जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

कई बीमारियों से बचाए: प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेयर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर: पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

होता है ईकोफ्रेंडली: प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

करना चाहिए प्रोत्साहित: अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बेवा जैसी रातें

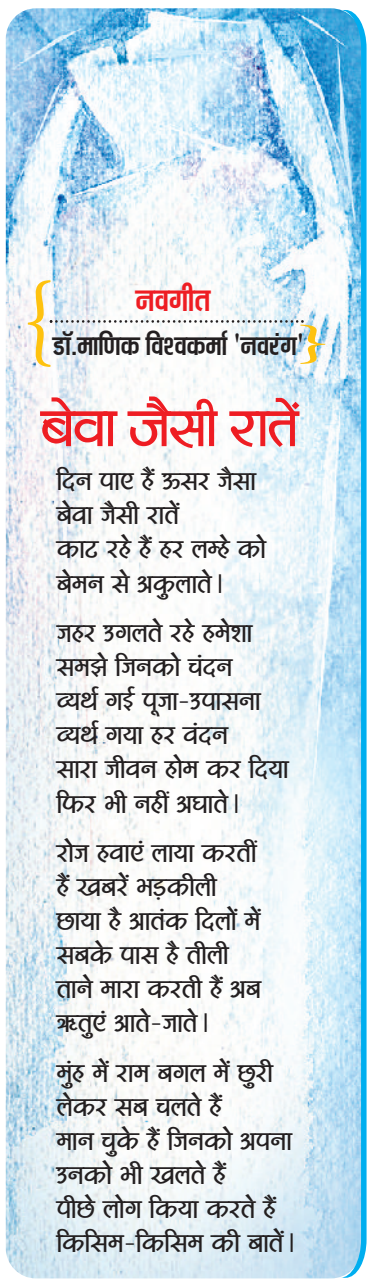

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

– शोभना श्याम

एआई इमेज

सच्चाई

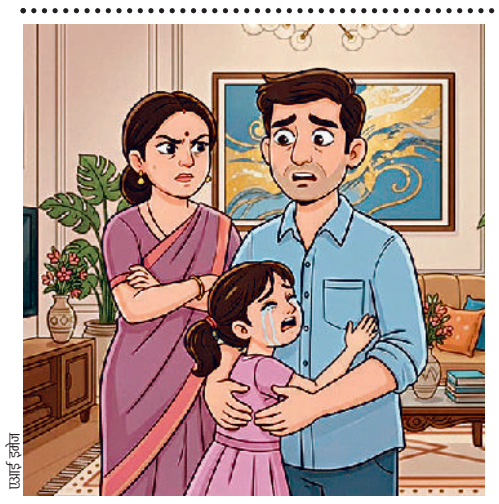

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं। यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

पुस्तक: प्रकृति और कृति (कविता संग्रह), **रचनाकार:** ज्ञानेंद्रपति, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

वोट चोरी से भाजपा नहीं, कांग्रेस बनाती थी सरकार

बिहार की जनता ने पूरे देश को दी दिशा, मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ेगा : कैप्टन अभिमन्यु

पूर्व चेयरमैन राजेश दुहन की बेटी दीक्षा और बेटे मिंकुल की शादी में आशीर्वाद देने पहुंचे पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

पूर्व वित्त मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि देशभर के कार्यकर्ताओं ने बिहार की जनता के दरवाजे पर जाकर पार्टी के लिए प्रचार किया था। उन्हीं की मेहनत से बिहार में प्रचंड बहुमत मिला और बिहार की जनता ने पूरे देश को दिशा देने का काम कर दिया। कैप्टन अभिमन्यु गांव पेटवाड़ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वे पूर्व चेयरमैन राजेश दुहन की बेटी दीक्षा और बेटे मिंकुल की शादी में आशीर्वाद देने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बिहार में गमछा लहराकर बिहार की जनता का अभिनंदन किया है।

नारनौंद। गांव पेटवाड़ में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं

पूर्व वित्तमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी जातपात के नाम पर वोट चोरी करने का काम कर रही हैं। आज प्रदेश में विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा ऐसे में वो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को निशाना बनाकर उनको गायब बताने का काम कर रहे हैं। वे गायब नहीं नायाब है उनके बराबर का कोई नहीं है। उन्होंने लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वे काफी लोकप्रिय मुख्यमंत्री है। बिहार में भी उनकी लोकप्रियता का जादू खूब चला। उनके नेतृत्व में लगातार प्रदेश आगे बढ़ रहा है।

मौजूद रहे

इस अवसर पर भाजपा नेता अजय सिंधु, मार्केट कमेटी चेयरमैन शमशेर मोर, नपा चेयरमैन शमशेर कूकन, एडवोकेट दीपक लोहान, बिजेंद्र शर्मा, करणपाल पेटवाड़, सोनू सैनी, महावीर श्योराण, नीलम जांगड़ा, जयबीर माजरा, कुलदीप गौतम, नरेश वर्मा, चांदीमान, प्रीत सिंह, जगदीश फौजी आदि मौजूद थे।

कांग्रेस पार्टी जनता से जुड़ाव नहीं कर पा रही

स्पष्ट जनादेश देकर यह साबित कर दिया कि अब विपक्ष पूरी तरह से टूट चुका है। 21वीं सदी में भारत पूरी दुनिया में विकसित राष्ट्र होगा। वोट चोरी के नाम पर कांग्रेस पार्टी लोगों को गुमराह करने का काम कर रही हैं। जनता यह मुद्दा पूरी तरह से नकार चुकी हैं। कांग्रेस पार्टी किसी भी प्रकार से जनता से जुड़ाव नहीं कर पा रही।

वीआईटी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग सस्टेनेबिलिटी 2026 में वैश्विक स्तर पर 352वें स्थान पर, भारत में 7वां स्थान

वेल्लोर। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंगः सस्टेनेबिलिटी 2026 में भारत में 7वां और वैश्विक स्तर पर 352वां स्थान हासिल करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

पर्यावरणीय प्रभाव श्रेणी में, वीआईटी ने वैश्विक स्तर पर 194वां स्थान प्राप्त करके अपनी और भी विशिष्ट पहचान बनाई है। 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग सस्टेनेबिलिटी 2026 क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा जारी की गई है। इस समर्पित सस्टेनेबिलिटी श्रेणी में -जो क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग का हिस्सा है। संस्थानों का मूल्यांकन आठ प्रदर्शन मानदंडों के आधार पर किया जाता है। समानता, ज्ञान का आदान-प्रदान, शिक्षा का प्रभाव, रोजगार और अवसर, स्वास्थ्य और कल्याण, पर्यावरणीय स्थिरता, पर्यावरणीय शिक्षा, पर्यावरणीय अनुसंधान और सामाजिक प्रभाव' वीआईटी ने कुल मिलाकर 74.9 अंक प्राप्त किए हैं, जिससे यह विश्व स्तर पर 352वें और भारतीय संस्थानों में 7वें स्थान पर पहुँच गया है। विश्वविद्यालय ने विशेष रूप से सामाजिक प्रभाव, पर्यावरणीय प्रभाव और शासन की तीन श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पर्यावरणीय प्रभाव में वीआईटी का 78.1 का स्कोर एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिससे इसे विश्व स्तर पर 194वीं रैंक प्राप्त हुई है।

खबर संक्षेप

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नाम ज्ञापन सौंपा

भोपाल। बिहार में आचार संहिता लागू होने के बाद भी जीविका दीदी स्व-सहायता समूह की महिलाओं एवं 18 से 60 वर्ष की विवाहित महिलाओं को मिलाकर लगभग 130 करोड़ रुपये की राशि 10,000 प्रति महिला सीधे खातों में वितरित की गई। यह चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला स्पष्ट उल्लंघन है। महाराष्ट्र सहित अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी सरकारें इसी प्रकार आचार संहिता की धज्जियां उड़ाकर चुनाव को अपने पक्ष में मोड़ने का कार्य कर रही हैं। मध्यप्रदेश में 2023 के चुनाव में भी तत्कालीन सरकार ने लाड़ली बहना योजना के माध्यम से सरकारी धन का चुनावी उपयोग कर परिणाम प्रभावित किए। सरकारी धन के ऐसे वितरण से चुनावों की निष्पक्षता समाप्त हो रही है। आचार संहिता को लेकर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नाम ज्ञापन सौंपा।

फीडर कैडर कर्मचारियों को सीएमओ का प्रभार सौंपा जाएगा

भोपाल। संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रिक्त पदों के कारण व्यवस्थाओं को प्रभावित न होने देने के उद्देश्य से आदेश जारी किए हैं। विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार अब मुख्य नगर पालिका अधिकारी का प्रभार संबंधित नगर निकायों में पदस्थ फील्ड कैडर के योग्य अधिकारियों को सौंपा जाएगा।
जारी आदेश के अनुसार फील्ड कैडर के जिन पदों को मुख्य नगर पालिका अधिकारी का प्रभार देने के लिए उपयुक्त माना गया है उनमें राजस्व अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, कार्यालय अधीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक, सहायक वर्ग-1, मुख्य लिपिक सह लेखापाल व लेखापाल शामिल हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं।

15 हजार किलोमीटर की यात्रा कर वापस भारत लौटा 'मारीच'

भोपाल। आसमान की ऊंचाइयों को चीरता हुआ 'मारीच' एक बार फिर हिंदुस्तान लौट आया है। मार्च 2025 में इस गिद्ध को विदिशा-रायसेन की सीमा से वैज्ञानिक ट्रैकिंग के उद्देश्य से छोड़ा गया था। चार देशों का लंबा सफर तय करने के बाद लगभग यह गिद्ध 15,000 किलोमीटर की विस्मयकारी उड़ान पूरी कर भारत वापस पहुंचा है। इसकी हर गतिविधि, दिशा और यात्रा को सौर ऊर्जा से चलने वाले उन्नत जीपीएस सिस्टम ने लगातार रिकॉर्ड किया। डीएफओ हेमंत यादव के अनुसार मारीच ने अपनी प्रवासी यात्रा के दौरान अफगानिस्तान, पाकिस्तान सहित कई देशों के आसमान को पार किया। वह कभी बंजर पहाड़ियों के ऊपर से तो कभी दुर्गम सीमाई इलाकों से होता हुआ अंततः उसी भूमि पर लौट आया है, जहां से उसका सफर शुरू हुआ था।
जीपीएस डेटा के अनुसार यह गिद्ध फिलहाल भारत की सीमा में है और वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ उसकी हर हलचल पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। मारीच की सुरक्षित वापसी ने वन्यजीव विशेषज्ञों और संरक्षणकतार्ओं में उत्साह भर दिया है।

सीएम डॉ. यादव ने आदर्श ग्राम पंचायत कागपुर को दी नए हाट बाजार की सौगात

मप्र की समृद्धि के लिए गांवों को विकास की धारा से जोड़ा जा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री ने कागपुर में 39.80 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के गरीब, किसान, बहनों और युवाओं के कल्याण के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश की समृद्धि के लिए गांवों को विकास और स्वावलंबन की धारा से जोड़ा जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए गोपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार ने अनेक किसान हितैषी निर्णय लिए हैं। किसानों को भावांतर योजना की राशि दी जा रही है। प्रदेश के हर गांव और हर खेत को पानी मिले, यही हमारी सरकार का संकल्प है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव विदिशा के कागपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कागपुर में मप्र टूरिज्म बोर्ड के माध्यम से वॉटर पार्क बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बड़े पैमाने पर जल स्त्रोतों का संरक्षण किया गया। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक आदर्श वृंदावन ग्राम विकसित करने के लिए सरकार कार्य कर रही है। शुक्रवार को शमशाबाद का कागपुर जनसहयोग से श्रेष्ठतम ग्राम बनने का एक आदर्श उदाहरण है। सर्व सुविधा युक्त इस गांव को नए हाट बाजार की सौगात मिली है, जिसमें 128 दुकानें तैयार की गई हैं। यह बाजार आसपास की बड़ी आबादी के लिए हाट बाजार का प्रमुख केंद्र है।

खास बातें

- दो हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप सौंपी चाबी
- हर गांव की खुशहाली राज्य सरकार की प्राथमिकता

विकास कार्यों का शुभारंभ करते सीएम डॉ. यादव व मंत्री पटेल।

किसानों को भावान्तर योजना से मिल रहा फसलों का उचित मूल्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कागपुर में आदर्श ग्राम योजना के तहत 5.75 करोड़ लागत के हाट बाजार का लोकार्पण किया। उन्होंने 2 हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप दुकानों की चाबी सौंपी। साथ ही विदिशा जिले के लिए 34 करोड़ लागत से 135 नवीन स्वीकृत सामुदायिक भवनों का भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को भावान्तर योजना के माध्यम से फसलों का उचित दाम दे रही है।

जल स्रोतों के विकास का कार्य हुआ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल संरक्षण और जल स्रोतों के विकास का कार्य किया गया है। केन-बेतवा परियोजना से विदिशा जिले में सिंचाई के लिए कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। हर ग्राम पंचायत में वर्ष 2026 तक श्मशान घाट और सड़कों सहित सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएगी।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों, लखपति दीदियों, पशुपालकों से किया संवाद

लखपति दीदियों को चेक वितरित करते सीएम।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कागपुर प्रवास के दौरान लाड़ली बहनों, लखपति दीदीयों, पशुपालकों से संवाद किया। लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री का प्रतिमाह 1500 रुपए देने पर आभार माना। संवाद में मुख्यमंत्री ने लखपति दीदीयों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली और पशुपालकों को उनके हित में संचालित योजनाओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कागपुर बगिया में आम का पौधा रोपा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कागपुर उद्यान में तालाब के विहंगम दृश्य का अवलोकन भी किया।

पहली बार तीन मंजिला पंचायत भवनों का हो रहा निर्माणः मंत्री पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत पहली बार पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायतों के तीन मंजिला भवन निर्माण की शुरुआत की गई है। इन भवनों को डिजाइन के अनुरूप मजबूत आधार प्रदान किया जा रहा है। राज्य सरकार से 5वें वित्त की 6 हजार करोड़ राशि पंचायतों को मिल रही है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह ने कहा कि पहले 450 लोगों की आबादी वाले उनके गांव कागपुर में पेयजल की समस्या रहती थी। शिक्षा, पेयजल सुविधाओं के के साथ अब कागपुर को आज हाट बाजार की सौगात मिल रही है।

सीएम ने सर्दियों के सीजन में सड़क सुरक्षा को लेकर मुहिम चलाने का दिया आदेश

रोडवेज की तर्ज पर निजी बस संचालक बना रहे विद्यार्थियों के बस पास

योगेंद शर्मा ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा रोडवेज की तर्ज पर प्रदेश के विद्यार्थियों को निजी बस संचालक भी पास की सुविधा प्रदान करते हैं, लेकिन निजी बसों में यात्रा के दौरान रोडवेज वाले पास नहीं बल्कि निजी ऑपरेटरों से अलग से पास बनवाना होगा। इसके लिए निजी बस संचालकों ने अपने दफ्तरों में ही स्टाफ की ड्यूटी लगाकर पास बनाने के आदेश दिए हुए हैं। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में असमंजस और ठीक तरह से इस बारे में समझ नहीं होने के कारण आए दिन निजी बसों के चालक परिचालकों से विद्यार्थियों के झगड़े हो रहे थे। इस क्रम में स्टेज कैरिज प्राइवेट बस वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा के प्रधान डा. धन सिंह ने साफ कर दिया है कि निजी बसों के लिए छात्रों को उनके दफ्तरों से अलग से पास बनवाने होंगे कई छात्र रोडवेज के पास लेकर हमारे चालकों और परिचालकों के साथ में बिना वजह के विवाद करते हैं।

स्टेज कैरिज प्राइवेट बस वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा के प्रधान डा. धन सिंह ने साफ कर दिया है कि निजी बसों के लिए छात्रों को उनके दफ्तरों से अलग से पास बनवाने होंगे, कई छात्र रोडवेज के पास लेकर हमारे चालकों और परिचालकों के साथ में बिना वजह के विवाद करते हैं।

बसें चलाकर विद्यार्थियों को सहुलियत देने का आदेश

यहां पर उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक ली थी, जिसमें उन्होंने बढ़ती छात्र संख्या को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों सुबह के समय और पीक टाइम में अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराने का आदेश जारी किया था। बसों की संख्या बढ़ाने के साथ ही उन्होंने साफ कर दिया था कि निजी बसों में भी सरकारी बसों की तर्ज पर छात्र छात्राओं को (विद्यार्थी पास) की सुविधा अनिवार्य है। अर्थात उन्हें टिकट नहीं खरीदना होगा लेकिन यह भी साफ है कि निजी बस संचालकों की बसों में यात्रा करने के लिए विद्यार्थियों को अलग से पास बनवाना होगा। अर्थात उस पास को निजी बस संचालक के आफिस से ही तैयार किया जाता है। पास के लिए छात्रों को अलग से भुगतान करने के स्थिति में ही दिया जाता है। सैनी ने शुक्रवार की देर शाम को हरियाणा सिविल सचिवालय में सड़क सुरक्षा से संबंधित समीक्षा बैठक के दौरान विद्यार्थियों को होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए आदेश जारी किए हैं।स्कूली बच्चों की सुरक्षा, जान माल की सुरक्षा और उनको बस में लटककर यात्रा नहीं करनी पड़े इसके लिए अतिरिक्त बसें स्कूल, कालेज टाइम पर चलाने के लिए कहा गया है। इतना ही नहीं स्कूली बच्चों की सुरक्षा से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए और सुरक्षा मानकों और बसों में लगे जीपीएस सिस्टम का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें।

ओंकारेश्वर में पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ

सांसद पाटिल एवं विधायक पटेल ने यात्रियों का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने और पर्यटकों को त्वरित, सुगम और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर भोपाल से "पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा" का शुभारंभ किया था। इसके तहत ओंकारेश्वर में शुक्रवार को हेलीकॉप्टर से उज्जैन से पांच तीर्थयात्रियों का आगमन ग्राम कोठी के हेलीपैड पर हुआ।

खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल और मांधाता विधायक नारायण पटेल ने हेलीकॉप्टर से आने वाले सभी तीर्थयात्रियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौड़ा, पुनासा एसडीएम पंकज वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओंकारेश्वर एवं सहायक कलेक्टर डॉ. कृष्णा सुशीर, ओंकारेश्वर नगर परिषद अध्यक्ष मनीषा परिहार तथा जनपद अध्यक्ष पुनासा एवं राजा मांधाता राव पुष्पेंद्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि पार्षदगण एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। हेलीकॉप्टर से आए 5 तीर्थ यात्रियों ने ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मुकेश काशिव एवं मंदिर ट्रस्ट के आशीष दीक्षित ने सभी यात्रियों का माल्यार्पण कर एवं प्रसाद श्रीफल भेंट कर स्वागत किया।

पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का स्वागत करते सांसद, विधायक

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोंडागांव

जिले के अटल आवास में रहने वाले युवक ने बीती रात अज्ञात कारणों के चलते घर से कुछ दूरी पर जाकर पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी शनिवार की सुबह आसपास के लोगों को लगी।

पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू की। मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि चारामा का उत्तम पटेल (35) कई वर्षों से कोंडागांव अटल आवास में निवास कर रहा था, उसके पत्नी और दो बच्चे भी है। कुछ दिन पहले पत्नी से हुए विवाद के बाद पत्नी बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई। वहीं, ऐसा बताया जा रहा है कि उत्तम के द्वारा ली गई गाड़ी का पैसा जमा नहीं करने के कारण कंपनी के द्वारा गाड़ी भी ले ली गई थी। इन वजहों से वह परेशान चल रहा था। वहीं, बीती रात उत्तम अपने घर से दूर पेड़ पर जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले की जानकारी लगने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नेशनल हाइवे पर बाइक को मारी टक्कर, फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

खुर्सीपार थाना क्षेत्र में सुबह नेशनल हाईवे में एक तेज रफ्तार ट्राले ने पीछे से बाइक को ठोकर मार दी। बाइक में सवार युवती सड़क पर गिर गई और ट्रक ने उसे कुचल दिया। युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ट्राला चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना में जुट गई है। वहीं फरार ट्राला चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सुबह युवती साक्षी द्विवेदी भिलाई पावर हाउस से भिलाई 3 जाने के लिए अपने पिता के साथ बाइक पर जा रहे थे। इसी दौरान पावर हाउस ओवर ब्रिज से उतरने के बाद चंद्रा क्रेन के ठीक सामने नेशनल हाईवे पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्राले के द्वारा बाइक को ठोकर मार दी गई इस हादसे में साक्षी द्विवेदी सड़क पर गिर गई और ट्राला उसके सिर के ऊपर से गुजर गई। इस घटना में युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतका साक्षी द्विवेदी का विवाह होने के बाद राजनांदगांव में रहती थी और अपनी बीमार मां को देखने मायके आती थी। मृतका निजी कंपनी में एचआर थी। मृतका शनिवार और रविवार को छुट्टी होने के चलते अपने मायके आती-जाती थी। घटना के समय वह अपने पिता के साथ पावर हाउस से भिलाई 3 जा रही थी। इसी दौरान सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मृतका का शव पंचनामा कार्रवाई करते हुए पीएम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

तेज रफ्तार ट्राले ने ली युवती की जान

तेज रफ्तार बुलेट गड्ढे में गिरी, मौत

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में ग्रामीण की तेज रफ्तार बुलेट गड्ढे में गिर जाने की घटना में चालक की मौत हो गई। भतीजे की रिपोर्ट पर पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, राम लकड़ा ने लैलूंगा थाना में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि वह बिछीनारा का रहने वाला है। राम ने बताया कि उसका चाचा जोहन लकडा बुलेट से अपनी दादी शाषिता तिग्गा के घर ग्राम पिपराही आया हुआ था। जहां से शाम करीब 5:30 बजे के आसपास वह अपने गांव बिछीनारा लौट रहा था। बाइक सवार जोहान लकड़ा जब ग्राम सुबरा कटंगपारा के पास पहुंचा ही था कि मोड़ आने से वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और बाइक गड्ढे में जा गिरी। उसके सिर, नाक और मुंह में गंभीर चोट आने पर उसे अस्पताल ले जाया गया।

राज्यपाल पटेल से मिले प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर

भौतिक सुविधाओं का सुख क्षणिक, अच्छे व्यक्तियों को मिलता है उच्च स्तरीय सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हर समय, हर समाज में अच्छे व्यक्तियों का सदैव सम्मान होता है। संवेदनशीलता पूर्वक किए सेवा कार्यों से आत्मिक आनंद मिलता है। भौतिक सुविधाओं का सुख क्षणिक होता है। पूरी एकाग्रता और समर्पण के साथ सीखना ही भावी जीवन की सफलताओं का आधार है।

प्रशिक्षण के दौरान छोटी सी चूक भविष्य की बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। राज्यपाल पटेल शुक्रवार को राजभवन में आए आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी और अपर सचिव उमाशंकर भार्गव भी मौजूद थे। राज्यपाल ने कहा कि प्रकृति के जीवों में सबसे शक्तिशाली मानव है, जिसे बुद्धि और वाणी के रूप में अद्वितीय शक्ति मिली है।

राज्यपाल का संबोधन।

सिविल सेवक सरकार और जनता के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी

राज्यपाल ने कहा कि भावी जीवन में सदैव सीखने और अनुभवों से समझने का भाव रहना चाहिए। महत्वपूर्ण उपयोगी व्यवहारिक ज्ञान समाज के सबसे वंचित, पिछड़े और गरीब व्यक्तियों से ही मिलता है। सुशासन का आधार होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा योजनाओं का निर्माण वंचित, गरीब और पिछड़े व्यक्तियों, समुदायों की मदद और उत्थान के उद्देश्यों से होता है।

पुलिस टीम ने की छापेमारी, मौके से पकड़ाए आरोपी

बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिले में चल रहे ऑपरेशन निश्चय के तहत खरोरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अवैध शराब कारोबार पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में देशी मदिरा जब्त की गई है। इस कार्रवाई का नेतृत्व थाना खरोरा पुलिस ने किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भैंसा, अमसेना और खरोरा क्षेत्र में अवैध शराब बेची जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छापेमारी करते हुए आरोपियों को पकड़ लिया।

कार्रवाई के दौरान खीरलाल ढीढी, निवासी अमसेना, के कब्जे से एक प्लास्टिक बोरी में रखे 62 पौवा शोले देशी मसाला शराब बरामद हुई। इसकी मात्रा 11.160 लीटर बताई गई है और कीमत लगभग 6200 रुपये आंकी गई है। इसी तरह श्रवण कुमार सोनवानी, निवासी खरोरा, से पुलिस ने 40 पौवा अवैध देशी शराब जब्त की, जिसकी मात्रा 7.200 लीटर और बाजार कीमत करीब 4000 रुपये है। जांच के दौरान पुलिस ने गणेश राम नारंग को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से 18 पौवा देशी मसाला शराब बरामद की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 1800 रुपये बताया जा रहा है। आरोपियों से जब शराब रखने के संबंध में दस्तावेज मांगे गए तो कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद पुलिस ने मौके पर ही शराब जब्त करते हुए तीनों को गिरफ्तार किया और उनकी गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को दी। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन निश्चय के तहत अवैध शराब, ड्रग्स, जुआ और असामाजिक गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरा एनसीआर एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में है। सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक-दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। हम ऐसा क्यों नहीं कर पा रहे। चीन ने इसे राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई। हम ऐसा करने में कहां कमजोर पड़ रहे हैं, इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

प्रदूषण पर लगाम की कारगर नीति बने

पर्यावरण

रविशंकर

स्वतंत्र पत्रकार

उत्तर भारत एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में हैं। लोगों के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। आसमान में मौजूद धुंआ जनस्वास्थ्य संकट बन चुका है। लोग गैस चैंबर में रहने को मजबूर हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक कई इलाकों में 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था ग्रीनपीस की एक रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत की राजधानी दिल्ली दुनियाभर में सभी देशों की राजधानी में सबसे ज़्यादा प्रदूषित शहर है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं।

स्थायी समाधान क्यों नहीं

सवाल है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि हमारे यहां व्यवस्था प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए कितनी कारगर है। इसी बीच, ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। सवाल अहम यह है कि भारत दुनिया के दूसरे देशों से सबक क्यों नहीं ले रहा है। यह ठीक है कि भारत ने प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं लेकिन धीमी गति और जमीनी स्तर पर कमजोर प्रवर्तन की वजह से उनका प्रभाव सीमित ही रहा। वहीं चीन ने प्रदूषण को राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई।

चीन ने किया नीति में बदलाव

इसी के साथ चीन ने अपनी परिवहन प्रणाली में भी बदलाव किया। बीजिंग जैसे शहरों में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया, चौड़े पैदल यात्री क्षेत्र बनाएं,निजी वाहन पर निर्भरता कम की और साथ ही सार्वजनिक परिवहन में निवेश किया। इसी के साथ प्रदूषणकारी उद्योगों के प्रति भी चीन ने सख्ती दिखाई। चीन ने उद्योगों को स्वच्छ ईंधन और रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ मोड़ कर कोयल पर अपने निर्भरता को भी कम किया। गैस आधारित बॉयलरों ने अनगिनत कोयला इकाइयों की जगह ली,जिस वजह से सल्फर उत्सर्जन में काफी कमी आई। भारत में अभी भी कोयले पर निर्भरता काफी ज्यादा है। साफ है, चीन का मॉडल दिखाता है कि मजबूत प्रवर्तन और एकीकृत सरकारी दृष्टिकोण से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। गौर करने वाली बात ये है कि प्रदूषण से आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को ही होता है,लिहाजा भारत को अपनी जिम्मेदारी बखूबी समझते हुए तत्काल ही कुछ सार्थक और ठोस उपाय करना होंगे। साफ है, आज के समय दुनिया में सबसे ज्यादा बीमारियां पर्यावरण प्रदूषण की वजह से हो रही हैं। मलेरिया, एडस और तपेदिक से हर साल जितने लोग मरते हैं उससे ज्यादा लोग प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से मर जाते हैं।

उदासीन बनी है सरकार

बहरहाल, हर साल सवाल यही उठता है कि वायु प्रदूषण से हर साल होने वाली मौत को रोकने के लिए सरकार की तरफ से क्या कदम उठाए जा रहे हैं? इसके बावजूद लोग अपने त्रासदीपूर्ण भविष्य को लेकर पूरी से तरह से बेखबर हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर हमारी सरकार और समाज कर क्या रहे हैं? वास्तव में वायु प्रदूषण की समस्या इतनी जटिल होती जा रही है कि भविष्य अंधकारमय होता प्रतीत हो रहा है। वस्तुतः आज मनुष्य भोगवादी जीवन शैली का इतना आदि और स्वार्थी हो गया है कि अपने जीवन के मूल आधार समस्त वायु को दूषित कर रहा है, नैतिकता, धर्म, कर्तव्य सब भूल रहा है। बढ़ते वाहनों और कारखानों से निकलते धुएं ने वायु का, वृक्षों की कटाई से जीवनदायिनी गैसों को, मनुष्य द्वारा फैलाई जा रही गंदगी से जल को इस तेजी के साथ प्रदूषित कर रहा है कि दुगनी गति से बीमारियां भी फैल रही हैं। मानवीय सोच और विचारधारा में इतना ज्यादा बदलाव आ गया है कि भविष्य की जैसे मानव को कोई चिंता ही नहीं है। अमानवीय कृत्यों के कारण आज मनुष्य प्रकृति को रिक्त करता चला जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण असंतुलन के चलते भूमंडलीय ताप, अम्लीय वर्षा, बर्फीली चोटियों का पिघलना, सागर के जल-स्तर का बढ़ना, मैदानी नदियों का सूखना, उपजाऊ भूमि का घटना और रेगिस्तानों का बढ़ना आदि विकट परिस्थितियां उत्पन्न होने लगी है। ये सारा किया कराया मनुष्य का है और आज विचलित, चिंतित भी स्वयं मनुष्य ही हो रहा है। लेकिन अफ़सोस की बात है कि हम चेत नहीं हो रहे हैं। साल दर साल बीत जाने के बाद भी भारत में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। चाहे केंद्र सरकार हो या फिर राज्य सरकारें, कोई भी प्रदूषण से लड़ने के लिए गंभीर नहीं दिखता। ऐसे में सरकारों के प्रदूषण से लड़ने के लिए दीर्घकालीन नीतियां बनाने की जरूरत है, तो वहीं दूसरी तरफ लोगों को अपने स्तर पर वे सभी जतन करने की जरूरत है जो हवा को जहरीली होने से रोकें।

विदेशों से सीख ले भारत

ये ठीक है कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने कई कदम उठाए थे। फिर भी हम फिसड्डी साबित हुए। ऐसे में भारत की जिम्मेदारी बड़ी और ज्यादा गंभीर चुनौतीपूर्ण हो जाती है क्योंकि हमें विकसित और विकासशील दोनों ही प्रकार के देशों में किए जा रहे उपायों को अपनाना पड़ेगा। दअरसल, वायु प्रदूषण एक ऐसा मुद्दा है जो पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है ओर इसे बिना आपसी सहमति और ईमानदार प्रयास के हल नहीं किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना, और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं। एक व्यवस्थित निगरानी तंत्र से पूरे वर्ष वायु गुणवत्ता का मूल्यांकन करना जरूरी है

माइक्रो प्लास्टिक बिगाड़ रहा दिल्ली की सेहत

प्रदूषण

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

जहरीली हवा ने जहां एक ओर दिल्ली वालों की दिनचर्या बदल दी है, वहीं दूसरी ओर प्रदूषित हवा ने बच्चों, बुजुर्गों समेत महिलाओं के समक्ष अनेक प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं खड़ी कर दी हैं। सच तो यह है कि साल दर साल राजधानी में प्रदूषण से परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि दिल्ली पिछले कई वर्षों से प्रदूषण की मार झेल रही है। गर्भस्थ शिशुओं तक पर प्रदूषण का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। इस क्रम में यदि हम जन्म पंजीकरण के आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले वर्ष जन्म लेने वाले 30.31 प्रतिशत नवजात शिशुओं का वजन दो किलोग्राम तक था। वहीं, वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 31.54 प्रतिशत था। गौरतलब है कि जन्म के समय नवजात का वजन ढाई किलोग्राम से कम हो तो उसे सामान्य से कम माना जाता है। ऐसे में जन्म के समय सामान्य से कम वजन वाले नवजात शिशुओं की संख्या 30-31 प्रतिशत से अधिक है। इतना ही नहीं, एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में छपी एक खबर के अनुसार चांदनी चौक की हवा में प्लास्टिक के कण भी पाये गये हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जैसा कि दैनिक ने लिखा है-'चेन्नई और मुंबई की तुलना में कोलकाता और दिल्ली की आबोहवा में माइक्रो प्लास्टिक की मौजूदगी कहीं अधिक है। इस वजह से इन दोनों शहरों की हवा में प्लास्टिक के ऐसे सूक्ष्म अंश अधिक हैं, जो सांस के जरिये शरीर में पहुंच सकते हैं। इस तरह के आइएमपी (सांस के साथ शरीर में पहुंचने योग्य माइक्रो प्लास्टिक) का कोलकाता में स्तर 14.23 माइक्रोग्राम घन मीटर और दिल्ली में 14.18 माइक्रोग्राम घन मीटर पाया गया। चेन्नई और मुंबई के वातावरण में इसकी मौजूदगी बहुत कम रही।' बताता चलूं कि खराब कूड़ा प्रबंधन इसके लिए जिम्मेदार है। वास्तव में, सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल,यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता और लोग सिंथेटिक कपड़े ज्यादा पहनते हैं। ठंड की वजह से हवा नीचे ही अटकी रहती है, जिससे प्रदूषण ऊपर नहीं उठ पाता। इस मौसम में पैकेट वाले खाने और प्लास्टिक वाले सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल भी बढ़ जाता है, जिससे प्लास्टिक कूड़ा ज्यादा बनता है। दिल्ली के चांदनी चौक और सरोजिनी नगर जैसे बाजारों में हवा में माइक्रोप्लास्टिक ज्यादा पाया गया है। बहरहाल, क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि राजधानी में 22 स्थानों पर प्रदूषण का स्तर हाल ही में 400 पार कर गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, 19 नवंबर 2025 को बुधवार के वायु गुणवत्ता सूचकांक में 18 नवंबर 2025 मंगलवार की अपेक्षा लगभग 20 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। गौरतलब है कि मंगलवार को मानक एक्यूआई 374 दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को यह 392 दर्ज किया गया। शाम 7 बजे 22 जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो कि गंभीर श्रेणी में आता है। वास्तव में, हवा की गति कम, तापमान में गिरावट और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण राजधानी में प्रदूषण के स्तर में लगातार पिछले कुछ दिनों से एक्यूआई 300 से अधिक है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राजधानी में बुधवार की सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली में लगातार छठे दिन वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। बहरहाल, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली और दिल्ली एनसीआर के कई क्षेत्र लगातार शामिल होते रहे हैं। यहाँ सर्दियों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्तर तक पहुँच जाती है, क्योंकि वाहन धुआँ, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण धूल और आसपास के राज्यों में पराली जलने का असर मिलकर प्रदूषण बढ़ा देते हैं। ठंडी हवा और कम हवा की रफ्तार प्रदूषित कणों को जमीन के पास रोके रखती है, जिससे पीएम 2.5 और पीएम10 का स्तर तेजी से बढ़ जाता है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद भी अक्सर 'बहुत खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में पहुँच जाते हैं। इस प्रदूषण से साँस और हृदय संबंधी बीमारियाँ बढ़ती हैं और बच्चों-बुजुर्गों पर इसका सबसे ज्यादा असर होता है। लगातार बढ़ते प्रदूषण ने दिल्ली-एनसीआर को वैश्विक स्तर पर अत्यधिक प्रदूषण प्रभावित क्षेत्र बना दिया है। इसी क्रम में हाल ही में शीर्ष अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में प्रस्तावित खेल स्पर्धाएं स्थगित करने का निर्देश देने पर भी विचार करने को कहा है।

सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल, यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता

ऐसे तो गल जाएंगे दिल्ली के फेफड़े

महारोग स्मॉग

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग के माध्यम से कृत्रिम बारिश का सपना टूट गया है। लगातार तीन दिन तक आकाश में क्लाउड सीडिंग करने के बावजूद एक बूंद भी बारिश नहीं हुई और दिल्ली वासी 400 से ऊपर एक क्यू आई यानी हवा की बहुत ख़राब क्वालिटी के साथ सांस लेने को मजबूर हैं। हालत इतनी ख़राब है कि 100 मीटर दूर की बिल्डिंग दिखाई नहीं दे रही है। दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली में स्मॉग की समस्या आती रही है और इसके पीछे जहां दीपावली के पटाखों को जिम्मेदार ठहराया जाता है वहीं हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के आरोप लगाकर भी पल्ला झाड़ लिया जाता है जबकि असलियत यह है कि जिस तरह दिल्ली में परिवहन एवं वाहनों की स्थिति है उसके चलते आने वाले वर्षों में पूरे साल ऐसी ही स्थिति रहने वाली है और यदि कारगर उपाय नहीं किए गए तो फिर दिल्ली के फेफड़े खराब होने तय हैं। दिल्ली ही नहीं दूसरे व्यस्त महानगरों में भी भारी स्मॉग और कहर बरपा रही है। हर साल दिसंबर जनवरी के महीने कोहरे व स्मॉग के शिकार होते ही हैं। जितना बड़ा शहर उतना ही ज़्यादा स्मॉग और उससे ज़्यादा उससे उपजा संकट। इन दिनों में स्मॉग के चलते बीमार होने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में भी न जाने कितनी जानें जाती हैं। रोज ही लाखों यात्री समय से अपने गंतव्य पर नहीं पंहुच पाते हैं। देश भर में यातायात प्रभावित होता है। प्रतिदिन कितनी ही ट्रेन व बसें तथा हवाई जहाजों की उड़ानें भी लेट होती हैं या फिर रद्द की जाती हैं। कोहरे के प्रकोप का तोड़ ढूंढ पाने हर प्रयास नाकाम सिद्ध हो रहा है। स्मॉग ज्यादातर औद्योगिक शहरी क्षेत्रों में जल कणों का कार्बन कणों तथा अन्य सूक्ष्म कणों के मिश्रण से अधिक तीव्रता से बनता है और ज्यादा देर तक बना रहता है। इसमें विभिन्न रसायनों के वाष्पकण मिल जाने से इसकी प्रकृति अम्लीय भी हो जाती है जो अधिक हानिकारक है। कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि सचमुच ही दिल्ली एवं दूसरे शहरों के लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति एवं क्षुद्र स्वार्थ सबसे पहले छोड़ने होंगे। आज यह समय की मांग है कि हमें स्मॉग से पीड़ित शहरों एवं लोगों को राहत दिलाने के लिए उन सब कारणों को दूर करना जिनकी वजह से स्मॉग की समस्या उत्पन्न होती है। कुल मिलाकर यदि स्मॉग का हल नहीं ढूंढ पाए तो फिर यह तो तय है कि दिल्ली के फेफड़े जल्द ही ख़राब हो जाएंगे और दिल्ली ही क्यों हर उस नगर, महानगर की हालत ऐसी ही होना निश्चित है। इसलिए बेहतर हो कि समय रहते यथार्थ परक व्यवहारिक और गहन सोच वाले कदम उठाए जाएं।

कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति सबसे पहले छोड़नी होगी

नकली बादल से हल नहीं होती वायु प्रदूषण की असली समस्या

दो टूक

पंकज चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भीगा दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवाकर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में कभी जयपुर के करीब विशाल झील रही और बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश के प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहे। वहां कई बार ड्रोन उड़ाये और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरी जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया। दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश एक बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है। दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली-समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही हैं, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च से जेब में भी छेद कर रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेम्बर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने के कोई निर्णायक उपाय हो नहीं रहे। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से

नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। कृत्रिम बरसात की तकनीक को समझना जरूरी है।

सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ के पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है। एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फ़ीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह ख़तरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक ख़तरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक है, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती है। विदित हो सीएनजी दहन से नायट्रोजन ऑक्साइड और नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ गैसें जिन्हें 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन' का उत्सर्जन होता है। चिंता की बात यह है कि "आक्साईड आफ नाइट्रोजन " गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलकर तेजाबी बारिश कर सकती है। यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर नदी-नाले भरने से जाम होता है और यही जाम दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही। कृत्रिम बारिश से होने वाली भारी बारिश से बाढ़ आ सकती है, जिससे जान-माल की हानि हो सकती है। प्रकृति को कोई भी नकली या बाहरी प्रयास बचा नहीं सकता। इसके लिए मानव को ही आत्म नियंत्रण करना होगा ताकि कम से कम हवा दूषित हो। कृत्रिम बरसात करवाना वैसा ही है जैसे नल की टोंटी कर पोंछा लगाने की कवायद।

विकासशील देशों के लिए संकट बनी प्लास्टिक कचरे की सुनामी

ई-कचरा

प्रमोद भार्गव

स्वतंत्र पत्रकार

पर्यावरण पर वैश्विक निगरानी रखने वाली सिएटल स्थित संस्था 'बासेल एक्शन नेटवर्क' (बीएएन) की ताजा रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रॉनिक सामग्री कई देशों में ठिकाने लगाने की दृष्टि से भेजी जा रही है। इनमें से अधिकांश दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। इन देशों में इस खतरनाक कचरे का सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कोई उपाय नहीं है, इसलिए वे इसे लेने को तैयार नहीं हैं। बावजूद दस अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रयोग की उम्र समाप्त कर चुके इलेक्ट्रॉनिक्स को एशिया और पश्चिमी एशिया के निर्धन देशों में ठिकाने लगा रही हैं। इसे ई-कचरे की छिपी हुई सुनामी माना जा रहा है।

रपट के अनुसार यह ई-कचरे की अदृश्य सुनामी है, क्योंकि ये विकासशील एवं गरीब देश इस कचरे का पुनर्चक्रण करने में समर्थ नहीं है। फिर भी ताकतवर पूंजीपति देश इन देशों को अपने कचरे का ठिकाना बनाने में बेहिचक लगे हुए हैं। अतएव पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा। इसका वहां के लोगों के स्वास्थ पर कितना असर पड़ेगा, यह अंदाजा कोई नहीं लगा पा रहा है। इस कचरे में कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल और अन्य आईटी उपकरण शामिल हैं। इनमें सीसा, कैडमियम और पारा जैसी सामग्रियां हैं, जो मूल्यावन होने के साथ विषाक्त हैं। जैसे-जैसे गैजेट्स नए मॉडल के साथ तेजी से बदले जा रहे हैं, वैसे-वैसे पुनर्चक्रित नहीं किया जाने वाला कचरा पांच गुना बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ और अनुसंधान शाखा (यूएनआईटीएआर) के अनुसार एकत्रित आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर 2022 में 6.2 करोड़ मीट्रिक टन ई-कबाड़ उत्पन किया गया। 2030 तक इसके उत्पादन की मात्रा 8.2 करोड़ मीट्रिक टन हो जाने का अनुमान हैं। रपट के अनुसार हर महीने लगभग 2000 कंटेनरों में लगभग 33,000 मीट्रिक टन अमेरिका में इस्तेमाल किया गया। ई-कचरा अमेरिकी बंदरगाहों से बाहर भेजा जाता है। इन कंटेनरों की खेपों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को ई-कचरा ब्रॉकर कहा जाता है। ये आमतौर पर स्वयं कचरे का पुनर्चक्रण करने की बजाय इसे लाचार गरीब देशों के बंदरगाहों पर उतार देती हैं।

पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा।

यह कचरा लगातार एशियाई देशों में कचरे के बोझ को बढ़ाकर कई तरह के पर्यावरणीय संकट पैदा कर जल-वायु और पृथ्वी को प्रदूषित कर रहा है। इस कचरे से घातक लैंडफिल गैसों का भी उत्सर्जन कुछ सालों के बाद होने लगता है। इनसे उत्पन्न जहरीला रसायन जल और मिट्टी को दूषित करता है। इस कचरे का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए कबाड़खानों में पहुंचा देते हैं। यहां काम करने वाले मजदूर अक्सर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के उन्हें हाथों से जला एवं पिघला कर अलग कर खोलते हैं। इस प्रक्रिया विषाक्त धुआं निकलता है, जो अत्यंत हानिकारक होता है। बासेल एक्शन नेटवर्क की संधि के मुताबिक इस्तेमाल किए गए ई-कचरे को एक देश से दूसरे देश भेजने की अनुमति केवल ऐसे कचरे को हैं, जिसे पुनर्चक्रित करके पुनः इस्तेमाल किया जा सके और जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करने वाला हो। लेकिन ये कंपनियां ऐसी किसी शर्त का पालन नहीं कर रही हैं। यही कारण है कि दुनिया में पुनर्चक्रण की तुलना में ई-कबाड़ में पांच गुना वृद्धि हो रही है। आज ई-कचरा,जिसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के उपकरण भी शामिल हैं,नष्ट करना भारत समेत दुनिया के देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। इसे नष्ट करने के जैविक उपाय तलाशे जा रहे हैं। जापान के क्योटो विश्वविद्यालय ने एक ऐसे जीवाणु के अनुसंधान का दावा किया है,जो जैविक रूप से प्लास्टिक नष्ट कर सकता है। हालांकि भारत में यही काम औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी कचरे को नष्ट करने के लिए केंचुओं से कराया जा रहा है। औसतन एक टन ई-कचरे के टुकड़े करके उसे यांत्रिक तरीके से पुनर्चक्रित किया जाए तो लगभग 40 किलो धूल या राख जैसा पदार्थ तैयार होता है। इसमें अनेक कीमती धातुएं समाहित रहती हैं। इन धातुओं के पृथक्करण की प्रक्रिया मानव शरीर और पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली है, इसलिए इस हेतु बायो-हाइड्रो मेटलर्जिकल तकनीक कहीं ज्यादा बेहतर मानी जा रही है। इस तकनीक को अमल लाते वक्त सबसे पहले बैक्टीरियल लीचिंग प्रोसेस ; बायो लीचिंग का प्रयोग करते हैं। इसके लिए ई-कचरे को बारीक पीसकर उसे जीवाणुओं के साथ रखा जाता है। बैक्टीरिया में मौजूद एंजाइम कचरे में उपस्थित धातुओं को ऐसे यौगिकों में बदल देते हैं कि उनमें गतिशीलता पैदा हो जाती है। बायो-लीचिंग की विधि में जीवाणु कुछ विशेष धातुओं को अलग करने में मदद करते हैं। हालांकि कई प्रकार के जीवाणुओं और फफूंद का उपयोग प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से सीसा, तांबा और टिन को अलग करने के लिए किया जाता रहा है। इस कचरे को जो कंपनियां जिन देशों में ठिकाने लगा रही हैं, वहां इस कचरे के निस्तारण संबंधी जैविक उपाय स्टार्टअप के रूप में बेरोजगारों को उपलब्ध करा दें तो गरीब देशों के युवाओं को रोजगार तो उपलब्ध होगा ही, दुनिया प्रदूषण मुक्त भी बनी रहेगी।

अगले महीने 2 दिसंबर को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाएगा इसका चौथा संस्करण

'काशी तमिल संगमम' के जरिए देश में तमिल भाषा सीखने पर जोर देगी सरकार

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय अगले महीने 2 दिसंबर को काशी तमिल संगमम (केटीएस) के चौथे संस्करण का आयोजन करेगा। तमिलनाडु और काशी के बीच मौजूद गहरे सभ्यतागत संबंधों का उत्सव मनाने से जुड़ी ये अनोखी पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर आधारित है। 2025 में इसकी थीम (विषय) 'तमिल सीखें, तमिल करकलम' रखी गई है। जिसका उद्देश्य पूरे देश में तमिल भाषा सीखने को बढ़ावा देना है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को बताया कि केटीएस-4.0 उत्तर और दक्षिण भारत के दोनों क्षेत्रों के बीच सभ्यतागत, सांस्कृतिक, भाषाई और लोगों के बीच संबंधों का सम्मान करता है। जिसमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना साफ तौर पर झलकती है। कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी मद्रास और बीएचयू काशी के समन्वय से किया जाएगा। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार सहित कई अन्य केंद्रीय मंत्रालयों की भी भागीदारी रहेगी। पर्यटन एवं संस्कृति, आईएनबी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग, एमएसएमई जैसे केंद्रीय मंत्रालय मुख्य हैं। ये आयोजन सांस्कृतिक आदान-प्रदान, भाषाई संवर्धन, ज्ञान साझाकरण से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने की केंद्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

इन दो पोर्टल से होगा पंजीकरण

अन्य सभी श्रेणियों में पंजीकरण के लिए दो पोर्टल हैं https://kashitamil.iitm.ac.in/ पर पंजीकरण 21 नवंबर रात 8 बजे बंद हो जाएगा, चयन प्रश्नोत्तरी 23 नवंबर को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक होगी। दूसरा https://kashitamil.bhu.in/ खासकर कॉलेज छात्रों के चयन के लिए है। जो दिसंबर के तीसरे सप्ताह में 15 दिनी शैक्षणिक कार्यक्रम के तहत तमिलनाडु की यात्रा करेंगे।

तमिलनाडु से शामिल होंगे 1400 प्रतिनिधि

तमिलनाडु से केटीएस में सात अलग-अलग श्रेणियों (छात्र, शिक्षक, लेखक-मीडिया पेशेवर, कृषि, पेशेवर-कारीगर, महिलाएं, आध्यात्मिक विद्वान और अभ्यासी) में कुल 1400 प्रतिनिधि शामिल होंगे। जो दोनों क्षेत्रों के 8 दिवसीय दौरे पर भी रहेंगे। इनकी वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्राएं होंगी। इसके अलावा बातचीत, सेमीनार, सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजनों, हस्तशिल्प और विरासत में भी शामिल होंगे। ये लोग वाराणसी के महत्वपूर्ण तमिल धरोहर स्थलों जैसे महाकवि सुब्रमण्यम भरतियार का पैतृक निवास, केदार घाट, लघु तमिलनाडु क्षेत्र में स्थित काशी मदम, काशी विश्वनाथ मंदिर और माता अन्नपूर्णा मंदिरों का भ्रमण करेंगे। अकादमिक और साहित्यिक बातचीत के लिए बीएचयू के तमिल विभाग की यात्रा भी की जाएगी।

तमिलनाडु जाएंगे 300 कॉलेज छात्र

कार्यक्रम के तहत तीन पहल पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। तमिल करकलम अभियान के जरिए 50 हिंदी जानने वाले तमिल शिक्षक काशी में स्कूली छात्रों को पढ़ाएंगे। काशी के 300 कॉलेज छात्र 15 दिवसीय तमिल शिक्षण कार्यक्रम के लिए तमिलनाडु के संस्थानों की यात्रा करेंगे। सीआईसीटी चेन्नई और मेजबान संस्थान इनकी मदद करेंगे। तमिलनाडु और काशी के बीच प्राचीन सांस्कृतिक मार्गों का पता लगाने वाला ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान 2 दिसंबर से तेनकाशी से शुरू होकर 10 दिसंबर को काशी में समाप्त होगा। ये अभियान पांडियन शासक श्री आदि वीर पराक्रम पांडियन के प्रयासों का प्रतीक है। जिन्होंने काशी से तमिलनाडु तक की अपनी यात्रा से भारतीय संस्कृति में एकता का संदेश फैलाया। साथ ही एकता की भावना को रेखांकित करने के लिए शहर का नाम बदलकर तेनकाशी (दक्षिण काशी) रखते हुए भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर का निर्माण कराया। अभियान चेर, पांड्य, पल्लव, चालुक्य और विजयनगर काल के सभ्यताकालीन संबंधों पर रोशनी डालेगा। इसके अलावा शास्त्रीय तमिल साहित्य, सिद्ध चिकित्सा और साझा विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा।

खबर संक्षेप

37 साल के सिंगर हरमन सिद्धू की मौत

मानसा। पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़ी एक दिल दहला देने वाली खबर है। फेमस गायक हरमन

सिद्धू का 37 वर्ष की आयु में सड़क हादसे में निधन हो गया। यह भीषण दुर्घटना शुक्रवार देर शाम हुई, जब वे मानसा से पैतृक गांव ख्याला लौट रहे थे। रास्ते में उनकी कार की एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे मौके पर ही मौत हो गई।

9वीं मंजिल से गिरने से कोटा में छात्र की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले से एक और इंजीनियरिंग छात्र की मौत की खबर है। जवाहर नगर

इलाके में शुक्रवार को हाईराइज़ इमारत से एक 17 वर्षीय छात्र गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि उसने आत्महत्या की है या फिर यह कोई हादसा था। फिलहाल शहर में सनसनी फैल गई है।

तुझे जान से मार दूंगी प्रिंसिपल ने दी धमकी

हापुड़। उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ से गुरू-शिष्या का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें

गुरु अपनी शिष्या को धमकी दे रही हैं। इसमें वह कह रही हैं कि मुझसे बदतमीजी की, या मेरा हाथ पकड़ा, तो तुझे अभी यहीं जान से मार दूंगी। इस धमकी के बाद से शिष्या काफी डरी हुई है, जबकि अभिभावक भी इस धमकी से सन्न हैं।

मुंबई व आसपास क्षेत्रों में तेंदुए की दहशत

मुंबई। महाराष्ट्र में तेंदुए को लेकर इमरजेंसी जैसे हालात हैं। एक तरफ राज्य कैबिनेट तेंदुए को राज्य

आपदा के तौर पर घोषित करने जा रही है तो वहीं अब ग्रामीण इलाकों से दूर मुंबई के आसपास के एमएमआर रीजन इलाकों में भी तेंदुआ दिखाई देने लगा है, जिसके चलते गाववाले और स्थानीय शहर के लोग दहशत में हैं।

मेट्रो रेल परियोजनाओं पर पुनर्विचार करें पीएम

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कोयंबटूर

और मदुरै में मेट्रो रेल परियोजनाओं से जुड़े प्रस्तावों को खारिज करने के केंद्र सरकार के फैसले के प्रति अपनी निराशा जताई। स्टालिन ने मोदी से फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हुए कहा कि इसे लेकर जनता में भारी नाराजगी है।

संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार लाएगी 10 नए बिल

परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश की राह होगी आसान, उच्च शिक्षा में भी होंगे बदलाव

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार कई नए बिल पेश करने वाली है। इसके साथ पिछले सत्र के दो बिल भी इस बार विचार और पारित होने के लिए सूचीबद्ध हैं। वित्त वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी पेश किया जाएगा। शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलने वाला यह सत्र 15 बैठकों का होगा।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे अहम है 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025', जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार का कहना है कि यह नया कानून परमाणु ऊर्जा के उपयोग, नियमन के ढांचे को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे देश में ऊर्जा उत्पादन और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।जिनमें निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला एक विधेयक भी शामिल हैं। परमाणु ऊर्जा विधेयक परमाणु ऊर्जा के उपयोग और विनियमन को नियंत्रित करने के उद्देश्य लाया जा रहा है।

सत्र 1 से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगा

इस सत्र में 15 बैठकें होने की संभावना

मध्यस्थता कानून में भी संशोधन का प्रस्ताव

संसद भवन

सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में भी बदलाव लाने पर विचार कर रही है। ज्यादा स्पष्टता के लिए एक समिति को इसकी समीक्षा का काम दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी तथा सेक्शन 34 में संशोधन की आवश्यकता को देखते हुए नया प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

सड़कों, कंपनियों और बाजार से जुड़े अहम संशोधन

सरकार कुछ पुराने कानूनों को भी आसान और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने जा रही है। इसमें कई अहम बिल शामिल हैं।

- नेशनल हाईवेज (संसोधन) बिल- राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए जमीन अधिग्रहण को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने का लक्ष्य।
- कॉरपोरेट लॉज (संसोधन) बिल, 2025- कंपनियों अधिनियम 2013 और एलएलपी एक्ट 2008 में बदलाव के जरिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देना।
- सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड बिल, 2025- सेबी अधिनियम, डिपॉजिटरी अधिनियम और प्रतिभूति अनुबंध विनियमन अधिनियम-पुराने कानूनों को एक ही 'सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड' बनाने का प्रस्ताव। इससे बाजार से जुड़े नियम सरल-समान होंगे।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी

परमाणु ऊर्जा विधेयक 2025, शायद सबसे महत्वपूर्ण विधेयक है, जिसका उद्देश्य भारत के बहुत ज्यादा प्रतिबंधित परमाणु ऊर्जा उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलना है। इसके अलावा सरकार कई और विधेयक ला सकती है, जिसमें मार्केट्स कोड बिल काफी महत्वपूर्ण है। इसके जरिए सरकार महत्वहीन हो चुके पुराने कानूनों में बदलाव कर उसे आसान बनाया जाएगा।

विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को ज्यादा स्वायत्तता मिलेगी

सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है। लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्वयं-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी एजेंडे में शामिल

विधि मंत्रालय ने कहा कि कानून की धारा 34 में प्रस्तावित संशोधन और कंपनी निदेशकों पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के कारण सरकार को इस मुद्दे को एक समिति के पास भेजना पड़ा है। प्रस्तावित संशोधन इसी का परिणाम है। पिछले सत्र के दो विधेयक भी विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध हैं। बुलेटिन के अनुसार, वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी एजेंडे में है।

नड्डा बोले भाजपा ने दिलाया सम्मान

एकता दौड़ को भाजपा अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

कांग्रेस ने सरदार पटेल के योगदान को भुलाया,जान-बूझकर दबाया

'एट द रेट 150 यूनिटी मार्च' शुरू किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

यहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका को याद करते हुए आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के बाद चार दशकों तक कांग्रेस ने पटेल के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही वह नेता हैं जिन्होंने सरदार पटेल को सही सम्मान दिलाया है। कार्यक्रम में नड्डा ने 'एट द रेट 150 यूनिटी मार्च' को हरी झंडी दिखाकर पटेल की जयंती का शुभारंभ भी किया। नड्डा ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश 562 रियासतों में बंटा था और ब्रिटिश शासन चाहता था कि भारत कमजोर और विभाजित रहे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर हमला

नड्डा ने आरोप लगाया कि 1950 से 1991 तक कांग्रेस सत्ता में रही, लेकिन किसी प्रधानमंत्री ने पटेल को भारत रत्न देने का निर्णय नहीं लिया। राजनीतिक साजिशें रची गईं ताकि पटेल को इतिहास में वह स्थान न मिले।इस अन्याय को खत्म करने का काम मोदी ने किया है।

मोदी सरकार ने दिया उन्हें उचित सम्मान

नड्डा ने कहा कि मोदी ने पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रतीक भी है। मोदी ने ही पटेल को सही सम्मान दिया।

पटेल की विरासत पर जोर

नड्डा ने कहा कि पटेल ने विभाजित हिंदुस्तान को एक मजबूत राष्ट्र में बदल दिया। देश को विदेशी मानसिकता और बिखराव से आजाद किया। आज जब देश उनकी जयंती मना रहा है, तब यह याद करना जरूरी है कि उनका योगदान देश की एकता और अखंडता की नींव है।

एकता मार्च का संदेश

नड्डा ने कहा कि ' यूनिटी मार्च' का उद्देश्य युवा पीढ़ी को पटेल के योगदान से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि देश आज जिन चुनौतियों से गुजर रहा है, उसमें पटेल की सोच और निर्णायक नेतृत्व प्रेरणा का स्रोत है।

महिला बीएलओ की मौत पर भड़क गई सीएम ममता बनर्जी, चुनाव आयोग को ठहराया दोषी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'कृष्णानगर में एक और बीएलओ दिव्यांग महिला शिक्षिका की आत्महत्या की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। बीएलओ रिंकू तरफदार ने आत्महत्या करने से पहले अपने सुसाइड नोट में चुनाव आयोग को दोषी ठहराया है।

टीएमसी ने राज्य में कई बूथ स्तर के अधिकारियों और आम नागरिकों की मौत के लिए एसआईआर की प्रक्रिया को दोषी ठहराया है। तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर एक पार्टी के लिए काम करने का आरोप लगाया। पार्टी की ओर दावा किया गया है कि राज्य में एसआईआर की वजह से अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है। पार्टी ने चुनाव आयोग से इन मौतों की जिम्मेदारी लेने की मांग की है। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक और बूथ लेवल ऑफिसर के आत्महत्या कर ली। इस घटना पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर भड़क गईं। उन्होंने आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि एसआईआर की वजह से और कितने बीएलओ को मरना होगा?

उन्होंने कहा, और कितनी जानें जाएंगी? इसके लिए और कितने लोगों को मरना होगा? इस प्रक्रिया के लिए हमें और कितनी लाशें देखनी पड़ेंगी? यह अब वाकई चिंताजनक हो गया है।' वहीं, वरिष्ठ टीएमसी नेताओं अरूप बिस्वास, चंद्रिमा भट्टाचार्य और पार्थ भौमिक ने शनिवार को चुनाव आयोग के कार्यालय में इन घटनाओं के बारे में चिंता जताते हुए ज्ञापन सौंपा।

टीएमसी नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि बीएलओ को एसआईआर के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं दिया गया है। बीएलओ को बिना उचित प्रशिक्षण के अनुचित दबाव में रखा जा रहा है, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ रही है। उनका कहना है कि जिस काम को करने में दो साल लगते हैं, उसे दो महीने में निपटाया जा रहा है। टीएमसी ने दावा किया कि हर बूथ पर 150 से 200 मतदाताओं के नाम जान-बूझकर गायब किए जा रहे हैं।

राष्ट्रपति ने सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया

लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने को प्रेरित किया, मानव सेवा को ही ईश्वर सेवा बताया

निस्वार्थ सेवा कर निस्वार्थ प्रेम का संदेश दें

एजेंसी ⏭ पुट्टपर्थी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आंध्र प्रदेश में सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया। श्री सत्यसाईं जिले के पुट्टपर्थी में राष्ट्रपति ने कहा कि श्री सत्य साईं बाबा ने इस विश्वास पर जोर दिया कि 'मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। उन्होंने अध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा। बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

सत्यसाईं समारोह में राष्ट्रपति

आध्यात्मिकता को जन कल्याण के साथ जोड़ने का आग्रह किया था। इतने सारे देशों में उनके भक्त वंचितों की सेवा कर रहे हैं।

विश्व हमारी पाठशाला है मानवीय मूल्य हमारे पाठ्यक्रम

श्री सत्य साईं बाबा के जीवन और उसके संदेश पर राष्ट्रपति ने कहा कि सत्य साईं बाबा का संदेश, सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो, सदैव सहायता करो और कभी किसी को कष्ट न पहुंचाओ, शाश्वत और सार्वभौमिक है। सत्य साईं का मानना था कि विश्व ही हमारी पाठशाला है और सत्य, सदाचार, शांति, प्रेम और अहिंसा ये 5 मानवीय मूल्य हमारे पाठ्यक्रम हैं।

ट्रंप-ममदानी की मुलाकात पर थरूर ने किया पोस्ट

भाजपा ने लिया हाथोंहाथ और राहुल से कहा- 'संदेश मिला क्या?'

थरूर ने लोगों का सम्मान करने, राष्ट्रहित में काम करने की कही थी बात

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और न्यूयॉर्क मेयर जोहरान ममदानी की मुलाकात को लेकर किए गए पोस्ट को भाजपा ने हाथोंहाथ लिया है। भाजपा ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सवाल दागा कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 'संदेश समझ में आएगा'? थरूर ने अमेरिका में राजनीतिक साझेदारी के प्रदर्शन की तारीफ की थी। ट्रंप की व्हाइट हाउस में न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर और अपने कट्टर आलोचकों में से एक ममदानी से मुलाकात वाली एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने मतदाताओं की इच्छा का सम्मान करने और राष्ट्र के बेहतर हित के लिए काम करने की बात कही थी।

शशि थरूर

मैं अपनी भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा

थरूर ने एक्स पर पोस्ट किया, लोकतंत्र को इसी तरह काम करना चाहिए। बयानबाजी पर बिना किसी रोक-टोक के चुनावों में अपने नजरिए के लिए जोश से लड़ें, लेकिन एक बार जब चुनाव खत्म हो जाए और लोग अपना जनादेश दे दें, तो उस देश के साझा हितों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें जिसकी सेवा करने का आप दोनों ने संकल्प लिया है। मैं भारत में भी ऐसा ही देखना चाहूंगा और मैं अपनी भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा हूं।

भाजपा का राहुल पर निशाना, देश को प्राथमिकता दें

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल पर निशाना साधा। पूनावाला ने थरूर की पोस्ट को टैग करते हुए कहा, थरूर ने कांग्रेस को याद दिलाया परिवार को नहीं, भारत को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कांग्रेस ने बनाई थरूर के बयानों से दूरी

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब थरूर के किसी बयान या टिप्पणी पर भाजपा ने

कांग्रेस पर निशाना साधा हो। कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने थरूर को पाखंडी बताते हुए सवाल पूछा था कि आप कांग्रेस में क्यों हैं? कांग्रेस की ओर से कहा गया ये बयान उनके निजी हैं और पार्टी का इससे लेना-देना नहीं है।

मनी लॉन्ड्रिंग में हाईकोर्ट का फैसला

पीएमएलए में आरोपी न होने पर भी ईडी को तलाशी का अधिकार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में तलाशी लेने के धन शोधन एक्ट (पीएमएलए) के प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम निर्णय पारित किया है।

पीएमएलए अपीलेड ट्रिब्यूनल के आदेश के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि अभियोजन शिकायत में नाम न होने पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पीएमएलए के तहत तलाशी हो सकती है। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी व न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने कहा कि तलाशी का

दिल्ली हाईकोर्ट

प्रावधान उन पर भी लागू होता है, जो संबंधित अपराध या मनी लॉन्ड्रिंग का अपराधी न हों। अदालत ने कहा कि धारा-17 यह नहीं कहती कि तलाशी केवल उस व्यक्ति के परिसरों में की जा सकती है, जिसके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई हो या रिपोर्ट संबंधित मजिस्ट्रेट कोर्ट को भेजी गई हो।

गोल्ड लीजिंग, जिसके जरिए आजकल लोग कर रहे कमाई
क्या हैं फायदे और नुकसान

आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं. अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं. साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

हर व्यक्ति चाहता है, कि उसके पास ज्यादा पैसा हो और उसे पैसों की कभी कमी न हो। इसके लिए लोग कमाई करने के साथ साथ अपने पैसों को निवेश करते हैं। इसके अलावा आजकल लोग अपनी तिजोरी में रखें हुए सोने से भी कमाई कर रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं गोल्ड लीजिंग की। आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं। अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

गोल्ड लीजिंग क्या होता है ?

गोल्ड लीजिंग को आसान शब्दों में समझें तो गोल्ड लीजिंग में आप अपने सोने को किराए पर देते हैं और कमाई कर लेते हैं। आजकल कई डिजिटल प्लेटफॉर्म लोगों को गोल्ड लीजिंग की सुविधा ऑफर कर रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म के जरिए लोग अपने गोल्ड को किराए पर दे सकते हैं और कमाई कर सकते हैं। गोल्ड लीजिंग में आप एक निश्चित समय के लिए अपने गोल्ड को लीज या किराए पर देते हैं। इसके बदले में आपको 2 से 7 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है। अब खास बात यह है कि गोल्ड लीजिंग में मिलने वाला रिटर्न आपको गोल्ड के रूप में भी मिल सकता है और यह कैश में भी हो सकता है। वहीं अगर सोने का भाव बढ़ता है, तो आपका रिटर्न भी बढ़ता है।

गोल्ड लीजिंग के फायदे-नुकसान

गोल्ड लीजिंग में अगर सोने की कीमतें बढ़ती हैं तो आपको ही फायदा होगा लेकिन सोने की कीमत गिरने पर आपका रिटर्म कम हो सकता है। गोल्ड लीजिंग के जरिए आप अपने तिजोरी में रखे सोने के जरिए काफी अच्छी कमाई कर सकते हैं लेकिन गोल्ड लीजिंग एक नया ट्रेंड है। ऐसे में इसके लिए अभी नियम पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। वहीं कई मामलों में निवेशक के साथ फ्रॉड भी हो सकता है। इसके अलावा अगर आप गोल्ड लीजिंग की अवधि के बीच में अपना सोना वापस चाहते हैं, तो सोना वापस लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

बच्चे के जन्म से शुरू करें निवेश, 18 साल होने पर तैयार होगा 50 लाख का फंड

पढ़ाई से लेकर शादी तक, सबका खर्च बढ़ रहा है खर्च, क्या आप अपने बच्चे के भविष्य निर्माण के लिए तैयार हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि घर में बच्चे सबको प्रिय होते हैं। लेकिन बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारने का काम सभी नहीं करते।

आमतौर पर देखा जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे लंबे लक्ष्यों के लिए उनके नाम पर ही एक अलग फंड बनाना पसंद करते हैं। यह फंड अक्सर जन्मदिन या खास मौकों पर मिली छोटी-छोटी रकम से शुरू होता है और फिर माता-पिता समय-समय पर इसमें नियमित रूप से पैसा जोड़ते रहते हैं। विशेषज्ञ भी इसे अच्छा तरीका मानते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं म्यूचुअल फंड में चिल्ड्रेन फंड के बारे में।

- **बच्चे की पढ़ाई और शादी की चिंता रहेगी दूर**
- **भविष्य में अच्छे बिजनेस करने के लिए भी मिलेगा पैसा**

निवेश का भरोसेमंद तरीका

चिल्ड्रन म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में उदाहरण के लिए हम आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड को देखते हैं। यह एक ऐसी योजना है जिसका लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसने समय के साथ अच्छे रिटर्न दिए हैं। यह एक ओपन-एंडेड निवेश योजना है जो बच्चों के लिए बनाई गई है। इसमें कम से कम पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जैसा भी पहले हो। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है और जरूरत पड़ने पर बेंचमार्क से बाहर के विषयों में भी अवसर के अनुसार निवेश करने का फ्रीडम रखता है।

उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता

इस योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है। यह किसी एक तय निवेश फॉर्मूले पर अडिग नहीं रहती, बल्कि बाजार की स्थिति के अनुसार कभी बचाव की मुद्रा में तो कभी आक्रामक रुख अपनाती है। इससे फंड मैनेजर को समय-समय पर आर्थिक माहौल के हिसाब से उलट दिशा में भी कदम उठाने का अवसर मिलता है, जिससे पोर्टफोलियो में एक लचीलापन और जीवंतता बनी रहती है।

बाजार के हिसाब से होता है काम

जब बाजार में स्थिरता की जरूरत हो, तो यह फंड अपनी हिस्सेदारी का करीब 35% तक डेट में ले जा सकता है। और जब माहौल अनुकूल हो, तो उसी तेजी से फिर इक्विटी में लौट भी सकता है। इससे एक तरफ बढ़त के अवसरों का लाभ मिलता है और दूसरी तरफ अनिश्चित समय में उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता है। कुल मिलाकर, यह चिल्ड्रन फंड उन अभिभावकों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरता है जो अपने बच्चों की निवेश योजना में लचीलापन, सक्रिय फैसले और लंबी अवधि की सोच इन तीनों का संतुलित मेल चाहते हैं।

क्या है रिटर्न

अगर कोई व्यक्ति 31 अगस्त 2001 को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड में 10 लाख रुपये निवेश किया होता तो 31 अक्टूबर 2025 तक यह राशि बढ़कर लगभग 3.3 करोड़ रुपये हो जाती। यह 15.58% की उल्लेखनीय वार्षिक कंपाउंडेड वृद्धि है। इसकी तुलना में, बेंचमार्क में ऐसा ही निवेश करीब 2.12 करोड़ का होता। यानी सीएजीआर 13.46 पर्सेंट का रिटर्न मिला है। इस फंड के एसआईपी रिटर्न भी कमाल के रहे हैं। अगर शुरुआत से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की जाती, तो कुल 29 लाख का निवेश 31 अक्टूबर, 2025 तक 2.2 करोड़ रुपये का हो जाता। अगर पिछले 15 साल से निवेश किया जा रहा है तो 18 लाख का योगदान बढ़कर 55.4 लाख रुपये तक पहुंच जाता। इसका मतलब 13.76 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न मिला। इसी अवधि में इसके बेंचमार्क का रिटर्न केवल 11.88 फीसदी है। पिछले एक, तीन और पांच साल में भी फंड ने लगातार अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है।

जल्दी निवेश करना क्यों है जरूरी

मान लीजिए कि किसी अभिभावक को अपने बच्चे के 18 साल का होने तक 50 लाख रुपये का कोर्पस तैयार करना है। अगर पहले माता-पिता (ए) ने बच्चे के जन्म के समय ही निवेश शुरू किया, तो 18 साल की अवधि में 12% की मान्य वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 6,598 रुपये निवेश करने होंगे। कुल मिलाकर 14.25 लाख रुपये का योगदान करना पड़ेगा। अगर दूसरे माता-पिता (बी) ने बच्चे के छह साल का होने पर निवेश शुरू किया, तो 12 साल की अवधि में उन्हें हर महीने 15671 रुपये लगाने होंगे। कुल योगदान 22.56 लाख रुपये का हो जाएगा। अगर तीसरे माता-पिता (सी) ने निवेश तब शुरू किया जब बच्चा 12 साल का हुआ, तो 12% की वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 47,751 रुपये लगाने होंगे और कुल योगदान 34.38 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। यानी लक्ष्य एक ही हो लेकिन देरी करने वालों को कहीं ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। माता-पिता बी को ए की तुलना में 12.3 लाख और सी को 20.13 लाख रुपये अधिक निवेश करने पड़ेंगे। यही है निवेश में देरी की वास्तविक लागत। अंत में, बात फिर वहीं आती है। निवेश जितना जल्दी शुरू होगा, लंबे समय वाले इक्विटी निवेश की शक्ति उतनी ही प्रभावी होगी। माता-पिता चाहें तो बहुत सधी हुई रफ्तार से बच्चे के सपनों जैसा उज्ज्वल भविष्य गढ़ सकते हैं।

हर माह 10,000 रुपये की बचत, बच्चों के लिए बनाएं 43 लाख का फंड

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर लाखों का फंड बना सकते हैं। दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है। आइए जानते हैं...

पैसों को एक अच्छी स्कीम में निवेश करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी होता है। हर व्यक्ति को अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा एक अच्छी स्कीम में निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। ऐसी कई स्कीम और योजनाएं हैं, जहां आप अपने पैसों को सुरक्षित निवेश कर सकते हैं और लाखों का रिटर्न पा सकते हैं। आज हम आपको दो ऐसी स्कीम में बारे में बताएंगे, जिसमें आप हर महीने केवल 10,000 रुपये निवेश कर पूरे 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। यह दोनों स्कीम सरकारी स्कीम है। ऐसे में यहां आपका पैसा भी सुरक्षित रहेगा। हम बात कर रहे हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम के बारे में. दोनों ही स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं और दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है।

पीपीएफ और एसएसवाई में रिटर्न

पीपीएफ में 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है और एसएसवाई में 8.2 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। पीपीएफ में कोई भी व्यक्ति निवेश कर सकता है लेकिन एसएसवाई में केवल माता-पिता अपना 10 साल से कम उम्र की बेटी के नाम पर निवेश कर सकते हैं। दोनों ही स्कीम में 1000 रुपये से 1.50 लाख रुपये प्रति वर्ष निवेश किया जा सकता है।

ऐसे बढ़ेगा आपका फंड

अगर आप हर महीने 10,000 रुपये की बचत कर 5-5 हजार रुपये दोनों स्कीम में 15 सालों तक निवेश करते हैं तो आप 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक पीपीएफ में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 16.27 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 7.27 लाख रुपये का लाभ होगा। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक एसएसवाई में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 27.71 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 18.71 लाख रुपये का लाभ होगा। इस तरह से आप 15 साल में कुल 43.98 लाख रुपये का फंड बना सकते हैं।

जॉइंट फैमिली खत्म, अब बुढ़ापे में कौन देगा सहारा? मिडिल क्लास की सबसे बड़ी टेंशन पर अलर्ट

योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन नहीं हो पाता जमा जिससे भविष्य हो जाता है अनिश्चित

भारत में रिटायरमेंट का संकट गहरा रहा है, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाएं अब पर्याप्त नहीं हैं। बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी के कारण 70% से अधिक वरिष्ठ नागरिक परिवार पर निर्भर हैं। योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन जमा नहीं हो पाता, जिससे भविष्य अनिश्चित हो जाता है।

नई दिल्ली: भारत में रिटायरमेंट का संकट अब आने वाला नहीं है, बल्कि यह पहले से ही मौजूद है। ज्यादातर भारतीय परिवार इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। वेल्थ एडवाइजर नितिन पुष्करन ने इसे लेकर लिंक्डइन पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, बच्चों का सहारा, पेंशन या प्रॉपर्टी जैसी पुरानी व्यवस्थाएं अब रिटायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए काफी नहीं हैं। पुष्करन ने लिखा, 'हम संयुक्त परिवार वाली व्यवस्था से निकलकर एकल आय वाली अर्थव्यवस्था में आ गए हैं।' उन्होंने बताया कि बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी ने मिलकर देश में एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 60 साल से ज्यादा उम्र के 70% से अधिक भारतीय पूरी तरह से अपने परिवार पर निर्भर हैं। वहीं, 10% से भी कम लोग ईपीएफ, एनपीएस या सुपरएन्युएशन जैसी किसी भी रिटायरमेंट स्कीम में नियमित रूप से पैसा जमा करते हैं।

क्या फेल होती है रिटायरमेंट प्लानिंग?

पुष्करन ने इस बात पर जोर दिया कि रिटायरमेंट में असफलता का कारण आय की कमी नहीं, बल्कि योजना बनाने में देरी है। उन्होंने एक उदाहरण दिया कि अगर कोई 35 साल का व्यक्ति आज से 10,000 रुपये हर महीने एसआईपी में लगाना शुरू करे तो 60 साल की उम्र तक उसके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा हो जाएंगे।

संकट बढ़ाने वाले कई और कारण

इस संकट को बढ़ाने वाले कुछ और कारण भी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला खर्च 11-14% तक है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा में से एक है। साथ ही, लोगों की औसत उम्र भी 70 साल से ज्यादा हो गई है। पुष्करन ने यह भी बताया कि नौकरी के बीच में ईपीएफ से पैसे निकालना भी एक बड़ी वजह है, जिससे कई नौकरीपेशा लोगों का रिटायरमेंट के लिए जमा होने वाला एकमात्र जरिया खत्म हो जाता है। भारत लौटने वाले एनआरआई (अनिवासी भारतीय) भी अक्सर रिटायरमेंट के बाद के खर्चों का सही अंदाजा नहीं लगा पाते। उनकी सलाह सीधी और स्पष्ट है, 'रिटायरमेंट के लिए पहली प्राथमिकता से योजना बनाएं, बची हुई रकम से नहीं। आपकी भविष्य की जीवनशैली आपके बच्चों या ईएमआई पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।'

लॉन्ग टर्म एसआईपी करोड़पति तो बना देगी, लेकिन उस पर टैक्स कितना भरना पड़ेगा?

एक्सपर्ट्स की राय

बिजनेस डेस्क

एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में करोड़ों का फंड बनाया जा सकता है। आजकल वित्तीय एक्सपर्ट्स भी एसआईपी में निवेश करने की सलाह देते हैं। निवेशकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी एसआईपी में निवेश करने के फायदे गिनाए जाते हैं। यह सुनकर तो बहुत अच्छा लगता है कि 20-25 साल लगातार एसआईपी में निवेश करने के बाद आपके पास करोड़ों रुपए का फंड जमा हो जाएगा, आप करोड़पति बन जाएंगे। लेकिन आपको यह नहीं बताया जाता है कि एसआईपी रिटर्न जब आपको मिलेगा तब आपको कितना टैक्स भरना पड़ेगा। लॉन्ग टर्म में कमाई गई आई पर आपको टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा जिससे आपका रिटर्न कम हो जाएगा।

रिटर्न के साथ टैक्स का भुगतान

लंबे समय के बाद आप यदि एसआईपी पर भारी भरकम मुनाफा कमाते हैं तो उस पर आपको टैक्स का भुगतान करना ही पड़ेगा। इसीलिए आपको पहले ही समझ जाना चाहिए की लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स सिस्टम के अंतर्गत एसआईपी रिटर्न पर आपको कितना टैक्स देना पड़ेगा और कितना रिटर्न आपको मिल सकता है।

उदाहरण से समझिये पूरा गणित

मान लेते हैं कि आप हर महीने 15000 एसआईपी में निवेश करते हैं। यह एसआईपी लगातार 20 साल तक जारी रखी जाती है। और यदि इस पर आपको 12% की दर से औसतन रिटर्न भी मिले तो 20 साल बाद मिलने वाला ब्याज सहित कुल रिटर्न 1,49,87,219 हो जाएगा। प्लीज रिटर्न पर आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स का भुगतान करना होगा। नियम के अनुसार यदि आपका लाभ 1 साल से ज्यादा के निवेश पर 1,25,000 से ज्यादा है तो उस पर आपको 12.5% टैक्स के साथ 4% सेस का भी भुगतान करना पड़ेगा। यानी 1,49,87,219 में से 1,25,000 हटाने के बाद बची राशि पर आपको 12.5% टैक्स और 4% सेस का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद भी आपको एक करोड़ से ज्यादा का रिटर्न तो मिलेगा ही लेकिन आपका रिटर्न थोड़ा कम हो जाएगा। इसलिए यदि आप लॉन्ग टर्म के लिए एसआईपी कर रहे हैं तो अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में यह भी शामिल करें कि उसे एसआईपी पर आपको बाद में टैक्स का भुगतान भी करना पड़ेगा।

अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट

स्मार्ट होता भारत अब यूपीआई से पा रहा क्रेडिट का फायदा, मिल रहे रिवॉर्ड और कैशबैक भी

सोचिए आप दुकान पर जाएं, यूपीआई से पेमेंट करें और आपका न सिर्फ सेकंड्स में पेमेंट पास हो जाए, बल्कि कैशबैक भी मिल जाए। है ना फायदे का सौदा? ये ही फायदा लेकर आया है कीवी एप , जिससे पेमेंट करना आपको फायदा ही फायदा पहुंचाएगा। क्योंकि इस पर कैशबैक के साथ ही ईएमआई तक की सुविधा का आनंद लिया जा सकता है।

योजना

बिजनेस डेस्क

पैसों से जुड़े लेन-देन के तरीकों की भारत में यात्रा काफी लंबी और रोचक रही है। पहले जहां लोग जेब में कैश या चेक लेकर घूमते थे, तो वहीं बाद में इसकी जगह डेबिट/क्रेडिट काड्र्स ने ले ली। और फिर आया पेमेंट को सुपर ईजी बना देने वाला बदलाव, यानी यूपीआई क्यू कोड, जिसमें व्यक्ति बस एक स्कैन करता है और महज सेकंड्स में ट्रांजेक्शन पूरा हो जाता है। अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट आ चुका है। इसमें लोगों को न सिर्फ यूपीआई पेमेंट की रफ्तार और सहूलियत मिल रही है बल्कि वो क्रेडिट की ताकत का फायदा भी उठा रहे हैं। सोचिए कि आप किसी किराना स्टोर में जाएं, वहां पर अपनी रोजाना की चीजें खरीदें और यूपीआई स्कैन से तुरंत पेमेंट कर दें, लेकिन इसके बावजूद आपके सेविंग अकाउंट से एक भी पैसा न कटे! और तो और आपको क्रेडिट कार्ड कैशबैक, रिवॉर्ड पॉइंट्स व बड़ी खरीदारी के भुगतान को ईएमआई में तब्दील करने का विकल्प भी मिल जाए। है ना ये शॉपिंग एक्सपीरियंस में दमदार ट्विस्ट? इसका श्रेय जाता है कीवी जैसे प्लेटफॉर्म को जिसने यूपीआई पेमेंट्स को एप के जरिए क्रेडिट से जोड़ने का काम किया है। यानी अब आप यूपीआई पेमेंट सीधे क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं।

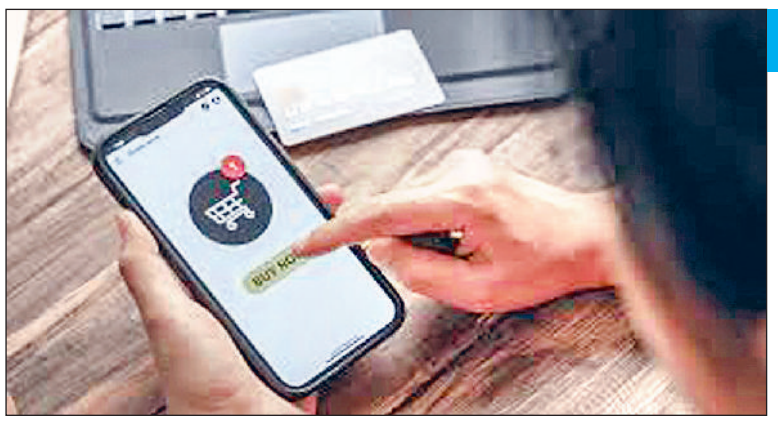

एक स्कैन और बैंक से सीधे कट जाती है राशि

चाहे किताब खरीदनी हो, घर के लिए चावल या फिर वॉशिंग मशीन, सभी तरह की खरीदारी के लिए यूपीआई सबसे आम तरीकों में से एक बन चुका है। एक स्कैन से सारे पेमेंट हो जाते हैं, जिसके लिए बैंक अकाउंट से पैसे कटते हैं। अब इसमें समस्या ये है कि अगर व्यक्ति के खाते में पर्याप्त राशि नहीं हुई, तो पेमेंट अप्रूव नहीं होगा। साथ ही इसमें पूरा भुगतान एकमुश्त ही करना होता है फिर चाहे आप 10 रुपये की चीज खरीद रहे हों या फिर 50,000 रुपये की। इससे जेब पर एकदम से काफी भार भी पड़ता है। लेकिन अगर आपके यूपीआई के साथ क्रेडिट कार्ड की ताकत जुड़ी हो, तो इन चीजों का भार हल्का हो जाता है।

रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई के फायदे

- तुरंत और आसान भुगतानः बस स्कैन करें और यूपीआई से भुगतान करें। यानी आपको पेमेंट के लिए न तो अपने साथ क्रेडिट कार्ड कैरी करने की जरूरत है और ना ही वॉलेट में कैश तलाशने की।
- रिवॉर्ड और कैशबैकः यूपीआई पेमेंट करने पर भी कैशबैक और रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे फायदे मिलते हैं, वो भी बिना किसी उलझन भरी शर्तों या छिपे हुए नियमों के।
- बाद में पेमेंट की सुविधाः बड़े अमाउंट को आप आसानी से ईएमआई में तबदील कर सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर एकदम से बोझ नहीं आता।

यहां क्रेडिट और यूपीआई चलते हैं साथ-साथ

यूपीआई पर क्रेडिट का फायदा पाने के काम को कीवी ने बेहद आसान बना दिया है। बस आपको कीवी एप पर साझेदार बैंकों द्वारा जारी किए गए पर रुपे क्रेडिट कार्ड को ऐप के जरिए यूपीआई से जोड़ना है, जिसका प्रोसेस काफी आसान है। एक बार ये लिंक हो गया, तो यूजर कीवी एप के जरिए ईजी पेमेंट, रिवॉर्ड्स के साथ ही पेमेंट को ईएमआई में बदलने जैसे कई फायदों का लाभ उठा सकेगा। कीवी एप से हुए यूपीआई पेमेंट्स पर कम से कम 1.5% का कैशबैक मिलता है, जो सीधा बैंक में जाता है, जिसे कभी भी निकालकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें न तो कोई छुपी हुई शर्तें हैं और ना ही कोई जटिल कन्वर्जन। और तो और कीवी एप पर उपलब्ध रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई पूरी तरह से लाइफटाइम फ्री भी है। कुल मिलाकर ये आज के डिजिटल इंडिया के लिए ही बना है, जो शॉपिंग के एक्सपीरियंस को ईजी और रिवॉर्ड रिच बना देता है।

क्रेडिट-स्मार्ट और सशक्त होता भारत

जैसे-जैसे ज्यादा लोग यूपीआई के जरिए क्रेडिट का इस्तेमाल करने लगे हैं, वैसे-वैसे भारत में पैसे खर्च करने और संभालने का तरीका धीरे-धीरे बदलता जा रहा है। जो लोग अब तक सिर्फ डेबिट कार्ड या नकद पर निर्भर थे, उनके लिए ये बिना किसी झंझट के क्रेडिट की दुनिया में कदम रखने का आसान रास्ता बन गया है। कीवी जैसे प्लेटफॉर्म की पारदर्शी और आसान सेवाओं से भारत में डिजिटल पेमेंट न सिर्फ तेज हो रहे हैं, बल्कि ये लोगों को अधिक सशक्त और क्रेडिट स्मार्ट भी बना रहे हैं, जो नए भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम बनाता है।

एशेज : हेड की सुनामी में उड़े अंग्रेज, पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 8 विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶| पर्थ

ट्रेविस हेड (123) ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए शतक जड़ा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने तीन दिन रहते एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में 8 विकेट से जीत दर्ज की। हेड ने इंग्लैंड की 'बैजबॉल' की रणनीति पर पलटवार करते हुए 69 गेंद में शतक जड़ दिया, जिससे यह एशेज क्रिकेट के शानदार सैकड़ों में शामिल हो गया। उस्मान ख्वाजा के चोटिल होने के कारण हेड को पारी का आगाज करने के लिए उतारा गया और उन्होंने मैदान में हर तरफ बाउंड्री लगाईं।

■ ट्रेविस ने 83 गेंद में 16 चौके और 4 छक्के की मदद से बनाए 123 रन

जीत के लिए 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेड ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 83 गेंद में 16 चौके और चार छक्के की मदद से 123 रन बनाए।

हेड टीम को जल्दी से जीत तक पहुंचाने की कोशिश में आउट हुए जब स्कोर दो विकेट पर 192 रन था और टीम को जीत के लिए महज 13 रन की दरकार थी। मार्नस लाबुशेन ने छक्का जड़कर स्कोर बराबर किया और जब टीम दो विकेट पर 205 रन पर पहुंची तो वह 51 रन बनाकर नाबाद रहे।

दो दिन में खत्म हुआ टेस्ट, गिरे 30 विकेट

पर्थ में दो दिन में पांच सत्र में तीन पारियों में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा, जिसमें 113 ओवर में 468 रन पर 30 विकेट गिरे। इसमें पहले दिन 19 विकेट और दूसरे दिन चाय काल से पहले 11 विकेट गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह घरेलू एशेज टेस्ट में अजेय लय 16 मैच तक बढ़ा दी, उसने 2010-11 में सीरीज गंवाने के बाद से 14 जीत और दो ड्रॉ खेले हैं। इंग्लैंड ने पहले चार सत्र में दबदबा बनाया लेकिन दूसरे दिन लंच के बाद बल्लेबाजी क्रम के लड़खड़ाने बाद नियंत्रण गंवा दिया। कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की और टीम पहली पारी में 172 रन पर ढेर हो गई। इसमें ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर सात विकेट झटके। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में महज 132 रन पर सिमट गई, जिसमें उसके लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर 26 रन का था, जो विकेटकीपर एलेक्स कैरी का रहा। स्टोक्स ने पांच विकेट झटके।

मिचेल स्टार्क रहे प्लेयर ऑफ द मैच

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दूसरा विकेट पर 65 रन पर गंवाया लेकिन इसके बाद तीन खिलाड़ी एक भी रन बनाए बिना 76 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। इससे टीम दूसरी पारी में 164 रन पर सिमट गई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया के पास 205 रन के लक्ष्य का पीछा करने के लिए तीन दिन और एक सत्र था। और हेड ने एक सत्र में ही टीम को आसान जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे जिन्होंने मैच में कुल 10 विकेट झटके। पांच टेस्ट मैच की एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट ब्रिसबेन के गाबा में 4 दिसंबर से खेला जाएगा।

खबर संक्षेप

वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष बने गोलोवकिन

वाशिंगटन। पूर्व विश्व चैंपियन गेनाडी गोलोवकिन विश्व मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। कजाकिस्तान के रहने वाले गोलोवकिन को वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष पद के लिए यूनान के हरिलाओस मारिओलिस के खिलाफ चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन संगठन ने कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद वह एकमात्र योग्य उम्मीदवार पाए गए हैं। गोलोवकिन ने कहा, 'मुझे सूचित किया गया है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल एकमात्र अन्य उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मैं वर्ल्ड बॉक्सिंग के स्वतंत्र जांच पैनल के काम की सराहना करना चाहूंगा, जिसने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि सभी चुनाव ओलंपिक खेल में प्रशासन के उच्चतम मानकों के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों।' कजाकिस्तान के पूर्व मिडिलवेट चैंपियन गोलोवकिन को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था।

यह ट्रैक हमारे ढांचे को अधिक रास आएगा : डोइशे

गुवाहाटी। भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे ने कहा कि बरसापारा स्टेडियम की पिच भारतीय टीम को अधिक रास आयेगी लेकिन कहा कि टेस्ट मैच का नतीजा टीम के प्रदर्शन पर निर्भर करता है, पिच पर नहीं । दक्षिण अफ्रीका के लिए दूसरे टेस्ट के पहले दिन रन बनाना मुश्किल हो रहा था। उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को भुना नहीं सके। टेन डोइशे ने कहा,' मेरा निजी मानना है कि विकेट यह तय नहीं कर सकता कि कौन जीतेगा। अगर हम कोलकाता में अच्छा खेलते तो उस पिच पर टेस्ट जीत जाते।' उन्होंने कहा,'आपको हालिया नतीजों पर नजर डालनी होगी। इस तरह के विकेट हमे अधिक रास आते हैं।'

फिडे ने दी 'ड्रेस संहिता' में ढील

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने अगले महीने दोहा में होने वाली विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप के लिए आराम को तरजीह देने वाली ड्रेस संहिता की घोषणा की है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 'क्लासिक नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस' पहनने की अनुमति होगी।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

गुवाहाटी टेस्ट पहला दिन : अफ्रीकी टीम बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम

कुलदीप का जादू, दक्षिण अफ्रीका के 6 विकेट धड़ाम, भारत की दमदार वापसी

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और भारत ने कुलदीप यादव की अगुवाई में आखिरी सत्र में 3 विकेट लेकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को अच्छी वापसी की। भारत ने पहले दो सत्र में एक-एक विकेट लिया लेकिन तीसरे सत्र में वापसी करके उसने पहले दिन दोनों टीम का पलड़ा बराबरी पर रखा। खराब रोशनी के कारण जब 81.5 ओवर में दिन का खेल समाप्त किया गया तब दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट पर 247 रन बनाए थे। पिच से अभी बहुत अधिक टर्न नहीं मिल रहा है लेकिन भारत ने दिन में जो छह विकेट हासिल किए उनमें से चार विकेट स्पिनर ने लिए।

कुलदीप ने झटके 48 रन देकर 3 विकेट

दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज तीन गेंद के अंदर आउट

भारत की तरफ से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को तीन गेंद के अंदर पवेलियन की राह दिखा दी थी। बुमराह ने सुबह के सत्र के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मारक्रम (38) को बोल्ड किया। कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रियान रेकेलटन (35) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी थी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके अपने कप्तान के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया था। तेम्बा बावुमा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (49) भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की।

गुवाहाटी में टूटा 148 साल पुराना रिवाज

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में गुवाहाटी के मैदान पर एक नया इतिहास बना। दरअसल, क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारुप के 148 साल के इतिहास में पहली बार एक नियमित टेस्ट मैच में लंच से पहले चाय का ब्रेक लिया गया। डे-नाइट टेस्ट में चाय डिनर से पहले ली जाती है, लेकिन अपना पहला टेस्ट आयोजित कर रहे गुवाहाटी ने एक नया उदाहरण पेश किया और लंच से पहले टी ब्रेक लिया। यह असामान्य निर्णय भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से में जल्दी सूर्योदय और सूर्यास्त होने के कारण लिया गया। नतीजतन, टेस्ट मैच का पहला सत्र सुबह 9 बजे से 11 बजे तक खेला गया, जिसके बाद 11 बजे से 11:20 बजे तक चाय का ब्रेक रखा गया।

जडेजा ने 6 साल में 79 बार फेंकी नो बॉल

भारतीय टीम के लिए ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की नो बॉल सिरदर्द बन गया है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में उनकी एक गेंद नो बॉल रही। यह साल 2025 में अभी तक की उनकी 14वीं नो बॉल है। साथ ही पिछले छह साल में 79वीं बार वे ओवरस्टेप (क्रीज से बाहर पैर) कर चुके हैं। पिछले कुछ सालों में रवींद्र जडेजा की लगातार इस तरह की गेंदें देखने को मिली है। एक स्पिनर से उम्मीद की जाती है कि वह कोई एक्स्ट्रा न दे। लेकिन जडेजा इस कमी पर काम नहीं कर पा रहे हैं।

क्रिकेट

न्यूजीलैंड ने दर्ज की हैट्रिक जीत वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| हैमिंटन

तीसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को चार विकेट से हरा दिया। मैट हेनरी ने 4 विकेट लिए और मार्क चैपमैन ने 64 रनों की शानदार पारी खेली। इसी के साथ ने तीन मैचों की वनडे सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया।

हैमिल्टन में वेस्टइंडीज की टीम एक बार फिर शुरू में ही लड़खड़ा गई और महज 161 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य आसानी से 30.2 ओवर में ही 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शुरुआत में न्यूजीलैंड के भी तीन विकेट जल्दी गिर गए थे और स्कोर 32 पर 3 हो गया था, लेकिन चैपमैन ने संभलकर खेला। माइकल ब्रेसवेल ने नाबाद 40 रन बनाए और दोनों ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचा दिया। इस सीरीज़ का यह सबसे एकतरफा मैच रहा। इससे पहले टी-20 सीरीज में भी न्यूजीलैंड ने 3-1 से जीत हासिल की थी। अब दोनों टीमों के बीच तीन टेस्ट मैच होने हैं, पहला मैच 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

ठाकुर करेंगे मुंबई की कप्तानी, टीम में सूर्यकुमार, सरफराज और दुबे भी

■ ट्रॉफी का एलीट डिवीजन 26 नवंबर से 18 दिसंबर तक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

शार्दुल ठाकुर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करेंगे, जिसकी 17 सदस्यीय टीम में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, सरफराज खान और शिवम दुबे भी शामिल हैं। मुंबई इस प्रतियोगिता की गत विजेता है। उसने पिछले वर्ष श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में यह खिताब जीता था, जो वर्तमान टीम का हिस्सा नहीं हैं। टीम में अजिंक्य रहाणे भी शामिल हैं। टीम में विकेटकीपर के रूप में अंगकृष रघुवंशी और हार्दिक तमोर शामिल हैं। तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे और तनुश कोटियन भी टीम में हैं। इस सत्र में रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में अब तक पांच मैचों में तीन शतक और एक अर्धशतक की मदद से 530 रन बनाने वाले सिद्धेश लाड को भी टीम में शामिल किया गया है। सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी का एलीट डिवीजन 26 नवंबर से 18 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का पहला दौर लखनऊ, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में खेला जाएगा, जबकि नॉकआउट दौर इंदौर में होगा।

PUBLIC NOTICE

My wife Late Smt. Vibha Salhotra R/o, D-004, Ground Floor Indiabulls Enigma Dwarka Expressway Sector-110, Opp. Conscient Mall, Bajghera, Gurgaon, Haryana- 122017, had purchase flat No-1201, in tower SOCRATES 2 in SUPERTECH CZAR Suites project situated at Plot No-GH-02, Sector Omocron-1, Greater Noida -201308. After his death, I requested M/s Supertech Limited to transfer the said flat on my name alone, if anybody has any objection, he/she may contact M/s Supertech Limited office at Supertech E-Square, Plot No C2, Sector 96, Noida, Uttar Pradesh, India 201303 within 15 days of the published notice.

Mr. Shakti Kumar Salhotra
S/o Sh. Jagdish Raj Salhotra

संधू का शानदार प्रदर्शन, राइफल थ्री पोजीशन में जीता गोल्ड

नई दिल्ली। भारत की माहित संधू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टोकियो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता, जो उनका चौथा पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा जुजाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालीफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

कोबोली ने नाटकीय सेमीफाइनल में बर्ग्स को हराया, डेविस कप फाइनल में इटली

एजेंसी ▶▶| बोलोग्ना

फ्लेवियो कोबोली ने नाटकीय सेमीफाइनल में सात मैच प्वाइंट बचाने के बाद बेल्जियम के जिजोउ बर्ग्स को 6-3, 6-7 (5), 7-6 (15) से हराकर दो बार के गत चैंपियन इटली को डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा दिया। कोबोली ने खुद छह मैच प्वाइंट गंवाए लेकिन आखिर में इटली को जीत दिलाने में सफल रहे। उन्होंने शर्ट उतारकर अपने साथियों के साथ जश्न मनाया और फिर बर्ग्स को सांत्वना देने गए, जो कुर्सी पर बैठकर आंसू बहा रहे थे।

डेविस कप के इतिहास में 17-15 का अंतिम सेट टाईब्रेक छठा सबसे लंबा था। कोबोली ने कहा, 'हमने अपने देश के लिए, इस जीत के लिए संघर्ष किया, लेकिन आखिरकार मेरा सपना साकार हुआ। मैं अपनी पूरी टीम और अपने परिवार के लिए खेला। यह मेरे जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक है।' कोबोली की जीत से युगल मुकाबला खेलने की जरुरत नहीं पड़ी क्योंकि उन्होंने इटली को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी। इससे पहले माटेओ बेरेटिनी ने राफेल कोलिग्नन को 6-3, 6-4 से हराकर इटली को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन का फाइनल मुकाबला आज

सेन ने चीनी ताइपे के खिलाड़ी को दी मात, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरने के लिए जबरदस्त मानसिक दृढ़ता दिखाई और 86 मिनट तक चले सेमीफाइनल में दूसरे वरीय खिलाड़ी को 17-21, 24-22, 21-16 से हराया। वर्तमान सत्र में अभी तक कोई भी खिताब नहीं जीत पाने वाले 24 वर्षीय सेन का फाइनल में मुकाबला जापान के युशी तनाका या चीनी ताइपे के पांचवें वरीय लिन चुन-यी से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

दोनों खिलाड़ियों ने 44 शॉट की खेली रैली

लक्ष्य शुरुआत में थोड़े ढीले दिखे, जबकि चेन अपने शॉट चयन में कहीं ज़्यादा सटीक थे। इससे ताइवान के खिलाड़ी ने पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त हासिल कर ली, जो कुछ देर बाद 14-7 हो गई। लक्ष्य ने इसके बाद वापसी की। इन दोनों खिलाड़ियों ने 19-15 के स्कोर पर 44 शॉट की रैली खेली, जिसमें चेन ने जीत हासिल करके पांच गेम प्वाइंट हासिल किए। लक्ष्य ने दो गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन फिर एक शॉट नेट में डालकर पहला गेम गंवा दिया।

लक्ष्य ने तीसरे गेम में बनाई 6-1 की बढ़त

लक्ष्य ने तीसरे और निर्णायक गेम में 6-1 की बढ़त बना ली। चेन ने जिस तरह का खेल पहले गेम में दिखाया था उसको वह बरकरार नहीं रख पाए। लक्ष्य ने इसका पूरा फायदा उठाकर इंटरवल तक 11-6 बढ़त हासिल कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। ताइवान के खिलाड़ी ने चार मैच प्वाइंट बचाए लेकिन वह लक्ष्य को फाइनल में जगह बनाने से नहीं रोक पाए।

दूसरे गेम का मुकाबला रहा कड़ा

दूसरे गेम के शुरू में दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन चेन के सटीक हमले फिर से कारगर साबित हुए और उन्होंने 7-4 की बढ़त बना ली। लेकिन लक्ष्य ने शानदार वापसी की और इंटरवल तक 11-9 की बढ़त बना ली। लक्ष्य का स्मैश बाहर चला गया, जिससे चेन ने वापसी करते हुए स्कोर 12-12 कर दिया। इसके बाद एक समय स्कोर 17-17 बराबरी पर था लेकिन चेन ने लक्ष्य के नेट पर शॉट मारने पर बढ़त बना ली। ताइवान के खिलाड़ी ने इसके बाद तीन मैच प्वाइंट हासिल किए लेकिन लक्ष्य ने उनका अच्छी तरह से बचाव किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण/उत्तर रेलवे, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली–110001 निम्नलिखित कार्य हेतु **वन पैकेट प्रणाली** के अंतर्गत ई–निविदा आमंत्रित करता है:–

1	कार्य का नाम और स्थान	DELHI डिवीजन में रुंधी–पलवल चौथी लाइन के कमीशनिंग के संबंध में पलवल यार्ड के काम के लिए 25 केवी सिंगल फेज एसी का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग और संशोधन कार्य
2	कार्य की समाप्ति अवधि	18 महीने
3	कार्य की अनुमानित लागत	Rs. 1,90,56,885.39/-
4	बयाना राशि (ऑनलाइन जमा की जानी है)	Rs. 2,45,300/-
5	ई–निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	निविदाएं दिनांक **15.12.2025** को 15:00 बजे तक IREPS वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जा सकती हैं। बोलीदाता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं, निविदाएं अपलोडिंग की समाप्ति के तुरंत बाद **15.12.2025, 15:00** बजे पर खोली जाएंगी।
6	विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज	विस्तृत निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर **01.12.2025** से **15.12.2025** तक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध रहेगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम व शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है।

निविदा संख्या: 345/Dy. CEE/C/NDLS/2025-26 दिनांक: 22.11.2025 3640/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली ब्लास्ट में जांच एजेंसियों को मिले चौंकाने वाले सबूत

5 लाख में खरीदी एके-47, डीप फ्रीजर में रखे विस्फोटक

गिरफ्तार आरोपी डॉ. मुजम्मिल ने फरीदाबाद से पकड़े जाने से पहले 2,500 किलो से अधिक अमोनियम नाइट्रेट जुटाया था और इसके साथ ही पांच लाख से ज्यादा में एके-47 राइफल खरीदी थी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में 10 नवंबर को हुए आत्मघाती कार ब्लास्ट की जांच में खुफिया एजेंसियों को कई चौंकाने वाले

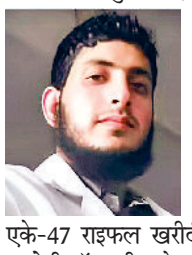

सबूत मिले हैं। गिरफ्तार आरोपी डॉ. मुजम्मिल ने फरीदाबाद से पकड़े जाने से पहले 2,500 किलो से अधिक अमोनियम नाइट्रेट जुटाया था और इसके साथ ही पांच लाख से ज्यादा में एके-47 राइफल खरीदी थी। यह हथियार बाद में आरोपी डॉ. अदील के लॉकर से बरामद किया गया। यह हथियार खरीद इस मॉड्यूल की तैयारी और फंडिंग के स्तर को दिखाती है। प्रत्येक आरोपी का अलग-अलग हैंडलर से संपर्क था। दो खास हैंडलर, मंसूर और हाशिम के नाम सामने आए हैं, जो एक सीनियर हैंडलर के अंडर काम कर रहे थे।

ऑनलाइन सीख रहा था बम बनाना

खुफिया अधिकारियों ने बताया कि डॉ. उमर बम बनाने के वीडियो, मैनुअल और ओपन-सोर्स कंटेंट ऑनलाइन देख रहा था। उसने बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन नूंह समेत कई जगहों से खरीदे, जबकि इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स के भागीरथ पैलेस और फरीदाबाद के एनआईटी मार्केट से जुटाए। उमर ने विस्फोटक मिश्रण को स्टोर और प्रोसेस करने के लिए एक डीप फ्रीजर खरीदा था।

पाक हैंडलर कर रहे थे कश्मीरी युवाओं का ब्रेनवॉश

जम्मू के मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर डॉक्टर बने कश्मीरी युवाओं का ब्रेनवॉश कर सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल खड़ा किया गया। इसकी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने शुरुआत करवाई। फिलहाल ये सभी देश के अलग-अलग शहरों में नौकरी करने लगे और यहां भी लोगों को इस मॉड्यूल से जोड़ने लगे। प्रत्येक एक-दो डॉक्टर पर एक पाकिस्तानी हैंडलर नियुक्त किया गया था। वो लगभग हर दिन अपने संपर्क वाले दोनों डॉक्टरों से वॉयस कॉल व वीडियो कॉल पर बात करता।

पाकिस्तान को जाने वाले फोन कॉल घटे

यूपी के कानपुर में दिल्ली विस्फोट के बाद पाकिस्तान को जाने वाली मोबाइल फोन कॉल घटकर एक चौथाई रह गई है। इस कमी पर जांच एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस, एलआईयू, एनआईए, एटीएस, आइबी समेत अन्य जांच एजेंसियों ने संदिग्धों पर नजर रखनी शुरू कर दी।

जांच एजेंसियां देर रात या एक दम तड़के की गईं फोन कॉल पर नजर रखे हुए है। यह कॉल पाकिस्तान के किस हिस्से में की गई हैं इसका डेटा भी तैयार किया जा रहा है।

पाकिस्तान भेजा गोपनीय डाटा सुल्तानपुर का युवक गिरफ्तार

यूपी के सुल्तानपुर के गोसाईगंज के भटपुरा पूरे अनंतराम निवासी रोहित को जहाज निर्माण व पोत संबंधी संवेदनशील गोपनीय डेटा पाकिस्तान भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया है। केरल में रोहित शिप में इन्सुलेशन लगाने का काम करता था। गांव में रोहित का दो कमरे का मकान है। उसके घर पर इस समय मां बिज्मा, पत्नी रीमा व पांच साल की पुत्री ऋषिका है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि विदेशी नंबरों पर संवेदनशील सूचनाएं भेजी गई थीं, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा तंत्र को गंभीर खतरा हो सकता था। जयसिंहपुर के हमजाबाद मैधन निवासी संतरी को गिरफ्तार किया गया है।

बटमालू से एक गिरफ्तार

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़े एक संदिग्ध को राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने श्रीनगर के बटमालू इलाके से गिरफ्तार किया है। कुछ दिनों से मिले इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

इटली, फ्रांस, कनाडा, ब्रिटेन के शीर्ष नेता और यूएन महासचिव इसमें शामिल हैं

जी-20 सम्मेलन के दौरान दुनिया के कई नेताओं से मिले पीएम मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका की घोर नाराजगी के बावजूद दक्षिण-अफ्रीका की अध्यक्षता में जोहान्सबर्ग में जारी जी-20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन पूरी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 23 नवंबर तक होने वाले इस आयोजन में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं। जहां आयोजन के पहले उद्घाटन सत्र से इतर उनकी दुनिया के कई अन्य देशों, संगठनों और संस्थाओं के शीर्ष नेताओं और राष्ट्राध्यक्षों से द्विपक्षीय और त्रिपक्षीय मुलाकात हुई है। जिसमें इटली, फ्रांस, कनाडा, ब्रिटेन, बाजील, दक्षिण-कोरिया, अंगोला, सिंगापुर, मलेशिया और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस शामिल हैं।

भारत, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के बीच हुई त्रिपक्षीय साझेदारी

प्रधानमंत्री ने जी-20 से जुड़ी हुई एक ग्रुप फोटो भी एक्स पर पोस्ट के जरिए साझा की है। जिसमें उन्होंने लिखा, सम्मेलन में साथी जी-20 नेताओं के साथ। हम मिलकर वैश्विक प्रगति और समृद्धि के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। इसके अलावा उन्होंने वैश्विक नेताओं के साथ हुई इन उच्च-स्तरीय बैठकों की जानकारी भी अपनी कुछ अन्य एक्स पोस्ट के जरिए दी है।

आपसी संबंधों, वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से हुई मुलाकात में विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों देशों के संबंध वैश्विक भलाई की ताकत बने हुए हैं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से हुई मुलाकात में दोनों दिग्गज नेता एक-दूसरे से मुस्कुराहट के साथ हाथ मिलाते हुए नजर आ रहे हैं। अभिवादन के लिए दोनों ने नमस्ते का प्रयोग किया।

मौजूदा साल में हुई भारत, इटली के राष्ट्राध्यक्षों की ये दूसरी मुलाकात है। इससे पहले दोनों जून-25 में कनाडा में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा से हुई मुलाकात को लेकर पीएम मोदी ने बताया भारत और ब्राजील व्यापार और सांस्कृतिक जुड़ाव के मसले पर अपनी आम जनता की साझा भलाई के लिए लगातार निकटता से काम करते रहेंगे। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से हुई मुलाकात पर लिखा, जोहान्सबर्ग में ब्रिटेन के पीएम से मिलकर अच्छा लगा। ये वर्ष दोनों देशों की साझेदारी में एक नई ऊर्जा लेकर आया है। हम इसे विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ाते रहेंगे। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से हुई मुलाकात को प्रधानमंत्री ने एक बहुत ही उपयोगी संवाद बताया है।

भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा ने की अहम घोषणा

सम्मेलन से इतर भारत, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के बीच एक त्रिपक्षीय प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी (एसीआईटीआई) भी हुई है। जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री मोदी ने इन दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के साथ हुई संयुक्त मुलाकात के बाद की। उन्होंने कहा कि जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ एक शानदार बैठक हुई है। हम सभी को एसीआईटीआई की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। ये पहल उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में तीन महाद्वीपों और तीन महासागरों में लोकतांत्रिक साझेदारों के बीच सहयोग को गहरा करेगी, आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण, स्वच्छ ऊर्जा और एआई को बड़े पैमाने पर अपनाने में सहायता करेगी। पीएम ने कहा कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की गारंटी देने के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

जी-20 सम्मेलन के दूसरे सत्र में बोले प्रधानमंत्री

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए मजबूत करना होगा सहयोग

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन में आयोजित किए गए दूसरे सत्र को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने विकसित देशों को साफ शब्दों में पूर्व में तय की गई अपनी तमाम प्रतिबद्धताओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने की याद दिलाई है। साथ ये भी कहा कि प्राकृतिक आपदाएं मानवता के लिए बहुत बड़ी चुनौती बनी हुई हैं।

मौजूदा साल में भी इन्होंने दुनिया की बड़ी आबादी को प्रभावित किया है। जिसे देखते हुए यह स्पष्ट हो जाता है कि इनसे निपटने के लिए हमें वैश्विक सहयोग को और मजबूत बनाना होगा। भारत ने अपनी समूह की अध्यक्षता के दौरान एक कार्यसमूह की स्थापना की थी। आपदाओं को लेकर हमारी सोच प्रतिक्रिया से भी आगे विकास पर केंद्रित होनी चाहिए। जी-20 देश सीडीआरआई के साथ मिलकर वित्त, तकनीक और कौशल विकास को गति प्रदान कर सकते हैं। यह एक लचीले भविष्य की गारंटी बन सकता है।

स्पेस तकनीक से दुनिया को हो लाभ

उन्होंने कहा, स्पेस तकनीक से समूची मानवता को फायदा होना चाहिए। भारत ने इसके लिए जी-20 ओपन सेटेलाइट डेटा भागीदारी का सुझाव रखा है। जिसे हम ग्लोबल साउथ के देशों के लिए अधिक सुलभ व उपयोगी बना सकते हैं।

समय पर पूरे किए जाएं संकल्प

पीएम ने कहा कि नई दिल्ली में हुए सम्मेलन में हमने संकल्प लिया था कि 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा को तीन गुना और ऊर्जा क्षमता रेट को दोगुना करेंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विकसित देशों को सुलभ जलवायु वित्त, तकनीक उपलब्ध कराने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना होगा। वैश्विक सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा जरूरी है। जिसे सुनिश्चित करने में जटिल खनिजों की बड़ी भूमिका है। यह मानवता की साझी संपदा हैं। इसलिए भारत जी-20 जटिल खनिज सर्कुलेटरी कदम का प्रस्ताव रखता है। जिसके जरिए पुर्ननिर्माण, अर्बन माइनिंग और सैकेंड लाइफ बैटरी जैसे नवाचारों को बढ़ावा दिया जा सकता है।

इस रूप में निवेश से प्राथमिक माइनिंग पर निर्भरता कम रहेगी, सप्लाई चेन पर दबाव घटेगा और प्रकृति को भी काफी लाभ होगा।

कृषि क्षेत्र, खाद्य सुरक्षा पर खतरा

प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और अन्य चुनौतियों के कारण हमारे कृषि क्षेत्र और खाद्य सुरक्षा पर खतरा और गंभीर होता जा रहा है। भारत ने इससे निपटने के उपाय किए हैं। इन सभी विषयों पर हमने डेकन सिद्धांतों पर सहमति बनाई थी। अब इस दिशा में आगे बढ़ते हुए एक जी-20 रोडमैप बनाना चाहिए।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार

ब्राजिलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो (70) को शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब तख्तापलट की कोशिश के लिए उनकी सजा अगले सप्ताह शुरू होने वाली थी। तख्तापलट की कोशिश के आरोप में इस साल सितंबर में बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उन्हें पुलिस फोर्स मुख्यालय ले जाया गया। ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है।

बायजू रवींद्रन पर 9 हजार करोड़ का जुर्माना

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने बायजू अल्फा और अमेरिका स्थित ऋणदाता जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की याचिका के आधार पर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट निर्णय सुनाया है। इस आदेश के तहत रवींद्रन को व्यक्तिगत रूप से एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि (करीब 9 हजार करोड़ रुपये) चुकानी होगी।

हिमाचल प्रदेश में होगा अंतिम संस्कार, जल्द भारत पहुंचेगी उनकी पार्थिव देह

दुबई में नम आंखों से दी गई विंग कमांडर नमांश स्याल को अंतिम विदाई

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दुबई में अंतरराष्ट्रीय एयरशो के दौरान हुई तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटना में मारे गए भारतीय वायुसेना के पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल को शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में यूएई, भारतीय दूतावास और वायुसेना के अधिकारियों, उनके साथी पायलट और दोस्त ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि के साथ अंतिम विदाई दी है। जिसके बाद तमाम जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द ही (रविवार या सोमवार तक) उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए स्वदेश पहुंचेगा।

जहां उनके गृह राज्य हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। वायुसेना ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है। जिसमें दुबई में विंग कमांडर स्याल की पार्थिव देह को राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) में लिपटा हुआ देखा जा सकता है। उन्हें सैन्य सम्मान यानी गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

परिवार के साथ खड़ी है वायुसेना

वायुसेना ने विंग कमांडर स्याल की इस दुखद मृत्यु को लेकर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि एक समर्पित पायलट और पूर्णतः पेशेवर के रूप में उन्होंने अटूट प्रतिबद्धता, असाधारण कौशल व कर्तव्यनिष्ठा के साथ राष्ट्र की सेवा की है।

सेवा के प्रति इसी समर्पित जीवन के कारण उनके गरिमामय व्यक्तित्व ने उन्हें अपार सम्मान दिलाया है। वायुसेना के मुताबिक, दुख की इस घड़ी में बल उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। हम उनके साहस, समर्पण और सम्मान की विरासत का सम्मान करते हैं। विंग कमांडर नमांश स्याल की सेवा को कृतज्ञतापूर्वक याद किया जाएगा।

तमिलनाडु से भरी थी दुबई की उड़ान

घटना के सोशल मीडिया पर आए वीडियो में ये देखा जा सकता है कि कैसे एयरशो में 21 नवंबर को तेजस विमान अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरने के बाद अचानक तेजी से नीचे गिरता हुआ और उसके साथ ही आग के गोले में तब्दील हो जाता है। इस साल एयरशो में वायुसेना के कुल तीन तेजस विमान और हवाई करतब दिखाने वाली 9 सूर्यकिरण विमानों की एक टीम दुबई गई थी। ये एक द्विवार्षिक आयोजन है, जिसमें तेजस विमान पहले भी भाग ले चुका है। दुबई की यात्रा से पहले विंग कमांडर नमांश स्याल तमिलनाडु के सुलूर एयरबेस पर तैनात इस स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान की एक स्क्वॉड्रन में तैनात थे। स्याल के परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटी है। वहीं, इस दुर्घटना के असली कारणों का पता लगाने के लिए वायुसेना ने जांच (कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी) गठित कर दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी हादसे को लेकर दुख जताया है।

पीयूष गोयल ने इज़राइल के साथ कृषि, प्रौद्योगिकी और व्यापार के क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर की चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इजराइल की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान कई बैठकें कीं, जिससे कृषि, प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा मिला है। गोयल ने 21 नवंबर को अपनी बैठकों के दौरान, इज़राइल के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी डिचर से कृषि सहयोग को आगे बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। डिचर ने गोयल को इज़राइल के 25 वर्षीय खाद्य सुरक्षा रोडमैप, उसकी उन्नत बीज-सुधार रणनीतियों और कृषि के लिए जल-पुनउपयोग प्रौद्योगिकियों में देश के वैश्विक नेतृत्व के बारे में जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने अपनी यात्रा के दौरान पेरेज़ सेंटर फ़ॉर पीस एंड इनोवेशन का दौरा किया, जहां उन्हें इज़राइल के अग्रणी तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र से अवगत कराया गया। उन्हें ड्रिप सिंचाई प्रणाली, स्टेंट तकनीक और आयरन डोम प्रणाली सहित कई ऐतिहासिक नवाचारों के साथ-साथ उभरती हुई भविष्य की तकनीकों और इमर्सिव वर्चुअल-रियलिटी समाधानों की जानकारी दी गयी। उन्होंने पेरेज़ सेंटर को एक प्रेरक संस्थान बताया जो इज़राइल की रचनात्मकता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव की प्रगति को दर्शाता है। उन्होंने मोबाइल आई द्वारा आयोजित एक स्वचालित-ड्राइव प्रदर्शन के माध्यम से गतिशीलता समाधानों में इज़राइल की प्रगति की भी जानकारी ली जिसमें अगली पीढ़ी की गतिशीलता में सटीक इंजीनियरिंग का उल्लेख किया गया। गोयल ने किबुत्ज़ रमत राचेल का भी दौरा किया जहां उन्होंने सहकारी जीवन शैली, टिकाऊ कृषि पद्धतियों और समुदाय-संचालित नवाचार के उनके मॉडल का अवलोकन किया। इन मुलाकातों से इज़राइल की तकनीकी शक्तियों और ग्रामीण विकास एवं स्थिरता के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। गोयल ने इजराइल के वित्त मंत्री बेजेल स्मोट्रिच के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की, जिसमें निवेश संबंधों को मजबूत करने, वित्तीय प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने और अधिक मजबूत आर्थिक आदान-प्रदान की सुविधा के लिए नियामक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

भारत-पाक संघर्ष में चीन ने अपने हथियारों का परीक्षण किया: यूएस

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

भारत और पाकिस्तान के बीच मई में बढ़े तनाव को चीन ने अपने आधुनिक हथियारों की क्षमता परखने के मौके के तौर पर इस्तेमाल किया। अमेरिकी द्विदलीय आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि बीजिंग ने चार दिन चले इस संघर्ष को अपने हथियारों के वास्तविक युद्धक परीक्षण और प्रचार के लिए मौक़ापरस्ती के साथ उपयोग किया। रिपोर्ट ने चीन की इस रणनीति को सीमा तनावों और रक्षा उद्योग को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षा से जुड़ा हुआ बताया। यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन की रिपोर्ट के अनुसार, यह पहली बार था जब चीन ने एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम, पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल और जे-10 लड़ाकू विमान को सक्रिय युद्ध में इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में इसे रियल-वर्ल्ड फील्ड एक्सपेरिमेंट करार दिया गया है। इसके बाद चीन ने पाकिस्तान को 40 जे-35 फिफ्थ जनरेशन लड़ाकू विमान, केजे-500 एयरक्राफ्ट और बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम बेचने की पेशकश भी की।

संघर्ष के बाद हथियारों का प्रचार तेज किया

रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष खत्म होने के बाद चीन के दूतावासों ने अपने हथियारों की सफलता का प्रचार करते हुए कहा कि भारत-पाक संघर्ष में उसके सिस्टम ने बेहतर प्रदर्शन किया। इसे हथियारों की बिक्री बढ़ाने की रणनीति बताया गया। इससे साफ संकेत मिलता है कि बीजिंग इस संघर्ष को केवल सामरिक नजरिये से नहीं, बल्कि वैश्विक हथियार बाजार में बढ़त हासिल करने के अवसर के रूप में भी देख रहा था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109